धनबाद
शनिवार 27.06.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-125 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-13
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

पीएम मोदी नेतृत्व में भारत ने ड्रग्स के खिलाफ लड़ी सबसे मजबूत लड़ाई : अमित शाह

बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

नई दिल्ली (ईएमएस): अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के मौके पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महत्वपूर्ण बयान देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ड्रग्स के दुरुपयोग की वैश्विक चुनौती के खिलाफ अब तक की सबसे मजबूत लड़ाई लड़ी है।

उन्होंने इस राष्ट्रीय लड़ाई में शामिल सभी योद्धाओं को अपनी शुभकामनाएं दीं और नशा मुक्त भारत के प्रति अपनी सरकार के संकल्प को दोहरा दिया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर, श्री शाह ने स्पष्ट किया कि मोदी सरकार की रणनीति दोहरी है। इसमें न केवल नार्को-कार्टेल्स का कठोरता से सफाया करना शामिल है, बल्कि प्रभावित व्यक्तियों का उचित देखभाल

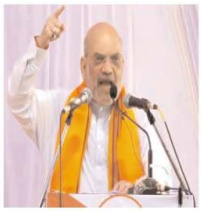

और सहानुभूति के साथ इलाज सुनिश्चित हो रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने इस दिवस को हमारी युवा पीढ़ी को ड्रग्स से बचाने के हमारे संकल्प को और मजबूत करने का अवसर बताया।

इस मौके पर, देश के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी नशा मुक्त भारत के निर्माण का संदेश दिया।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नशाखोरी को व्यक्ति, परिवार, समाज और राज्य की उन्नति में गंभीर बाधा बताकर देवभूमि उत्तराखंड को नशे के अभिशाप से मुक्त करने और स्वस्थ युवा शक्ति के माध्यम से एक समृद्ध भविष्य बनाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने समाज में व्यापक जन जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि नशा व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के विकास में बाधा है, जो व्यक्ति की सोच, स्वास्थ्य और भविष्य तीनों को कमजोर करता है।

उन्होंने नशा-मुक्त समाज की दिशा में हर व्यक्ति को जागरूक कर बेहतर कल की ओर बढ़ने का आह्वान किया।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी लोगों से नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेने की अपील की।

सभी मुख्यमंत्रियों ने जोर दिया कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है, और एक स्वस्थ, जागरूक व सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए स्वयं नशे से दूर रहना और जन-जागरूकता के माध्यम से दूसरों को भी बुराई से मुक्त होने के लिए प्रेरित करना अत्यंत आवश्यक है।

महेश दीक्षित बने नए आईबी प्रमुख, आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा के विशेषज्ञ को मिली देश की सबसे अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी महेश दीक्षित को देश की प्रमुख खुफिया एजेंसी इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) का नया निदेशक नियुक्त किया है।

१९९३ बैच के आंध्र प्रदेश कैडर के अधिकारी महेश दीक्षित वर्तमान में आईबी में विशेष निदेशक के पद पर कार्यरत थे। उनकी नियुक्ति को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने मंजूरी दी है। वह तपन कुमार डेका का स्थान लेंगे और दो वर्ष के कार्यकाल के लिए आईबी का नेतृत्व करेंगे।

महेश दीक्षित को आतंकवाद-रोधी अभियानों, आंतरिक सुरक्षा और खुफिया संचालन का लंबा अनुभव है। उन्होंने श्रीनगर स्थित आईबी की सहायक खुफिया इकाई का नेतृत्व किया था, जहां जम्मू, कश्मीर और लेह की सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मामलों की जिम्मेदारी उनके पास थी। अनुच्छेद ३७० हटाए जाने के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और खुफिया नेटवर्क को मजबूत करने में उनकी अहम भूमिका मानी जाती है।

इसके अलावा उन्होंने पूर्वोत्तर भारत और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। पेशे से चिकित्सक रहे महेश दीक्षित ने बाद में सिविल सेवा का रास्ता चुना और पुलिस सेवा में शामिल हुए। तीन दशक से अधिक के अनुभव के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े कई अहम अभियानों में योगदान दिया। उनकी नियुक्ति ऐसे समय हुई है, जब देश के सामने आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा जैसी चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं।

महुआ मोइत्रा ने भाजपा में जाने की अटकलें खारिज कीं

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें उनके भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने या पार्टी के बागी नेताओं के साथ जाने की चर्चा की जा रही थी। वहीं, पूर्व कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम की टिप्पणी ने इस राजनीतिक विवाद को और हवा दे दी है।

महुआ मोइत्रा ने गुरुवार देर रात सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट करते हुए कहा कि उनकी एक पुरानी टिप्पणी को गलत संदर्भ में पेश किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के साथ उनके संबंधों को लेकर दिया गया बयान उस समय का था, जब अधिकारी तृणमूल कांग्रेस में ही थे।

ऑनलाइन धोखाधड़ी पर आरबीआई का नया नियम : ग्राहकों को 25,000 तक मुआवजा

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बीच उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब यूपीआई, नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, डेबिट या क्रेडिट कार्ड जैसे डिजिटल माध्यमों से हुए घोटालों में ग्राहकों को २५,००० रुपये तक का मुआवजा मिल सकेगा, भले ही धोखाधड़ी में आंशिक रूप से उनकी लापरवाही भी शामिल हो। यह कदम तब उठाया गया है जब ऑनलाइन फ्रॉड के पीड़ितों के लिए अपने खोए हुए पैसे की रिकवरी अक्सर जटिल प्रक्रिया होती है।

२४ जून, २०२६ को जारी अधिसूचना के अनुसार, नियम १ जनवरी, २०२७ से प्रभावी होगा और उस तारीख को या उसके बाद किए गए सभी इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन पर लागू होगा। यह प्रावधान स्मॉल फाइनेंस बैंकों, पेमेंट बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और स्थानीय क्षेत्र बैंकों को छोड़कर सभी वाणिज्यिक बैंकों पर लागू होगा। यह नए दिशानिर्देश डिजिटल भुगतान के हर पहलू को कवर करते हैं, चाहे वे कार्ड स्वाइप या टैप करके किए गए हों, या ऑनलाइन कार्ड विवरण दर्ज करके।

आरबीआई ने धोखाधड़ी के मामलों में जिम्मेदारी तय करने के लिए तीन शर्तें रखी हैं:

बैंक की गलती: यदि धोखाधड़ी बैंक की सुरक्षा में चूक, सिस्टम की गड़बड़ी, या बैंक द्वारा धोखाधड़ी की सूचना न भेजने के कारण हुई है, तब बैंक को ग्राहक को पूरी राशि का ▶▶ 8

चीन तिब्बती बच्चों को बना रहा हथियार, भारत पर मंडरा रहा बड़ा खतरा

मामले पर पश्चिमी देशों ने चुप्पी साध रखी

नई दिल्ली (ईएमएस): चीन तिब्बत में एक ऐसा खतरनाक एजेंडा चला रहा है, जो भारत के लिए भविष्य में बड़ा संकट खड़ा कर सकता है। जियोपॉलिटिकल जानकार के अनुसार, चीन तिब्बती बच्चों को निशाना बनाकर उनकी संस्कृति, भाषा और पहचान को व्यवस्थित तरीके से मिटा रहा है, जिसका एशिया के शक्ति संतुलन और भारत की सुरक्षा पर दूरगामी असर होगा। जानकार ने अपने लेख में खुलासा किया है कि चीन ने १० लाख से अधिक तिब्बती बच्चों को जबरदस्ती सरकारी, मैंडरिन भाषा वाले बोर्डिंग स्कूलों में भेज दिया है। बीजिंग का यह कदम इस नव-साम्राज्यवादी सोच पर आधारित

है कि बच्चों को नियंत्रित करो, उनके भविष्य को नियंत्रित करो।

यह अभियान तिब्बती पठार पर शांतिपूर्ण, लेकिन शक्तिशाली ढंग से चल रहा है, जिसका मकसद केवल असहमति को कुचलना या धार्मिक रीति-रिवाजों पर प्रतिबंध लगाना नहीं, बल्कि बच्चों को लक्षित कर उनकी सांस्कृतिक विरासत को जड़ से मिटा देना है। बीते एक दशक से चीन चार-पांच साल की उम्र में तिब्बती बच्चों को उनके परिवारों से अलग कर रहा है और उन्हें कई सालों तक दूर रखता है। विकास के नाम पर चलाए जा रहे अभियान का मूल उद्देश्य बच्चों को उनकी मूल भाषा, आस्था और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से काटना है, उन्हें यह सिखाया जा रहा है कि तिब्बती परंपराएं पिछड़ी हुई हैं।

चीन के गंभीर अभियान पर पश्चिमी देशों ने आश्चर्यजनक रूप से चुप्पी साध रखी है। जियोपॉलिटिकल जानकार का मानना है कि वे इन तिब्बती बोर्डिंग स्कूलों को चीन का आंतरिक मामला बताकर अनदेखा कर रहे हैं। लेकिन तिब्बत कोई दूरदराज का क्षेत्र नहीं है; यह एशिया का भौगोलिक और रणनीतिक हृदय है, जिसे अक्सर दुनिया की छत कहते है। विशाल तिब्बती पठार हिमालय की चोटियों ▶▶ 8

विदेशी दवाओं के आयात नियमों में बदलाव की तैयारी

सरकार ने जारी किया नया ड्राफ्ट

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार ने विदेश से आयात की जाने वाली दवाओं के नियमों में बड़ा बदलाव प्रस्तावित किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने ड्रग्स रूल्स, १९४५ के नियम ३१ में संशोधन का मसौदा जारी किया है, जिस पर आम नागरिकों, दवा कंपनियों और अन्य हितधारकों से सुझाव और आपत्तियां मांगी गई हैं।

प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य दवाओं की उपलब्धता बढ़ाना, आपूर्ति प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना और दवाओं की बर्बादी को कम करना बताया जा रहा है। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार भारत में आयात की जाने वाली किसी दवा की कुल शेल्फ लाइफ का कम से कम ६० प्रतिशत हिस्सा शेष होना आवश्यक है। इस नियम के कारण कई बार गुणवत्तापूर्ण दवाएं भी भारत नहीं पहुंच पाती थीं, क्योंकि वे निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं कर पाती थीं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रस्ताव के अनुसार, अब दवाओं के भारत पहुंचने के समय उनकी एक्सपायरी अवधि में कम से कम १२ महीने शेष होना पर्याप्त माना जाएगा। हालांकि, जैविक दवाओं (बायोलॉजिकल्स) ▶▶ 8

ऑपरेशन सिंदूर के शहीदों को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में मिला सम्मान, पहली बार सार्वजनिक हुए नाम

नई दिल्ली (ईएमएस): ऑपरेशन सिंदूर में देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले छह सैन्यकर्मियों के नाम पहली बार आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय युद्ध स्मारक के रोल ऑफ ऑनर में दर्ज किए गए हैं।

इसके साथ ही उनके नाम सार्वजनिक किए गए हैं, ताकि देश उनके साहस और बलिदान को हमेशा याद रख सके। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की डिजिटल रोल ऑफ ऑनर सूची में वर्ष २०२५ के अंतर्गत इन छह वीरों के नाम अंकित किए गए हैं।

इनमें सूबेदार मेजर पवन कुमार, राइफलमैन सुनील कुमार (वीर चक्र), लांस नायक दिनेश कुमार, एविएटर मुड मुरलीनाइक, हवलदार सुनील कुमार सिंह और सार्जेंट सुरेंद्र कुमार (वायु सेना पदक) शामिल हैं। इनमें से दो जवानों को मरणोपरांत वीरता सम्मान भी प्रदान किया गया है।

केंद्र सरकार ने पहली बार इन शहीदों की पहचान सार्वजनिक करते हुए उनके योगदान को औपचारिक रूप से देश के सामने रखा है। यह कदम उन सैनिकों के सम्मान और उनके परिवारों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का प्रतीक माना जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर भारत द्वारा आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ चलाया गया सैन्य अभियान था, जिसमें इन जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर स्वतंत्रता के बाद विभिन्न युद्धों और सैन्य अभियानों में शहीद हुए भारतीय सैनिकों के नाम दर्ज हैं।

अब ऑपरेशन सिंदूर के इन छह वीरों के नाम भी स्थायी रूप से इस गौरवशाली सूची का हिस्सा बन गए हैं।

सीजेआई ने समानता की अवधारणा का मूल अर्थशास्त्र में बताया, मैग्ना कार्टा को चुनौती

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने समानता की अवधारणा के पारंपरिक मूल पर सवाल उठाकर दुनिया के सामने नई बहस छेड़ दी है। आमतौर पर माना जाता है कि समानता का विचार १३वीं सदी के मैग्ना कार्टा में पहली बार व्यक्त किया गया था, लेकिन सीजेआई सूर्यकांत ने हाल ही में रूस में इस मान्यता से भिन्न राय प्रस्तुत की।

सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल लीगल फोरम में सीजेआई सूर्यकांत ने व्यक्तिगत रूप से यह मत व्यक्त किया कि समानता का विचार मैग्ना कार्टा से भी करीब नौ शताब्दी पहले, चौथी शताब्दी ईसा पूर्व के कौटिल्य के अर्थशास्त्र में स्पष्ट रूप से मौजूद था। उन्होंने कौटिल्य के अर्थशास्त्र का हवाला देकर समझाया, इसमें यह बात बहुत स्पष्ट तरीके से कही गई है कि जो राजा स्वयं धर्म या कानून का पालन नहीं करता, वह नैतिक या वास्तविक रूप से राजा नहीं ▶▶ 8

एनसीईआरटी के 9वीं की किताब से संविधान प्रस्तावना हटी, आपातकाल पर अलग सेक्शन जोड़ा

नई दिल्ली (ईएमएस): राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने अपनी नौवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक से भारतीय संविधान की प्रस्तावना को हटाया है। जानकारी के अनुसार, इस नए संस्करण में समाजवादी और पंथनिरपेक्ष जैसे शब्दों का भी विशेष उल्लेख नहीं है, जबकि आपातकाल (इमरजेंसी) पर एक विस्तृत और अलग खंड जोड़ा गया है।

पुस्तक के अंडरस्टैंडिंग सोसाइटी: इंडिया एंड बियॉन्ड शीर्षक वाले अध्याय में, संविधान के निर्माण, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मौलिक अधिकारों पर चर्चा की गई है, लेकिन संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और गणराज्य जैसे महत्वपूर्ण शब्दों के अर्थ या उनकी व्याख्या नहीं हुई है। आपातकाल को लोकतंत्र के सामने आई सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक के रूप में दिखाया गया है। किताब में लोकनायक जयप्रकाश नारायण द्वारा छात्रों और लोगों को संगठित कर बिहार और गुजरात में बड़े जन आंदोलनों को खड़ा करने की भूमिका पर भी विस्तार से बताया गया है। इसमें बताया गया है कि १९७७ में आपातकाल समाप्त होने के बाद हुए आम चुनावों में जनता ने अपने मताधिकार के माध्यम से सत्तारूढ़ सरकार को हरा दिया, इस भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का एक उदाहरण माना गया है।

यह उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान १९७६ में किए गए ४२वें संविधान संशोधन के जरिए ही संविधान ▶▶ 8

मोदी कैबिनेट में फेरबदल: बागियों को तोहफा देगी केंद्र की एनडीए सरकार!

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में आने वाले दिनों में एक बड़ा और महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकता है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मंत्रिमंडल का विस्तार और पार्टी संगठन में व्यापक पुनर्गठन दोनों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इस कवायद का उद्देश्य सरकार और पार्टी दोनों को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करना है।

इस बहुप्रतीक्षित फेरबदल में कुछ नए चेहरों को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है, जबकि कुछ मौजूदा मंत्रियों की जिम्मेदारियों में बदलाव या उन्हें पार्टी संगठन में अहम भूमिका दी जा सकती है। माना जा रहा है कि शिवसेना (उद्धव) और टीएमसी के बागी नेताओं को को केंद्र की एनडीए सरकार बड़ा तोहफा देने जा रही है।

हाल के राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) का कुनबा और मजबूत हुआ

है। ऐसे में गठबंधन के सहयोगी दलों और हाल ही में एनडीए में शामिल हुए प्रमुख नेताओं को सरकार में उचित प्रतिनिधित्व देने की तैयारी चल रही है। महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से कुछ प्रभावशाली नेताओं के नाम इस संबंध में प्रमुखता से चर्चा में हैं। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, शिवसेना (शिंदे गुट) के सांसद श्रीकांत शिंदे को केंद्रीय मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया जा सकता है। वहीं, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) छोड़कर आए कुछ सांसदों में काकोली घोष, सुदीप बंदोपाध्याय और शताब्दी राय के नामों पर विचार चल रहा है, जिनमें से किसी एक को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। इसके अतिरिक्त, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग हुए सांसद संजय दीना पाटिल का नाम भी संभावित मंत्रियों की सूची में बताया जा रहा है। इन समावेशी कदमों से एनडीए अपने राजनीतिक विस्तार को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने की रणनीति पर काम कर रहा है।

केवल नए चेहरों को शामिल करने तक ही बात सीमित नहीं है, बल्कि कुछ मौजूदा केंद्रीय मंत्रियों की भूमिकाएं भी बदली जा सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश और दिल्ली भाजपा की कमान संभाल चुके पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा जैसे नेताओं को केंद्र सरकार के दायित्वों से मुक्त कर संगठन में अधिक सक्रिय भूमिकाएं दी जा सकती हैं। यदि ऐसा होता है, तो उनके स्थान पर युवा और गतिशील नेताओं को मंत्री पद पर अवसर मिल सकता है। भाजपा सरकार में शामिल कुछ वरिष्ठ नेताओं को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने की रणनीति पर भी काम चल रहा है, ताकि एक ओर अनुभवी नेताओं के ज्ञान का लाभ पार्टी को मिल सके, वहीं ▶▶ 8

संपादकीय | संकट के बीच बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सुस्त

पश्चिम एशिया में हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाने की वजह से देश में बढ़ती महंगाई के बीच अब इसका असर औद्योगिक उत्पादन पर भी दिखने लगा है। हालत यह है कि देश के आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर बीते मई में सुस्त पड़कर सात महीने के निचले स्तर 0.5 फीसद पर पहुंच गई। जबकि, अप्रैल में बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर 1.8 फीसद और पिछले वर्ष मई में 1.2 फीसद थी।

सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, कोयला, कच्चा तेल और रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में गिरावट के कारण इन उद्योगों की वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ी है। इससे स्पष्ट है कि ऊर्जा संकट उत्पादन में कमी का प्रमुख कारण है और अगर अमेरिका-ईरान के बीच समझौता वार्ता किन्हीं कारणों से पटरी से उतरती है या लंबी चलती है, तो आने वाले दिनों में उद्योगों की स्थिति और कमजोर हो सकती है।

मगर, सवाल है कि सरकार के उन दावों का क्या हुआ, जिनमें कहा जा रहा था कि संभावित संकट का सामना करने के लिए समय रहते वैकल्पिक उपाय तलाश लिए जाएंगे। दरअसल, होर्मुज जलमार्ग के बाधित रहने से वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रभावित हुई है, जिससे भारत समेत दुनिया के कई देशों में ऊर्जा का संकट खड़ा हो गया है। भारत पर इसका ज्यादा असर इसलिए पड़ रहा है, क्योंकि यहां आयात पर निर्भरता अधिक है।

ऊर्जा के वैश्विक संकट की वजह से देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार इजाफे के बाद सरकार ने पिछले दिनों घरेलू रसोई गैस के दामों में भी 29 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी कर

दी थी। यानी महंगाई की आंच अब आम लोगों की रसोई तक पहुंच गई है, जो आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है। इस बीच बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सात महीने के निचले स्तर पर पहुंच जाने का मतलब है कि ऊर्जा संकट की वजह से उद्योगों के उत्पादन पर गहरा असर पड़ा है। सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरक की उत्पादन वृद्धि में बड़ी गिरावट आई है। इस्पात और सीमेंट के उत्पादन की वृद्धि दर मई में घटकर क्रमशः पांच फीसद और 8.4 फीसद रही, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 7.4 फीसद और 9.7 फीसद थी।

आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि मई में बिजली उत्पादन में बढ़ोतरी 19 महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंचने से बुनियादी उद्योगों की समग्र वृद्धि को थोड़ा सहारा मिला है। यानी बिजली उत्पादन को अगर अलग कर दिया जाए, तो इन उद्योगों के उत्पादन में कुल गिरावट संकलित किए गए आंकड़ों से कहीं ज्यादा है।

अगर मौजूदा स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो, इसका असर न केवल निर्यात के कारोबार पर पड़ेगा, बल्कि मांग और आपूर्ति के बीच अंतर बढ़ने से देश में वस्तुओं के कीमतों में इजाफे से भी इनकार नहीं किया जा सकता। मगर, संकट की इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार की ओर से कोई ठोस उपाय करने के प्रयास नजर नहीं आते हैं।

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि एक तरफ आम आदमी महंगाई के बोझ तले दबता जा रहा है और दूसरी तरफ सरकार यह दिखाने का प्रयास कर रही है कि आवश्यक वस्तुओं के दाम अब भी नियंत्रण में हैं। मौजूदा संकट के लिए भले ही वैश्विक परिस्थितियां जिम्मेदार हों, लेकिन इसके समाधान के लिए सरकार द्वारा कारगर कदम उठाने के बजाय इसका बोझ जनता पर डाल देने को उचित नहीं ठहराया जा सकता।

सिर्फ कानून बना देने से अपराध पर अंकुश नहीं लग पाएगा

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक बच्ची का अपहरण कर उससे बलात्कार और फिर उसकी हत्या कर देने की घटना ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था को एक बार फिर सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है, बल्कि सामाजिक और मानवीय संवदेनाओं को भी झकझोर दिया है। बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए विशेष कानून बनाए जाने के बाद भी क्या वजह है कि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लग नहीं पा रहा है। गौरतलब है कि दक्षिण दिल्ली के महरौली इलाके में एक बच्ची को सोमवार तड़के उस समय अगवा कर लिया गया, जब वह अपने परिवार के साथ फुटपाथ पर सो रही थी। खबरों के मुताबिक, आरोपी कैब चालक ने बच्ची की अस्मिता को तार-तार करने के बाद गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी और शव को फरीदाबाद-गुरुग्राम रोड के किनारे एक जंगल में फेंक दिया। सवाल है कि सुरक्षा एजेंसियां अपराध होने के बाद ही हरकत में क्यों आती हैं। अपराध को होने से रोकने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? देश की राजधानी होने के नाते यह उम्मीद की जाती है कि यहां सुरक्षा व्यवस्था दूसरे

शहरों की अपेक्षा बेहतर होगी। मगर यहां आपराधिक घटनाओं के आंकड़ों पर नजर डालें, तो स्थिति इसके विपरीत प्रतीत होती है। घर हो या फुटपाथ, लोग कहीं भी खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर पाते हैं। हैरत की बात है कि बच्ची को अगवा कर उसकी हत्या कर देने के बाद भी आरोपी के भीतर कानून का कोई खौफ नहीं था। वारदात को अंजाम देने के बाद वह घटनास्थल पर दोबारा आया, लेकिन पुलिसकर्मियों को देख कर वहां से भाग गया। हालांकि, बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। ऐसे में यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि अगर अपराधियों के भीतर कानून का डर खत्म हो गया है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है। जाहिर है कि सुरक्षा एवं जांच एजंसियों की लापरवाही की वजह से जब अपराधी कानून के शिकंजे से बच निकलते हैं, तो उनके भीतर किसी तरह का खौफ नहीं रहता है। शासन-प्रशासन को इस बात पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है कि सिर्फ कानून बना देने से अपराध पर अंकुश नहीं लग पाएगा, उसे प्रभावी तरीके से जमीन पर लागू करने की जरूरत है।

आज का कार्टून

युद्धविराम से आगे: क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है।

ललित गर्ग

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।

लापरवाही है आग की घटनाओं की सबसे बड़ी वजह...

दिल्ली हो, लखनऊ हो या देश का और कोई कोना... अब आग लगने की जैसे आम बात लगने लगी है। लगभग हर दूसरे दिन या एक हफ्ते में किसी न किसी फैक्ट्री, अस्पताल, बाजार, गोदाम, अपार्टमेंट या शैक्षणिक संस्थानों में आग लगने की खबर सामने आती है। इन हादसों में कई लोग अपनी जान गंवा देते है और कई अपनी करोड़ों की संपत्ति चुटकियों में राख होते देखते है। दुखद बात यह है कि इन में से बहुत सी घटनाएं हम रोक सकते है लेकिन हमारी अपनी ही लापरवाही के वजह से ऐसा नहीं करते है।

कल्याणी चौधरी

ताजा मामला सोमवार को लखनऊ के अलीगंज इलाके से सामने आया, जहां एक व्यवसायिक इमारत स्थित एक कोचिंग सेंटर में आग लग गई। कई बच्चों ने इस हादसे में अपनी जान गंवा दी। मेरी नजर में अलीगंज हादसे ने हमारी पूरी व्यवस्था की खामियों को उजागर किया है। अलीगंज के इस भवन को साल 2016 में ध्वस्त करने का आदेश दिया गया था, लेकिन इसे दो महीने बाद वापस ले लिया गया। यह केवल एक व्यक्ति की ही नहीं बल्कि कई स्तरों पर हुई विफलता का परिणाम है। अब 15 लोगों की जान जाने के बाद एलडीए ने इसे गिराने की प्रक्रिया शुरू की है। सवाल यह है कि साल 2016 को जब इमारत को गिराने का आदेश दिया गया था तो उसे वापस क्यों लिया गया? अगर भवन के पास आवश्यक हृष्ट या सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं था तो उसके इस्तेमाल की अनुमति किसने दी? अलीगंज की घटना कोई अकेली घटना नहीं है। इसी महीने की शुरुआत में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित मालवीय नगर के एक होटल में भी भीषण आग लगने से 21 लोगों की जान चली गई थी। आग इतनी तेजी से फैली की लोग अंदर ही फंस गए और जान बचाने के लिए खिड़की और बालकनी से खुद गए। शुरुआती जांच में भवन नियमों के उल्लंघन की बातें सामने आई थी। हर हादसे के बाद जांच और कार्रवाई की बात होती है लेकिन थोड़े समय बाद ही मामला ठंडा पड़ जाता है और तब तक किसी दूसरे शहर से ऐसी ही दुखद घटना घट जाती है।

हर साल गर्मी के मौसम में आग लगने की घटनाएं बढ़ जाती है। गर्मी के कारण बिजली की मांग भी बढ़ जाती है। एसी, कूलर और अन्य उपकरण के लगातार इस्तेमाल से बिजली के तारों और ट्रांसफॉर्म्स पर ज्यादा दबाव पड़ता है। ऐसे में शॉर्ट सर्किट की घटनाएं बढ़ने की संभवाना रहती है। भारत के कई जगहों पर नंगे तारों का जाल फैला हुआ दिखाई देता है। पुराने और जर्जर तार वर्षों से इस्तेमाल हो रहें है, जिससे कई बार छोटी सी चिंगारी भी भयावह हादसे का रूप ले लेती है। यह सब जानते हुए भी फायर डिपार्टमेंट खुद ऑडिट करने की पहल पहले क्यों नहीं करता, क्यों हर बार हादसे के बाद ही फायर डिपार्टमेंट नींद से जागकर यह बताता है कि फलां इमारत की हृष्ट नहीं ली गई थी।

दिल्ली फायर सर्विस के आंकड़ों, के अनुसार 2019 से मार्च 2026 तक आग से जुड़ी घटनाओं में 500 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। इसके बावजूद फायर एनओसी में लापरवाही के मामले लगातार सामने आते रहते है। आग लगने की घटनाओं में अक्सर दमकल विभाग पर भी सवाल उठता है, लेकिन कई बार समस्या केवल दमकल कर्मियों की नहीं होती है। देश के आबादी और इमारतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है जबकि दमकल स्टेशनों, कर्मचारीयों और आधुनिक उपकरणों की संख्या उसी हिसाब से नहीं बढ़ी और कई बार घटनास्थल तक पहुंचने में देर इसीलिए हो जाती है क्योंकि सड़के पतली होती है, अवैध पार्किंग होती है और कई बार तो कारण की वजह ट्रैफिक होती है। इसके अलावा ऊंची इमारतों तक पहुंचने वाले उपकरण भी उपलब्ध नहीं होते है।

ऐसे हादसों के बाद सरकार मुआवजे का ऐलान कर देती है, लेकिन क्या किसी मां-बाप के लिए अपने बच्चे की जान की कोई कीमत लगाई जा सकती है? जिन मां-बाप ने अपने बच्चों को बेहतर भविष्य के लिए कोचिंग भेजा था, वो ये यकीन नहीं कर पा रहे कि उनका बच्चा कभी लौट कर नहीं आएगा। हर हादसे के बाद शोक व्यक्त करना आसान है लेकिन ऐसी घटनाओं को रोकना ही प्रशासन की असली जिम्मेदारी है।

आग लगने पर कई बार देखा गया है कि फायर एक्सटिंग्विशर केवल दिखावे के लिए लगाए जाते है और जरूरत पड़ने पर काम नहीं आते है। मेरी राय में आग लगने की घटनाएं केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक लापरवाही का नतीजा है। असली जवाबदेही तब होगी जब नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों और आधिकारियों पर सख्त कार्यवाही हो और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। जब तक सुरक्षा नियम कागजों से निकलकर धरातल पर नहीं उतरेंगे, तब तक हर हादसे के बाद शोक, मुआवजा और जांच की वही प्रक्रिया चलती रहेगी, और जानें जाती रहेंगी।

भारत में भवनों की अग्नि सुरक्षा के लिए एनबीसी और राज्य सरकारों के फायर सेफ्टी नियम लागू होते हैं। इसके अनुसार बहुमंजिला भवन, होटल, अस्पताल , कोचिंग सेंटर , मॉल, व्यावसायिक इमारत में कुछ सुरक्षा व्यवस्थाएं जरूरी मानी जाती है:- बिल्डिंग में पर्याप्त आपातकालीन निकास होनी चाहिए। सीढ़ियां और निकलने के रास्ते हमेशा खुले रहने चाहिए। बड़ी इमारतों में फायर एक्सटिंग्विशर और स्मोक डिटेक्टर होने चाहिए। भवन में पर्याप्त धुआं बाहर निकालने की व्यवस्था होनी चाहिए। समय-समय पर फायर एनओसी का रिन्यूअल कराना होता है। आग की ये घटनाएं हमें चेतावनी दे रही है कि सुरक्षा के साथ समझौते की कीमत इंसानों की जानों से चुकानी पड़ती है। अगर हम आगे भी ऐसे ही चूक करते रहे तो ऐसे हादसे फिर होने की पूरी संभावना है, जिस वजह से फिर जान और माल का नुकसान होगा।

नशामुक्त समाज के संकल्प के साथ जिले भर में जागरूकता की लहर

धनबाद (कासं) : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा देश को नशे के दलदल से बाहर निकालने के लिए एक राष्ट्रव्यापी नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय नशा निषेध और अवैध तस्करी विरोधी दिवस (विश्व ड्रग दिवस) पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर जिले के विभिन्न स्थानों पर नशा के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम किया गया।

इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के घातक दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना और उन्हें एक स्वस्थ व सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है। उपरोक्त बातें मंडल कारा धनबाद में आयोजित कार्यक्रम में अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने कही. वहीं, बरवअड्डा स्थित नशामुक्ति केंद्र आरोग्य भवन में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने कहा कि नशा विकास और खुशहाली का सबसे बड़ा दुश्मन है, नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। एलएडीसीएस के असिस्टेंट सुमन पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि नशे की लत के कारण हंसते-खेलते परिवार बिखर रहे हैं और युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। वहीं जिले के निरसा तोंपचाची, टुंडी, गोविंदपुर प्रखंड में भी नशा के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इस बाबत जानकारी देते हुए न्यायाधीश श्री टोपनो ने बताया कि डालसा की टीम द्वारा विभिन्न गांवों, कस्बों, स्कूलों और कॉलेजों में नुक्कड़ नाटकों, रैलियों, और विधिक साक्षरता शिविरों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

अभियान के तहत इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि नशे जैसी सामाजिक बुराई को केवल सरकारी प्रयासों या कानूनों से खत्म नहीं किया जा सकता। इसके लिए समाज के हर नागरिक को आगे आना होगा। एक स्वस्थ कल का संकल्प नशे से दूर रहना और दूसरों को इसके प्रति सचेत करना हम सभी की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। नालसा का यह जागरूकता अभियान समाज के हर वर्ग, विशेषकर युवाओं से आह्वान करता है कि वे नशे को ना कहें और एक स्वस्थ, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

कार्यक्रम में एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदू, जेलर दिनेश वर्मा, डालसा सहायक सौरभ सरकार, अरुण कुमार, नशामुक्ति, केंद्र के अध्यक्ष राहुल सिंह, सचिव सुकांतो चक्रवर्ती ट्रस्टी, संजय कुमार सिंह ,सदस्य, उमेश सिंह, अर्जुन पाठक, रति सिंह, राकेश सिंह, पैरालिगल वॉलंटियर, हेमराज चौहान, गीता सिंह, अनामिका सिंह, पूजा झा, लक्ष्मी देवी, पूनम कुमारी, संध्या देवी, सविता कुमारी, सुभाष चंद्र महतो, रूपामणि, कुमारी, जयप्रकाश महतो समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

नशामुक्त समाज के निर्माण की ली शपथ

टुंडी (ससे) : अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर मेरा भारत धनबाद एवं तरुण संघ टुंडी के तत्वावधान टुंडी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नशा मुक्त युवाविकसित भारत अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई।

सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की शपथ ली। संघ के अध्यक्ष नव कुमार दत्ता ने नशा की क्रिया मन से ही उत्पन्न होती है । मन पर कैंसे विजय पाएं, संयम कैसे रखे, पर चर्चा की। कार्यक्रम को सफल बनाने में तरुण संघ के सदस्य तनुश्री दत्ता, संध्या दी एवं मुखिया रेखा देवी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भोक्ता महापर्व का समापन, आस्था में डूबे हजारों श्रद्धालु

टुंडी (ससे) : धनबाद के पूर्वी टुंडी प्रखंड के बामनबाद गांव में लोक आस्था का चार दिवसीय भोक्ता पूजा महापर्व भक्ति और श्रद्धा के साथ संपन्न हो गया। निर्जला एकादशी के अवसर पर आयोजित इस पारंपरिक पर्व में आसपास के दर्जनों गांवों से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए और बाबा धर्मराज की पूजाअर्चना की। चार दिनों तक चले इस अनुष्ठान में भक्तों ने कठिन तपस्या कर अपनी आस्था का परिचय दिया। मान्यता के अनुसार भोक्ता भक्त शरीर में तीखी कील और कांटे चुभाकर भगवान की आराधना करते हैं। इस दौरान भक्ति और विश्वास का अद्भुत संगम देखने को मिला। बामनबाद गांव में आयोजित पूजा की शुरुआत सूर्य देव को अर्घ्य देने और पाट भोक्ता की पूजा के साथ हुई। निर्जला एकादशी की शाम ढोलनगाड़ों के साथ भव्य गाजन यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

महापर्व का मुख्य आकर्षण भोर के समय देखने को मिला, जब मंदिर परिसर में तीखे और नुकीले कांटों का बिछावन तैयार किया गया।

भोक्ता भक्तों ने इस पर लेटकर कठिन अनुष्ठान पूरा किया। इस अद्भुत दृश्य को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। मुख्य पुजारी मनोज बनर्जी ने पूरे विधिविधान और मंत्रोच्चार के साथ पूजा संपन्न कराई। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि बाबा धर्मराज के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना पूरी होती है।

नगर आयुक्त जनता के द्वार शिविर में सुनी गई लोगों की समस्याएं

कतरास (ससे) : बस स्टैंड गुहीबांध स्थित नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत विशेष जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वार्ड संख्या १ से ८ तक के लोगों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए, जिनके समाधान के लिए अधिकारियों ने आवश्यक पहल की।

इस दौरान पेयजल, बिजली, साफसफाई, रोजगार, स्वास्थ्य एवं नशा मुक्ति जैसे विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति और स्वच्छता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। शिविर में मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के लाभुक रामप्रवेश भुईयां ने एक सप्ताह कार्य करने के बावजूद मजदूरी भुगतान नहीं मिलने की शिकायत की। अधिकारियों ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मौके पर अपर नगर आयुक्त संदीप अनुराग टोपो, उप नगर आयुक्त प्रकाश कुमार, सहायक नगर आयुक्त शिखा कुमारी, प्रसन्न कौशिक, प्रतिभा रानी, सन्नी कुमार, नगर प्रबंधक शब्बीर आलम, विश्वनाथ भगत, विश्वनाथ मंडल, सुमित तिग्गा, अमनदीप गुप्ता, के अलावे पार्षद डॉ मधुमाला, रागनी विनायक गुप्ता, मो शहाबुद्दीन छोटू सिंह निरुपमा देवी, पार्षद प्रतिनिधि सुमित कुमार महतो सहित स्वच्छता पर्यवेक्षक, सीआरपी सहित नगर निगम के अधिकारी, निगम कर्मचारी स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया।

छात्र लक्ष्य राज सिंह ने राज्य स्तरीय लॉन टेनिस टूर्नामेंट में जीता द्वितीय रनरअप खिताब

धनबाद (कासं) : क्रेडो वर्ल्ड स्कूल, धनबाद के छात्र लक्ष्य राज सिंह ने झारखंड राज्य हार्डकोर्ट लॉन टेनिस टूर्नामेंट के अंडर१४ वर्ग में द्वितीय रनरअप स्थान हासिल कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया है।

यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता विगत २५ जून को धनबाद क्लब में आयोजित की गई थी। लक्ष्य ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार खेल, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय देते हुए राज्य के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के बीच अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या ने लक्ष्य राज सिंह को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि क्रेडो वर्ल्ड स्कूल शिक्षा के साथसाथ खेलों में भी छात्रों की प्रतिभा को निखारने के लिए निरंतर प्रयासरत है और ऐसी उपलब्धियां विद्यालय की इस प्रतिबद्धता को और मजबूत करती हैं। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने लक्ष्य राज सिंह को उनकी इस सफलता पर शुभकामनाएं देते हुए भविष्य की प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन और निरंतर सफलता की कामना की।

जालान अस्पताल में शव रोकने पर हंगामा

धनबाद (कासं) : थाना क्षेत्र के बरटांड़ स्थित जालान अस्पताल में मरीज की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि बकाया बिल जमा नहीं करने के कारण अस्पताल प्रबंधन ने शव देने से इनकार कर दिया। इस दौरान परिजनों ने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही और गलत उपचार का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

जानकारी के अनुसार, गिरिडीह निवासी मिथिलेश पासवान विगत २० जून को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए जालान अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक के परिजनों का कहना है कि इलाज में करीब चार लाख खर्च हो चुके थे, इसके बावजूद अस्पताल की ओर से ५० हजार बकाया जमा करने के बाद ही शव सौंपने की बात कही जा रही थी। परिजनों ने आरोप लगाया कि मरीज को हृदय संबंधी कोई परेशानी नहीं थी, लेकिन किसी दूसरे मरीज की रिपोर्ट के आधार पर गलत इलाज किया गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

वहीं, अस्पताल के डॉ. सी राजन चिकित्सक ने परिजनों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में मरीज के सिर में गंभीर चोट आई थी। इलाज के दौरान संक्रमण बढ़ने के कारण मरीज की मौत हुई। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, हंगामे की सूचना पर पुलिस को बुलाया गया और शव पुलिस को सौंप दिया गया।

धनबाद थाना के प्रेमानंद एएसआई ने बताया कि मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी। पूरे मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप वैन ने तीन वाहनों को मारी टक्कर, एक जख्मी

राजगंज (ससे) : राजगंज थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार पिकअप वैन ने सड़क किनारे खड़े तीन वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में एक बाइक सवार जयदेव मोदक (केशलपुर) गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

कतरास की ओर से आ रही एक पिकअप वैन ने पहले सड़क किनारे खड़ी एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद अनियंत्रित वाहन ने एक गोगो टेंपो और उसके आगे खड़े ट्रैक्टर को भी अपनी चपेट में ले लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक और टेंपो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक अपना वाहन लेकर मौके से चला गया, जबकि पिकअप वैन चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। दुर्घटना में घायल बाइक चालक को स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से पहले कतरास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही राजगंज पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वैन तथा बाइक को जब्त कर लिया। पुलिस फरार वाहन चालक की तलाश में जुटी हुई है तथा मामले की जांच कर रही है।

ओलम्पिक दिवस पर पर्यावरण संरक्षण अभियान

धनबाद (कासं) : धनबाद जिला ओलम्पिक संघ द्वारा चलाए जा रहे साप्ताहिक पौधारोपण कार्यक्रम के चौथे दिन बलियापुर हीरक रोड, कोलाकुसमा स्थित लाइट हाउस रिसोर्ट परिसर में दर्जन भर फलदार पौधे लगाए गए। इस अवसर पर जिला ओलम्पिक संघ के महासचिव रंजीत केशरी, वरीय उपाध्यक्ष ज़ुबैर आलम, रेज़ा इश्त्याक, कोषाध्यक्ष पवन कुमार बरनवाल तथा संयुक्त सचिव प्रियरंजन कुमार के साथ धनबाद जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष कैप्टन प्रदीप मोहन सहाए ने परिसर के विभिन्न स्थलों पर पौधरोपण किया ।पर्यावरण संरक्षण तथा पौधारोपण अभियान के तहत कल पांचवें दिन राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर तथा आमाघाटा स्थित मोंटफोर्ट एकाडेमी में पौधासेपण कार्यक्रम आयोजित होंगे।

रोजेदारों ने रोजा अपने-अपने कर्बला में खोला

धनबाद (कासं) : धनबाद जिला अंतर्गत मोहर्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई। नवमी की रात भर और दसवीं के रात ९ बजे तक वासेपुर, गोविंदपुर, निरसा, चिरकुंडा, तालडांगा, गलफरवाड़ी सिंदरी, बलियापुर, रमजानपुर, बड़कीटांड़, फुसबंगला, शमशेर नगर, ऊपर कुली, चौथाई कुली, शिमलाबहाल, एनाकोठी, पुटकी, केंदुआ, कतरास मोड़, छाताबाद, पचगढ़ी, बरवाअड्डा, राजगंज, गोविंदपुर, फकीरडीह, निरसा आदि क्षेत्रों में संपन्न हो गई। इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं समाजसेवियों ने विधि व्यवस्था बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाई। दसवीं की संध्या निसान को कर्बला में ठंडा करने सभी अखाड़ा दल के लोग मातम मनाते होरिलाडीह, बैंक मोड़, जेलगोड़ा आदि कर्बला में अपने-अपने निशान अर्पित किये।

गोविंदपुर में दो बाइक के बीच टक्कर, एक की मौत

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना क्षेत्र में मोहर्रम के दिन एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। गोविंदपुरसाहिबगंज रोड पर स्थित अपना नर्सिंग होम के समीप तेज रफ्तार दो बाइकों की आमनेसामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा बाइक सवार मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान पथुरिया निवासी रियाज अंसारी के पुत्र शाहबाज अंसारी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि शाहबाज ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद टक्कर मारने वाला बाइक चालक अपनी बाइक लेकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि हादसे की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। हालांकि फुटेज साफ नहीं होने के कारण अब तक आरोपी बाइक चालक की पहचान नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार बाइक सवार की तलाश में जुट गई है और मामले की जांच की जा रही है।

महादलित एकता संघ ने फुटबाल प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

धनबाद (कासं) : राष्ट्रीय महादलित एकता संघ, केंद्रीय कमिटी धनबाद के तत्वावधान में पुलिस लाइन क्लब, जगजीवन नगर मैदान में तीन दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ।

प्रतियोगिता में कुल २४ टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रविवार को खेला जाएगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं जनता मजदूर संघ के महामंत्री गुड्डू सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा फुटबॉल को किक मारकर किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने की अपील की।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय महादलित एकता संघ के संस्थापक अविनाश हाड़ी, देवा बासफोर, सोनू हाड़ी, बिरजू बासफोर, हिमांशु कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वक्ताओं ने कहा कि खेल आपसी भाईचारा, अनुशासन और सामाजिक एकता को मजबूत करता है तथा युवाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करता है।

संगठन की ओर से निर्णय लिया गया कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मंच देने के लिए प्रत्येक वर्ष इस तरह की फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता को सफल बनाने में संगठन के सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही।

सीएमडी ने निदेशक मंडल के साथ दुग्दा क्षेत्र का किया दौरा

धनबाद (कासं) : सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने निदेशक मंडल के सदस्योंनिदेशक (तकनीकी/संचालन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) राजेश कुमार तथा निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) राजीव कु. सिन्हा के साथ दुग्दा क्षेत्र का विस्तृत दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय धार्मिक स्थल पर दर्शनपूजन के साथ बीसीसीएल की कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लिया तथा दुग्दा स्थित २० मेगावाट सोलर प्लांट का निरीक्षण किया। अवसर पर महाप्रबंधक (वाशरी) सोहेल इकबाल, परियोजना पदाधिकारी (दुग्दा कोल वाशरी) अमित कुमार, वाशरी डिवीजन सहित दुग्दा कोल वाशरी के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

दौरे की शुरुआत सीएमडी श्री अग्रवाल ने निदेशक मंडल के साथ प्रसिद्ध दुग्दा पहाड़ी मंदिर में विधिविधान से पूजाअर्चना के साथ की। उन्होंने बीसीसीएल परिवार की समृद्धि, कर्मचारियों की सुरक्षा तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए मंगलकामना की। इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया तथा मंदिर परिसर में उनका पारंपरिक अभिनंदन किया। तत्पश्चात मंदिर समिति के प्रतिनिधियों के साथ औपचारिक संवाद के दौरान मंदिर के विकास एवं उससे संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई।

इसके उपरांत सीएमडी श्री अग्रवाल निदेशकगण के साथ दुग्दा स्थित पंडित बागेश्वर पाण्डेय सरस्वती विद्या मंदिर पहुँचे, जहाँ उन्होंने बीसीसीएल की सीएसआर योजना के अंतर्गत विद्यालय परिसर में स्थापित एक डीजी सेट तथा तीन आरओ (वॉटर प्यूरीफायर) का औपचारिक उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उपस्थित छात्रछात्राओं एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए सीएमडी ने कहा कि बीसीसीएल केवल कोयला उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय समुदाय तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल देते हुए विद्यालय के विकास के लिए बीसीसीएल की निरंतर प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्रछात्राओं द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गई। बच्चों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति एवं पारंपरिक गीतों तथा नृत्य की उपस्थित सभी ने सराहना की। सीएमडी श्री अग्रवाल ने छात्रों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर बीसीसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

अपने दौरे के अंतिम चरण में सीएमडी श्री अग्रवाल दुग्दा स्थित बीसीसीएल के २० मेगावाट सोलर प्लांट पहुँचे, जहाँ उन्होंने संयंत्र की कार्यप्रणाली तथा विद्युत उत्पादन की स्थिति का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति और संचालन संबंधी विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अवसर पर निदेशकगण और परियोजना से जुड़े अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बीसीसीएल शीर्ष प्रबंधन का यह दौरा कंपनी की सीएसआर गतिविधियों, आधारभूत अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण तथा क्षेत्र के समग्र विकास के प्रति उसकी सतत प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

एसआईआर को लेकर जन-जन तक पहुंचेगी सही जानकारी : डीसी

बोकारो (ससे): जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने शुक्रवार शाम गोपनीय स्थित कार्यालय कक्ष में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ को लेकर गठित मीडिया मॉनिटरिंग सेल की बैठक की। बैठक में एसआईआर से संबंधित गतिविधियों के व्यापक प्रचार-प्रसार, मतदाताओं के बीच जागरूकता बढ़ाने तथा भ्रामक सूचनाओं पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

डीईओ सह डीसी ने निर्देश दिया कि एसआईआर-२०२६ से संबंधित प्रतिदिन की गतिविधियों को नियमित रूप से प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जारी किया जाए तथा इंस्टाग्राम, एक्स, यूट्यूब एवं फेसबुक सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर साझा किया जाए। इसके लिए जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को विस्तृत एक्शन प्लान तैयार करने का निर्देश दिया।

डीईओ सह डीसी ने कहा कि एसआईआर को लेकर किसी प्रकार की भ्रांति या भ्रम की स्थिति नहीं रहने दी जाएगी। कोई भी पात्र मतदाता नहीं छूटेगा... का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने एसआईआर से संबंधित आम नागरिकों के मन में उठने वाले प्रश्नों का समाधान करने हेतु शॉर्ट वीडियो तैयार करने तथा उन्हें विभिन्न माध्यमों से प्रसारित करने का निर्देश दिया।

बैठक में साइबर फ्रॉड से बचाव को लेकर भी जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि किसी भी परिस्थिति में मतदाता अपनी ओटीपी अथवा अन्य गोपनीय जानकारी किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा नहीं करें। निर्वाचन आयोग द्वारा किसी भी तरह का कोई ओटीपी नहीं मांगा जाता है। इस संबंध में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

डीईओ सह डीसी ने नियमित मीडिया ब्रीफिंग आयोजित करने तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समय-समय पर बैठक कर एसआईआर-२०२६ की प्रगति और प्रक्रियाओं की जानकारी साझा करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी धनंजय कुमार को तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने तथा एसआईआर से संबंधित त्वरित समन्वय के लिए मीडिया मॉनिटरिंग सेल का व्हाट्सएप समूह बनाने का निर्देश दिया गया।

डीईओ सह डीसी ने बताया कि २९ जून से वरीय पदाधिकारी विभागीय कार्यों का निष्पादन प्रथम पाली में करेंगे, जबकि द्वितीय पाली का पूरा समय एसआईआर गतिविधियों की निगरानी और अनुश्रवण* को समर्पित रहेगा। सभी वरीय पदाधिकारी अपने-अपने आवंटित प्रखंड क्षेत्रों में जाकर बीएलओ की गतिविधियों की निगरानी करेंगे, घर-घर भ्रमण की प्रगति का आकलन करेंगे तथा मतदाताओं से प्राप्त फीडबैक की समीक्षा करेंगे।

डीईओ सह डीसी ने कहा कि एसआईआर-२०२६ से जुड़े कार्यों की प्रतिदिन जूम बैठक के माध्यम से समीक्षा की जाएगी, ताकि सभी गतिविधियां समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संचालित हो सकें।

डीईओ सह डीसी ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि *सोशल मीडिया पर फर्जी, भ्रामक अथवा गलत जानकारी प्रसारित करने वाले व्यक्तियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में जिला प्रशासन जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य करेगा। बैठक में अपर समाहर्ता (एसी) सुनील चन्द्र, डीपीएलआर पूर्णिमा कुमारी, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी धनंजय कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

एसआईआर के दौरान किसी भी प्रकार के फर्जी दस्तावेज बनाने या बनवाने पर होगी कार्रवाई

बोकारो (ससे): जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ के मद्देनजर जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों-अंचल अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि जन्म प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र सहित किसी भी प्रकार के दस्तावेज फर्जी तरीके से नहीं बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि दूसरे जिले में विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्रों को अनियमित एवं फर्जी तरीके से बनवाने के प्रयास की सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं, जिसे गंभीरता से लिया गया है। डीईओ सह डीसी ने कहा कि *किसी भी प्रमाण पत्र के निर्गत होने से पूर्व संबंधित पदाधिकारी द्वारा उसका विधिवत सत्यापन सुनिश्चित किया जाएगा। बिना जांच और सत्यापन के कोई भी दस्तावेज जारी नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दस्तावेजों की जांच पूरी पारदर्शिता एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी पात्र एवं योग्य आवेदकों को नियमानुसार *वैध प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य *आम नागरिकों को सुविधा प्रदान करना है, लेकिन किसी भी स्थिति में फर्जीवाड़ा या गलत दस्तावेजों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। डीईओ सह डीसी ने कहा कि एसआईआर-२०२६ की प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में सौहार्द के साथ मना मुहर्रम

डुमरी (ससे): हजरत इमाम हसन हुसैन की शहादत में मनाया जाने वाला मोहर्रम शुक्रवार को प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में शांतिपूर्ण और सौहार्द के वातावरण में मनाया गया।प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में अखाड़ा कमेटी के सदस्यों ने आकर्षक तजिया व अखाड़ा जुलूस निकाला। वहीं इस दौरान मुहर्रम अखाड़ा समिति के लोगों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।वहीं विभिन्न क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अपने धार्मिक स्थलों पर पर्व की परंपराओं का निर्वहन किया। साथ ही हसन हुसैन के बलिदान को याद किया।त्याग व बलिदान के इस पर्व में कहीं कोई खलल नहीं पड़े इसके लिए सभी सार्वजनिक स्थानों, चौक-चौराहों,संवेदनशील एवं अति संवेदनशील स्थानों पर दंडाधिकारियों के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई थी जबकि अनुमण्डल कार्यालय में नियंत्रण कक्ष स्थापित की गई थी।जहां प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी घंटे दर घंटे क्षेत्र की खैरियत प्रतिवेदन जिला प्रशासन को प्रेषित कर रहे थे।इधर प्रभारी एसडीओ संतोष गुप्ता एसडीपीओ आबिद खान सीओ शशिभूषण वर्मा पुलिस इंस्पेक्टर राजेन्द्र प्रसाद डुमरी थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार सदलबल क्षेत्र में भ्रमण कर वस्तुस्थिति का जायजा लेते रहे।

समाचार भेजे जाने तक कहीं से किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं थी।मुहर्रम को लेकर स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट मोड पर था।डुमरी चौक में अखाड़ा जुलूस में शामिल युवकों द्वारा अपने कला का प्रदर्शन किया।

इस दौरान गुड्डु मलिक,समसुद्दीन अंसारी, मो नईम, मो.समीम, क्यूम अंसारी, सोनू सोहेल, मो सिराज, अख्तर अंसारी,आदम अंसारी, इदरीश अंसारी, मोहम्मद मुस्तकीम,शहीद राजा,हैदर अली, मो आफज, सलमान खान, इम्तियाज, दानिश,मो अरबाज, एहतेशाम नवाज, शोहेब आलम,मो रियाज,मो मिराज, मोहम्मद अल्तमश, नवाब अली, जमालउद्दीन अंसारी आदि उपस्थित थे। वहीं इसरी चौक में सनाउल्लाह अंसारी, युनूस, मौलाना इसराइल, मेहबूब, सलाउद्दीन अंसारी, मकसूद, साकिर, छोटी आदि उपस्थित थे जबकि गानोडीह (तेलखारा) में देश की शान तिरंगा से लपटा आकर्षक तजिया निकाला गया।इस दौरान पंचायत के मुखिया नूरउद्दीन अंसारी पूरी तरह से सक्रिय नजर आये।मुखिया ने सभी के लिए नाश्ते की व्यवस्था की।वहीं तेलखारा में स्थानीय बक्सी (सिन्हा) परिवार द्वारा तजिया निकाला जाता है जबकि निमियाघाट चौक में खुर्शीद अंसारी, नागेश्वर मंडल लक्ष्मण मोड़ में जमाल अंसारी,खुर्शीद अंसारी,युसूफ अंसारी,गंगाधर महतो आदि उपस्थित थे।

बीएसएल में स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन

बोकारो (ससे): बीएसएल के सीएसआर के तहत संचालित बोकारो इस्पात संजीवनी - मोबाइल मेडिकल यूनिट टाउनशिप के आस-पास के सीमावर्ती गांवों में ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध करा रही है। इस पहल के तहत, चिकित्सकों और पैरामेडिक्स की टीम से लैस मोबाइल मेडिकल यूनिट हर महीने लगभग ४५ सीमावर्ती गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को मुफ्त प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर रही है। इस क्रम में टांड बालीडीह में ४३ ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, झोपड़ो एवं नरकरा में क्रमशः २९ एवं ०६ मरीज़ों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ तथा कुण्डौरी एवं महेशपुर गांवों में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में कुल ४६ ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। इसी प्रकार शिबूटांड़ एवं मोहनपुर गांवों में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में क्रमशः २४ एवं १६ ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और परसाडीह एवं कनारी गांवों में क्रमशः ३५ एवं १० ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविरों के दौरान मरीज़ों की ईसीजी सहित विभिन्न पैथोलॉजिकल परीक्षण किए गए।

हिंदी में प्रशंसनीय कार्य करने वाले चार चिरेकाकर्मी पुरस्कृत

चित्तरंजन (ससे): चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना (चिरेका) के महाप्रबंधक कार्यालय स्थित प्रशासनिक भवन सभागार में २६ जून २०२६ को चिरेका राजभाषा कार्यान्वयन समिति की १६३वीं बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता मोहित चंद्रा,महाप्रबंधक चिरेका ने की। इस दौरान राष्ट्र गीत का गायन किया गया। इस बैठक में मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य इंजीनीयर , अजय कुमार सहित विभागों के प्रमुख अध्यक्ष ,राजभाषा कार्यान्वयन समिति की पदेन सदस्यों और राजभाषा अधिकारी सह विभाग के कर्मचारी गण उपस्थित थे।

बैठक का संचालन श्रीमती मौसुमी साहा,राजभाषा अधिकारी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजभाषा में प्रशंसनीय कार्य के लिए मृणाल दादेल, सहायक सामग्री प्रबंधक/ मुख्यालय भंडार-विभाग,श्रीसंतोष प्रसाद राय ,कार्यालय अधीक्षक, इंजीनियरिंग विभाग,; श्रीमती पूनम सिंह ,कार्यालय अधीक्षक,सामान्य प्रशासन/ उप-महाप्रबंधक कार्यालय और सुब्रत कुमार दत्ता,कनिष्ठ लिपिक,चिकित्सा/विभाग को महाप्रबंधक महोदय के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत किया गया। इसके बाद विगत वर्ष की गतिविधियों की जानकारी दी गयी । बैठक में निर्धारित मानक कार्यसूची पर विचार विमर्श किए गए तथा सुझावों पर भी चर्चा की गयी।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे श्री चंद्रा ने अपने अभिभाषण में कहा कि राजभाषा का गौरव को बनाये रखते हुए हम सभी इसे सरलता एवं सहजता के साथ अपने कार्यों में अपनाएं।

उन्होंने यह भी कहा है कि चिरेका में राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और राजभासा हिंदी के प्रचार प्रसार के दिशा में कई सराहनीय प्रयास किए गए हैं। बैठक का समापन राष्ट्र गान के साथ किया गया।

बीएसएल में बेस्ट इम्प्लाई ऑफ़ द मंथ अवॉर्ड

बोकारो (ससे): बीएसएल में मई २०२६ के लिए बेस्ट इम्प्लाई ऑफ़ द मंथ अवॉर्ड का आयोजन किया गया जिसमें आठ (०८) कर्मचारी पुरस्कृत किये गए. कर्मचारियों को उनके कार्य में विशिष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया. इस समारोह में बीएसएल के वरीय अधिकारियों सहित सम्बंधित विभागों के विभागाध्यक्ष एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे.

उपस्थित वरीय अधिकारियों ने कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस सफलता में कर्मचारियों के साथ- साथ उनके परिवार का भी बहुत बड़ा योगदान है. उन्होंने आह्वान किया कि कर्मचारी दैनिक कार्यों के साथ-साथ नित नई चुनौतियों को स्वीकार करें और नवाचार के माध्यम से उनका समाधान खोजें ताकि संयंत्र के विकास की गति निरंतर बनी रहे.कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने चयनित कर्मचारियों को उनके कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं विशिष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया. कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों तथा उनके परिजनों ने भी अपने अनुभव वीडियो क्लिप के दवारा साझा किये और कंपनी के प्रति इस पुरस्कार के लिए चुने जाने पर प्रबंधन का आभार व्यक्त किया.

यह पुरस्कार योजना बोकारो इस्पात संयंत्र की अपने मानव संसाधन को प्रोत्साहित करने और कार्य-संस्कृति में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण पहल है. इस प्रकार के आयोजनों से न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है, बल्कि यह उत्पादकता, सुरक्षा मानकों में सुधार और संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना को भी सुदृढ़ करता है.

पंडित अजय चक्रवर्ती 21 नवंबर को बोकारो में गायकी से बांधेंगे समां

बोकारो (ससे): आई.टी.सी.संगीत रिसर्च अकादमी, कोलकाता एवं भारतीय संगीत कला अकादमी, बोकारो स्टील सिटी के संयुक्त तत्वाधान में २१ नवंबर २०२६ को बोकारो में विश्व प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पद्म भूषण पंडित अजय चक्रवर्ती अपने गायन की प्रस्तुति देने आ रहे हैं। यह जानकारी साझा करते हुए बोकारो के प्रसिद्ध तबला वादक एवं भारतीय संगीत कला अकादमी, बोकारो के सचिव डॉ. राकेश रंजन ने कहा कि बोकारो के लिए वह क्षण गौरव का होगा जब पंडित अजय चक्रवर्ती जी का बोकारो आगमन होगा।

उल्लेखनीय है कि पंडित अजय चक्रवर्ती भारत के दिग्गज हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायक और संगीतकार हैं। उन्होंने देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अनेक संगीत समारोह में अपनी प्रस्तुतियां दी हैं। उन्हें मुख्य रूप से पटियाला-कसूर घराने के अग्रणी प्रतिपादक के रूप में जाना जाता है। अपनी गायकी में कई घरानों का मिश्रण करने वाले पंडित अजय चक्रवर्ती जी को २०२० में देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से नवाजा गया था। उनका जन्म पश्चिम बंगाल के श्यामनगर में हुआ था। उन्होंने रबिन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता से संगीत में कला स्नातक और स्नातकोत्तर की शिक्षा स्वर्ण पदक के साथ पूरी की। उन्होंने अपने पिता पंडित अजीत कुमार चक्रवर्ती से संगीत की प्रारंभिक शिक्षा ली।

इसके बाद उन्होंने महान संगीतज्ञों जैसे कनाईदास बैरागी, पंडित ज्ञान प्रकाश घोष और उस्ताद बड़े गुलाम अली खान के सुपुत्र उस्ताद मुनव्वर अली खान से शास्त्रीय संगीत की तालीम हासिल की।

पंडित अजय चक्रवर्ती ख्याल और ठुमरी के अलावा टप्पा, भजन, कीर्तन, गजल और आधुनिक गीत भी गाते हैं। २०२० में पद्म भूषण, २०११ में पद्म श्री, संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, और २०१५ का तानसेन सम्मान उन्हें प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने कोलकाता में 'श्रुतिनंदन' नामक एक प्रसिद्ध संगीत विद्यालय की स्थापना की है। उनकी बेटी कौशिकी चक्रवर्ती भी देश की एक अत्यंत लोकप्रिय और स्थापित हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका हैं।

डीपीएस के छात्र अनमोल ने राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में लहराया परचम

चास, बोकारो (ससे): बोकारो। शिक्षा के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए डीपीएस चास, बोकारो के कक्षा-दसवीं के छात्र अनमोल कुमार ने राज्य स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और जिले का नाम गौरवान्वित किया है।

अनमोल ने १५ से २० जून तक झारखंड के के.के पॉलिटेक्निक कॉलेज ग्राउंड धनबाद में आयोजित २६वीं यूथ झारखंड राज्य बास्केटबॉल प्रतियोगिता में बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन (इड-) का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों की मजबूत टीमों ने हिस्सा लिया, जहां खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान अनमोल और उनकी टीम ने उत्कृष्ट खेल भावना, अनुशासन तथा दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। टीम ने दुमका, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला, जमशेदपुर और अन्य मजबूत प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ मुकाबला किया। कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच टीम ने पांच में से तीन मैच जीतकर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया।

अनमोल के बेहतरीन प्रदर्शन ने न केवल टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया, बल्कि विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बना। उनकी मेहनत, समर्पण और खेल के प्रति जुनून ने यह साबित कर दिया कि निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास से बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। विद्यालय की निदेशिका / प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने अनमोल और उनकी टीम के सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियाँ विद्यालय के लिए गर्व का विषय हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अनमोल भविष्य में भी खेल जगत में नई ऊंचाइयों को छूते हुए विद्यालय, जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगे।

विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, अभिभावकों एवं सहपाठियों ने भी अनमोल की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की और उनके उज्ज्वल खेल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। यह उपलब्धि डीपीएस चास की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जाता है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

जिले में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ मुहर्रम

धनबाद (कासं) : हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मनाए जाने वाले मुहर्रम के अवसर पर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक अखाड़े निकाले गए। खिलाड़ियों ने डंके की गूंज के बीच पारंपरिक खेलों का शानदार प्रदर्शन किया। कई इलाकों में ताजिया जुलूस भी निकाला गया, जिसमें मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। पूरे जिले में मुहर्रम श्रद्धा, उत्साह और सौहार्द के माहौल में मनाया गया।

धनबाद (कासं) : मुहर्रम के पवित्र अवसर पर चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाजार द्वारा पंचशील प्लाजा स्थित सेवा मंच पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के व्यापारी वर्ग, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और स्थानीय गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि युवा संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह प्रख्यात समाजसेवी दिलीप सिंह उपस्थित रहे। चैंबर के अध्यक्ष सोहराब खान एवं पदाधिकारीयो ने उनका स्वागत करते हुए अंग वस्त्र और पारंपरिक पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर दिलीप सिंह ने अपने संबोधन में मुहर्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आपसी भाईचारे और एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सद्भाव को मजबूत करते हैं। चैंबर के अध्यक्ष सोहराब खान ने बताया कि चैंबर हर वर्ष सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से एकता और सौहार्द को बढ़ावा देता रहा है। मुहर्रम का यह आयोजन भी उसी कड़ी का हिस्सा है। कार्यक्रम का संचालन चैंबर के सदस्यों द्वारा किया गया। अंत में चैंबर ऑफ कॉमर्स पुराना बाजार की ओर से सभी आगंतुकों और सहयोगियों के प्रति आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। मौके पर गोपाल प्रसाद महाजन, दीपक सिंह, मुन्ना सिंह, संजय तिवारी आदि मौजूद थे।

दीवान पूजा में शामिल हुए सांसद ढुल्लु महतो

टुंडी (ससे) : टुंडी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पूर्णाडीह निवासी किशोर कुमार के आवास पर आयोजित लोक आस्था एवं परंपरा के प्रतीक दीवान पूजा में धनबाद सांसद ढुल्लु महतो शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ दीवान बाबा की विधिवत पूजाअर्चना कर क्षेत्र की सुखसमृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना की। सांसद ने उपस्थित श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि हमारी लोक परंपराएं और धार्मिक आस्थाएं समाज को एकजुट रखने तथा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने दीवान बाबा का आशीर्वाद प्राप्त कर श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया तथा आयोजन की सफलता के लिए आयोजकों एवं ग्रामीणों को शुभकामनाएं दीं।

टुंडी (ससे) : जिले के पूर्वी टुंडी प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम का त्योहार तलवार और पारंपरिक हथियारों से हैरतअंगेज करतब दिखाकर शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कोपली, गेठीबेड़ा, रामपुर मोड़, महुआडाबर सहित कई इलाकों में अखाड़ा दलों की ओर से मातमी जुलूस निकाला गया। इस दौरान खिलाड़ियों ने लाठी, लोगों को रोमांचित कर दिया।

मुहर्रम की दसवीं तारीख को दोपहर से ही विभिन्न अखाड़ा कमिटियों की ओर से जुलूस निकाला गया, जो शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। जुलूस के बाद अखाड़ा दलों के खिलाड़ियों ने कई घंटों तक पारंपरिक खेलों का प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस पदाधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल, सर्किल इंस्पेक्टर साजिद हुसैन और पूर्वी टुंडी थाना प्रभारी नीतीश कुमार सहित कई अधिकारियों को अखाड़ा कमेटी के सदस्यों ने पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। मौके पर रामपुर मोड़ अखाड़ा दल के ऐनुल अंसारी, झामुमो नेता अजीत मिश्रा, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष गिरी लाल किस्कू, सचिव शत्रुघ्न मंडल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रशासन, पुलिस और आम जनता के बेहतर तालमेल से मुहर्रम का त्योहार शांतिपूर्ण और भाईचारे के माहौल में संपन्न हुआ।

छेनुआ (ससे) : मुहर्रम पर के अवसर पर केन्दुआडीह थाना क्षेत्र में पूरे धूमधाम एवं सौहाद्र पूर्ण रूप से संपन्न हुआ। थाना क्षेत्र में सबसे पुराना एवं बड़ा मोहर्रम का ताजिया चार नंबर में आयोजित होती है। केंदुआ चार नंबर में तेंदुआती थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रमोद पांडे सब इंस्पेक्टर राकेश कुमार की पूरी टीम समेत पुलिस जन सहयोग समिति शांति समिति के सदस्य रामगोपाल भुवानिया, हरि प्रसाद पप्पू, चंद्रदेव यादव, मनोज राय, मनवर अंसारी, तनु सदर, नवीन वर्मा, भूषण महतो मनोज सिंह समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

पार्टी की कार्ययोजना को जमीन पर ईमानदारी से उतारें : सांसद ढुल्लू

अपने-अपने बूथों पर मैपिंग करने का काम करें कार्यकर्ता : विधायक राज

धनबाद (कासं) : भारतीय जनता पार्टी धनबाद महानगर की दो अलग-अलग अति महत्वपूर्ण बैठक जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष श्रवण राय की अध्यक्षता में हुई। पहली बैठक जिला पदाधिकारी, मंच मोर्चा के जिला अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्षों के साथ हुई वहीं दूसरी बैठक में जिले में निवास करने वाले प्रदेश पदाधिकारी, मंच मोर्चा के पदाधिकारी, प्रदेश कार्य समिति के सदस्य, पूर्व जिला के पदाधिकारी व मंडल अध्यक्ष शामिल हुए। इस बैठक में पूर्व के कार्यक्रमों के कार्यान्वयन एवं आगामी कार्यक्रमों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश के महामंत्री मनोज सिंह, धनबाद के सांसद ढुल्लु महतो, धनबाद के विधायक राज सिन्हा एवं महानगर जिला प्रभारी संजीव विजय वर्गीय मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक का संचालन जिला महामंत्री मानस प्रसुन एवं धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री रुपेश सिन्हा ने किया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के १२ वर्षों के कार्यकाल में जो विकास के काम किए गए उसे आम जनता तक पहुंचाने का काम करें। उन्होंने कहा कि लोग भावनात्मक रूप से पार्टी में जुड़े हैं। हमारा संगठन चुस्त एवं दुरुस्त है। उन्होंने मंडल अध्यक्षों व मोर्चा के जिला अध्यक्षों से कहा कि बूथ स्तर से लेकर शक्ति केंद्र तक की बैठक कर कार्य कार्यक्रम को अंतिम रूप देने का काम करें। अभी से २०२७ में होने वाले जिला परिषद के चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। हर हाल में जिला परिषद का चुनाव जीतना है। वहीं धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो ने कहा कि पार्टी की कार्य योजनाओं को धरातल पर उतारने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं, महिलाओं, किसानों और मजदूरों को जितनी योजनाओं का लाभ दिया है उसे घरघर तक पहुंचाने का काम पार्टी के लोग करेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। अपनी जिम्मेदारी निष्ठा पूर्वक निभाने का काम करेंगे। वहीं विधायक राज सिन्हा ने कहा कि अभी एसआईआर चल रहा है। पार्टी के सभी लोग इस पर विशेष ध्यान देकर अपने-अपने बूथों पर लोगों को मैपिंग करने का काम करें। किसी का नाम छूटना नहीं चाहिए यह हमें ध्यान देने की आवश्यकता है। हमारे कार्यकर्ताओं को विकास योजनाओं को घरघर तक बताने का काम करने की आवश्यकता है।

धनबाद महानगर के प्रभारी संजीव विजय वर्गीय ने कहा कि पार्टी ने डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म बनाया है जिसमें एक लाख कार्यकर्ताओं को जोड़ने का काम किया गया। इस प्लेटफार्म में बूथ सत्र के कार्यकर्ताओं को जोड़ने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं को निराकरण करने का काम हमारे कार्य करता करेंगे। इसके लिए राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन करना होगा। बैठक में प्रदेश सचिव सरोज सिंह, प्रदेश कार्य समिति सदस्य सत्येंद्र कुमार, संजीव अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल मुख्य रूप से मौजूद थे। बैठक में अजय निषाद, प्रियंका देवी, महेश पासवान, रीता प्रसाद, मौसम सिंह, बच्चा गिरी, सत्येंद्र मिश्रा, नित्यानंद मंडल आदि मौजूद थे।

जोड़ापोखर (ससे) : जोड़ापोखर थाना क्षेत्र में मुहर्रम की १०वीं बहुत ही शांति पूर्ण तरीके से सम्पन हो गया। क्षेत्र के इमामबाड़ों पर मुहर्रम की ९वीं को खिलाड़ियों हैरतअंगेज खेल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने लाठी, तलवार, बाना, भाला, आग का खेल दिखाया। वही खिलाड़ियों के स्वागत के लिए जामाडोबा, फुसबंगला में क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित थे। थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता ने प्रत्येक इमामबाड़ों में पुलिस बल तैनात कर गस्त लगा रहे थे।

मुहर्रम कि १०वीं प्रेम से मनाया गया। रोज़ेदारों ने रोज़े रख कर देश के लिए अमन व शांति कि दुआ मांगी। इमामबाड़ों से निशान उठा कर खिलाड़ी होरलाडीह कर्बला व जेलगोरा कर्बला जा कर दुआ मांगी। नुनूकडीह, रमजानपुर, आलमनगर, कालीमेला, जीतपुर

कतरास (ससे) : कतरास एवं आसपास के क्षेत्र में शांति पूर्ण व सौहार्द के साथ मुहर्रम संपन्न हो गया। कतरास के विभिन्न अखाड़ा दलों के खिलाड़ियों ने कतरास बाजार मोड पहुंचकर अपनेअपने खेलों का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक हैरत अंगेज खेल दिखाएं,कतरास बाजार मस्जिद मोहल्ला में मोहर्रम कमिटी द्वारा आयोजित कर अखाड़ा में आने वाले अतिथियों को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया।

मौके पर बाघमारा डीएसपी अजीत कुमार विमल, बाघमारा अंचलाधिकारी गिरजानंद किस्कू, कतरास थानेदार प्रवीण कुमार, कांग्रेस के जिला अध्यक्ष संतोष सिंह, राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर कांग्रेस के प्रदेश सचिव जावेद पार्षद निरुपमा देवी, पूर्व पार्षद हरिप्रसाद अग्रवाल, अधिवक्ता अमित भगत, डॉक्टर स्वतंत्र कुमार गौशाला के सचिव महेश अग्रवाल चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव विष्णु चौरसिया, अध्यक्ष उदय वर्मा, मो. नदीम, मासूम खान, मस्जिद पट्टी के सदर शब्बीर आलम उर्फ पप्पू, मो. अमजद, मो. नदीम, मो. लालू, मोनू खान, मो. अख्तर, मुन्ना

एडवांस्ड ऑप्टिकल कम्युनिकेशन पर रिफ्रेशर कोर्स का समापन

धनबाद (कासं) : एडवांस्ड ऑप्टिकल कम्युनिकेशन फॉर ६ जी एंड बियॉन्ड विषय पर आयोजित १२-दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का समापन वैलेडिक्टरी समारोह के साथ सफलतापूर्वक हुआ। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग एवं भौतिकी विभाग के संकाय सदस्य तथा छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। यह रिफ्रेशर कोर्स मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर के प्रायोजन में आयोजित किया गया, जिसके कार्यक्रम निदेशक प्रो. मृणालिनी पांडेय थीं। समापन समारोह में कोर्स समन्वयक प्रो. अमितेश कुमार ने बताया कि १२ दिनों के दौरान कुल ४८ विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। इन व्याख्यानों को दूरसंचार विभाग (भारत सरकार), आईआईटी, भारतीय विज्ञान संस्थान, एनआईटी, सीएसआईआर प्रयोगशालाओं तथा देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिष्ठित संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञों ने संबोधित किया।

इस रिफ्रेशर कोर्स में देशभर से ६२ संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। विशेषज्ञों ने एडवांस्ड ऑप्टिकल कम्युनिकेशन, ६ जी प्रौद्योगिकी, क्वांटम फोटोनिक्स, फोटोनिक इंटीग्रेटेड सर्किट्स, ऑप्टिकल सेंसिंग तथा फोटोनिक एवं माइक्रोवेव डिवाइसेज़ जैसे अत्याधुनिक विषयों पर व्याख्यान दिए। इन व्याख्यानों ने प्रतिभागियों को नवीनतम शोध, तकनीकी विकास और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराया। कार्यक्रम के अंत में कोर्स समन्वयक प्रो. गोविंद मुर्मू ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने सभी विशिष्ट वक्ताओं, कार्यक्रम निदेशक, आयोजन समिति तथा प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग, सहभागिता और उत्साह के कारण यह १२दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स सफल एवं ज्ञानवर्धक रहा।

सिंदरी (ससे) : मुहर्रम के अवसर पर सिंदरी क्षेत्र में रंगामाटी, गौशाला, डोमगढ़ सहित विभिन्न इलाकों से ताजिया जुलूस शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया। बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए मातम मनाया।

रंगामाटी से जमालुद्दीन, मोहम्मद नसीर, मोहम्मद मुन्ना, साकिर, एमडी हकीम, अब्दुल रज्जाक एवं एमडी सबु अख्तर, गौशाला से नवाब अली, साजिद लियाकत एवं इकबाल एहसान तथा डोमगढ़ से अख्तर हुसैन, डॉ. महफूज आलम, अजमुला अहमद, नसरुद्दीन खान एवं बदरुद्दीन खान जुलूस की व्यवस्था में सक्रिय रहे।

सामाजिक कार्यकर्ता संतोष चौधरी एवं पूर्व पार्षद दिनेश सिंह भी पूरे जुलूस के दौरान सक्रिय रहे। वहीं सिंदरी थाना प्रभारी राजेश कुमार दलबल के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभाले रहे। पुलिस की सतर्कता एवं स्थानीय लोगों के सहयोग से मुहर्रम का आयोजन पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

सुटकी थाना क्षेत्र में मुहर्रम का जुलूस

बीसीसीएल में साइबर स्वच्छता व सुरक्षित डिजिटल व्यवहार पर जागरूकता कार्यक्रम

धनबाद (ससे) : कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत बीसीसीएल में १६ से ३० जून तक आयोजित किए जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़ा' के तहत 'प्रोटेक्ट बिफोर यू कनेक्ट' थीम पर साइबर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार, साइबर सुरक्षा तथा ऑनलाइन माध्यमों के जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक करना था।

मुख्यालय स्तर पर कल्याण भवन (एचआरडी बीसीसीएल) में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कोयला भवन मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों के ईआरपी तथा सिस्टम विभाग के लगभग ३० अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को साइबर स्वच्छता, डिजिटल सुरक्षा, सुरक्षित कार्यप्रणालियों तथा ऑनलाइन माध्यमों के सुरक्षित उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में सिस्टम विभाग, कोयला भवन के उप प्रबंधक राजीव कुमार तथा अविनाश कुमार नंदन ने बतौर ट्रेनर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक (खनन/ प्रभारी एमडीडी) सुमित कुमार ने किया।

इसी क्रम में पूर्वी झरिया क्षेत्र में भी 'साइबर स्वच्छता एवं साइबर हाइजीन' विषय पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। सत्र के दौरान साइबर अपराध, फिशिंग तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के विभिन्न उपायों एवं आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर उप प्रबंधक (मानव संसाधन) संतोष कुमार एवं अभिषेक कुमार ने प्रतिभागियों को सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने तथा साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही बीसीसीएल के अन्य क्षेत्रों में भी स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत निर्धारित कार्यक्रमों के अनुरूप जागरूकता एवं स्वच्छता संबंधी गतिविधियां संचालित की गई।

उल्लेखनीय है कि बीसीसीएल में १६ जून से प्रारंभ 'स्वच्छता पखवाड़ा' के अंतर्गत अब तक स्वच्छता शपथ एवं जागरूकता कार्यक्रम, चिकित्सालयों में विशेष स्वच्छता अभियान, तालाबों, जल स्रोतों एवं कॉलोनियों की साफसफाई, झाड़ियों एवं अनावश्यक वनस्पतियों की कटाई, वर्षा जल संचयन प्रणालियों का निरीक्षण, सिग्रेचर अभियान, सार्वजनिक स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान, परियोजना विद्यालयों में चित्रकला प्रतियोगिताएँ तथा पौधारोपण अभियान जैसी विभिन्न गतिविधियाँ सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी हैं। इसी क्रम में साइबर स्वच्छता जागरूकता सत्र के माध्यम से सुरक्षित डिजिटल कार्य संस्कृति एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता को और सुदृढ़ किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत आगामी दिनों में स्वच्छता रैली तथा धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

लोयाबाद थाना क्षेत्र में मुहर्रम का जुलूस

पूर्वी टुंडी में मनी आरक्षण के जनक की जयंती

टुंडी (ससे) : आरक्षण के जनक छत्रपति शाहूजी महाराज की ५२वीं जयंती समारोह बहुजन समाज पार्टी, धनबाद जिला इकाई द्वारा अंबेडकर क्लब लटानी में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इस दौरान बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर भी नेताओं के द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बहुजन समाज पार्टी के केंद्रीय राज्य प्रभारी नर्मदा प्रसाद अहिरवार जबकि विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, जोन प्रभारी सुबल दास उपस्थित थे। इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्य अतिथि नर्मदा प्रसाद ने कहा कि छत्रपति शाहूजी महाराज सामाजिक लोकतंत्र का आधार स्तंभ थे। उन्होंने देश में सबसे पहले १९०२ में कोल्हापुर में पिछड़ी जाति के लिए ५० आरक्षण लागू किया था। इसके कारण उन्हें आरक्षण के जनक के रूप में जाना जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता बसपा जिला अध्यक्ष अभय कुमार ने की जबकि संचालन राजकुमार दास ने किया। कार्यक्रम को प्रदेश सचिव अशोक रवि, लक्ष्मण बौद्ध, मनीबनन, बाबूराम मांझी, सुनील कुमार रविदास, रंजीत विद्यार्थी, नमिता देवी, चंदा देवी आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

कोयला भवन में मुआवजा प्राप्त रैयतों ने सीएमडी से की शिष्टाचार भेंट

धनबाद (ससे) : बीसीसीएल की पारदर्शी एवं रैयत-हितैषी भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया का एक सकारात्मक उदाहरण कोयला भवन मुख्यालय में देखने को मिला, जब सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल से दो रैयत बिशु महतो एवं जगबंधु महतो ने शिष्टाचार भेंट की। दोनों रैयत स्वेच्छा से कोयला भवन मुख्यालय पहुंचे तथा विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत मुआवजा प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बीसीसीएल प्रबंधन के प्रति अपना आभार प्रकट किया।

उल्लेखनीय है कि दोनों रैयतों ने अपनी भूमि से संबंधित सभी आवश्यक एवं वैध अभिलेख प्रस्तुत करने के उपरांत नियमानुसार मुआवजा प्राप्त किया है। मुआवजा प्राप्त करने के पश्चात उन्होंने स्वेच्छा से अपनी भूमि के विधिवत निष्पादित विक्रय विलेख (डीड) बीसीसीएल को सौंप दिए।

इनमें बिशु महतो ने अपनी ६९ डिसमिल तथा जगबंधु महतो ने अपनी १३ डिसमिल भूमि बीसीसीएल को हस्तांतरित की। दोनों रैयतों ने भूमि अधिग्रहण की संपूर्ण प्रक्रिया में अपनाई गई पारदर्शिता, समयबद्ध कार्रवाई एवं निष्पक्ष कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कंपनी के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया।

इस अवसर पर बीसीसीएल प्रबंधन ने कहा कि कंपनी भूमि अधिग्रहण से संबंधित सभी मामलों में निर्धारित नियमों एवं वैधानिक प्रक्रियाओं का पूर्णतः पालन करते हुए पात्र रैयतों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। आवश्यक दस्तावेजों के सत्यापन तथा सभी औपचारिकताओं की पूर्ति के उपरांत पात्र रैयतों को नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जाता है।

बीसीसीएल का मानना है कि रैयतों के साथ आपसी विश्वास, सतत् संवाद एवं पारदर्शिता कंपनी के सतत विकास के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास की आधारशिला हैं। कंपनी भविष्य में भी इसी भावना के साथ रैयतों एवं स्थानीय समुदाय के साथ सहयोगात्मक एवं विश्वासपूर्ण संबंधों को और अधिक सुदृढ बनाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

दिनभर बिजली गुल रहने से लोग रहे हलकान

डुमरी (ससे): प्रखंड के लोग शुक्रवार को दिनभर बिजली काटे जाने के कारण इस प्रचंड गरमी में त्राहिमाम करते दिखे।सुबह ८ बजे से ही बिजली काट दिये जाने के कारण लोग देह जलाती इस गरमी से बचने के लिए पेड़ों की छांव में खड़े नजर आये साथ ही पारंपरिक बांस से बने पंखे को झलकर गरमी से राहत पाने में जूटे रहे।सबसे अधिक परेशानी बूढ़े बुजुर्ग नन्हें छोटे बच्चे गर्भवती महिलाओं और मरीजों को झेलनी पड़ी।सुबह से ही बिजली काटे जाने के कारण इन्वर्टर भी जवाब दे दिया।बिजली काटे जाने का सिलसिला सिर्फ शुक्रवार ही नहीं रहा बल्कि दो तीन पहले से जारी था।दिनरात जब मन किया बिजली काट दिया जाता था।लोग प्रचंड गरमी से त्राहि त्राहि करते रहते थे लेकिन बिजली विभाग को इससे कोई लेना देना नहीं था।शुक्रवार को सुबह काटे गए बिजली ने हद पार कर दी क्योंकि रात्रि आठ बजे के करीब बिजली देने की बात कही जा रही थी।

अवैध आवास आवंटन का शिकायत दर्ज

धनसार (ससे) : बेलगड़िया में जेरेडा व बीसीसीएल के कुछ तथाकथित अधिकारियों और दलालों की मिलीभगत से फर्जी आधार तथा वोटर कार्ड के जरिए बाहरी लोगों को आवास आवंटन का अवैध गोरखधंधा धड़ल्ले से चल रहा है। इस घोटाले का खुलासा करते हुए बरमसिया शक्ति नगर छठ तालाब निवासी कुंदन प्रसाद ने धनसार थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

कुंदन प्रसाद ने आरोप लगाया कि बेलगड़िया दुर्गा मंदिर निवासी रामप्रवेश रवानी ने दो वर्ष पूर्व उनसे आवास आवंटन कराने के नाम पर एक लाख तीस हजार रुपये लिए थे। आवास दिलाने के लिए रामप्रवेश ने उनके आधार कार्ड और वोटर कार्ड में पता बदलकर घनुवाडीह करवा दिया। इसके बाद जेरेडा का एक कागज थमा दिया गया, लेकिन आवास नहीं मिल सका। कुंदन का कहना है कि रामप्रवेश ने उनके साथ ठगी की है।

जांच में सामने आया है कि रामप्रवेश अकेले नहीं हैं। बेलगड़िया में तथाकथित यूनियन से जुड़े उपेंद्र, सूरज और संजय जैसे लोग भी इस रैकेट में सक्रिय हैं। इनके पास क्षेत्र में फैले दलाल बाहरी ग्राहक लाते हैं, जिनमें गोमो, कतरास, धनबाद, भागा सहित विभिन्न स्थानों के लोग शामिल हैं। सबसे पहले इन ग्राहकों के आधार कार्ड और वोटर कार्ड का पता बदलकर घनुवाडीह कर दिया जाता है। इसके बाद जेरेडा व बीसीसीएल के अधिकारी मिलकर उनका सर्वे कर लेते हैं और नाम सूची में दर्ज कर देते हैं। अंत में फर्जी तरीके से आवास आवंटन कर दिया जाता है।

इस पूरे सिलसिले में घनुवाडीह के असली हकदार स्थानीय निवासी आवास से वंचित रह गए हैं। कई हकदार परिवार आवास न मिलने के कारण दूसरे इलाकों में चले गए हैं। वहीं फर्जी परिवार बताकर भी कई आवास आवंटन किए जा रहे हैं।

स्थानीय लोग इस घोटाले से आक्रोशित हैं। उन्होंने प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की है। धनसार पुलिस इस मामले में सभी आरोपियों से पूछताछ कर रही है और दस्तावेजों की जांच में जुटी हुई है। जरेडा व बीसीसीएल प्रशासन से भी इसकी जांच की अपील की गई है। यदि यह गोरखधंधा नहीं रोका गया तो क्षेत्र में गरीबों और असली हकदारों के अधिकारों का और हनन होगा।

डीडीसी ने सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

धनबाद (कासं) : उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना और मरीजों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं में मौजूद कमियों की पहचान करना था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में निर्माण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने काम में तेजी लाने तथा कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के निर्देश दिए।

इसके अलावा उन्होंने आपातकालीन सेवाओं, ओपीडी, पेयजल, स्वच्छता और बिजली की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।

उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि अस्पताल आने वाले मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। दवाओं की उपलब्धता और डॉक्टरों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल को जिले का सबसे सुलभ और आधुनिक चिकित्सा केंद्र बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। वर्तमान में जारी इंफ्रास्ट्रक्चर के काम को समय सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा। मौके पर सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

जनसेवा का पर्याय बने क्षेत्रीय संयुक्त सचिव राय बाबू सिंह

जोड़ापोखर (ससे) : आज के समय में जहां अधिकांश लोग अपने व्यक्तिगत कार्यों तक सीमित रहते हैं, वहीं जनता मजदूर संघ के क्षेत्रीय संयुक्त सचिव एवं क्षेत्रीय सुरक्षा समिति, लोदना क्षेत्र के सदस्य राय बाबू सिंह लगातार जनहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। मजदूरों, गरीबों, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बीच उनकी सक्रियता ने उन्हें क्षेत्र के लोगों के लिए एक भरोसेमंद सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में स्थापित किया है।

क्षेत्र में जब भी बीसीसीएल, नगर निगम अथवा केंद्र एवं राज्य सरकार की किसी जनकल्याणकारी योजना का लाभ लोगों तक पहुंचाने की बात आती है, राय बाबू सिंह पूरी तत्परता के साथ लोगों का मार्गदर्शन करते हैं। सरकारी योजनाओं की जानकारी देना, आवश्यक दस्तावेज तैयार कराने में सहयोग करना तथा पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने का कार्य वे लगातार कर रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि उनके पास प्रतिदिन विभिन्न क्षेत्रों के लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। कोई सरकारी योजना की जानकारी लेने आता है तो कोई श्रमिकों से जुड़े मामलों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं या अन्य आवश्यक कार्यों के लिए सलाह और सहयोग मांगता है। वे बिना किसी भेदभाव के हर व्यक्ति की समस्या सुनकर उसके समाधान का प्रयास करते हैं।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से भी वे लगातार प्रयासरत हैं। स्वयं सहायता समूहों, स्वरोजगार एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी देकर महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड), सामाजिक सरोकारों तथा जनहित के मुद्दों पर भी समय-समय पर लोगों को जागरूक करते रहते हैं। क्षेत्र के लोगों का मानना है कि राय बाबू सिंह दिन हो या रात, जरूरत पड़ने पर हमेशा लोगों के बीच उपलब्ध रहते हैं। उनकी यही कार्यशैली उन्हें आम लोगों के बीच लोकप्रिय बना रही है। समाज के प्रति उनकी निःस्वार्थ सेवा और जनहित के प्रति समर्पण यह संदेश देता है कि यदि जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता ईमानदारी से कार्य करें तो सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है। लोदना क्षेत्र में उनकी सक्रिय सामाजिक भूमिका आज अनेक लोगों के लिए प्रेरणा बन चुकी है और क्षेत्रवासी उम्मीद कर रहे हैं कि भविष्य में भी वे इसी तरह समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाते रहेंगे।

गिरिडीह के केसर सर्विस स्टेशन ने बनाया नया रिकॉर्ड, तीन प्रमुख श्रेणियों में मिला सम्मान

गिरिडीह (ससे): इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) द्वारा सरिया में आयोजित डीलर मीट में गिरिडीह जिले के प्रतिष्ठित केसर सर्विस स्टेशन को वर्ष २०२५-२६ के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। सर्विस स्टेशन के संचालक भूपेंद्र सिंह को एक साथ तीन महत्वपूर्ण श्रेणियों में जिला स्तरीय अवार्ड प्रदान किए गए आईओसीएल की ओर से उन्हें सबसे अधिक पेट्रोल बिक्री, सबसे अधिक डीजल बिक्री तथा सबसे अधिक मोबिल (लुब्रिकेंट) बिक्री के लिए सम्मानित किया गया।

एक ही वर्ष में तीनों श्रेणियों में अवार्ड हासिल कर केसर सर्विस स्टेशन ने जिले में अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली और ग्राहकों के बीच मजबूत विश्वास का परिचय दिया है कार्यक्रम में मौजूद इंडियन ऑयल के अधिकारियों ने केसर सर्विस स्टेशन की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता ग्राहकों को बेहतर सुविधाएं, गुणवत्तापूर्ण सेवा और पारदर्शी कार्यप्रणाली उपलब्ध कराने का परिणाम है सम्मान प्राप्त करने के बाद संचालक भूपेंद्र सिंह ने इसे ग्राहकों के विश्वास और सहयोग का सम्मान बताया।

उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी नहीं, बल्कि उन सभी ग्राहकों की है जिन्होंने वर्षों से केसर सर्विस स्टेशन पर भरोसा बनाए रखा है।उन्होंने कहा, ग्राहकों का विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। उनके सहयोग, स्नेह और समर्थन के बिना यह मुकाम हासिल करना संभव नहीं था। मैं सभी सम्मानित ग्राहकों, कर्मचारियों और सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं भूपेंद्र सिंह ने कहा कि ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता का ईंधन, बेहतर सुविधाएं और संतोषजनक सेवा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता रही है। उन्होंने भविष्य में भी इसी समर्पण के साथ कार्य करते हुए सेवा के नए मानक स्थापित करने का संकल्प दोहराया।डीलर मीट में जिले एवं आसपास के क्षेत्रों के अनेक पेट्रोल पंप संचालकों के साथ इंडियन ऑयल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

केसर सर्विस स्टेशन की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों, ग्राहकों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भूपेंद्र सिंह एवं उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

भाजपा नेता को व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से जान मारने की धमकी देने का आरोप

डुमरी (ससे): भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार ने निमियाघाट थाना में आवेदन देकर एक मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से जान से मारने की धमकी देने एवं अभद्र भाषा का प्रयोग करने की शिकायत की है। २६ जून (शुक्रवार) को दिये आवेदन में श्री कुमार ने लिखा है कि वह लक्ष्मणटुंडा का निवासी है और भाजपा का सक्रिय कार्यकर्ता है तथा उनकी पत्नी सुनीता कुमारी डुमरी भाग संख्या-३२ से जिला परिषद सदस्या भी है।

लिखा है कि बीते दो दिनों के दौरान इसरी बाजार एवं लक्ष्मणटुंडा गांव में मुहर्रम पर्व के अवसर पर समुदाय विशेष के कुछ लोगों द्वारा ऐसे कार्य किए गए जिनसे स्थानीय स्तर पर पूर्व से चली आ रही आपसी नियमों एवं प्रशासनिक व्यवस्था का उल्लंघन हुआ।हमारे गांव में दोनों समुदायों द्वारा बनाए गए नियमों का उल्लंघन किया गया तथा इसरी बाजार की पुरानी जीटी रोड पर पहली बार धार्मिक स्लोगन लिखा हुआ कट-आउट लगाया गया।उक्त विषय की शिकायत स्थानीय गांव-बाजार के कई व्यक्तियों द्वारा मुझे एवं मेरी धर्मपत्नी को प्राप्त हुई।साथ ही इसकी लिखित शिकायत क्षेत्र के लोगों द्वारा प्रशासन से की गई तथा मेरी धर्मपत्नी द्वारा स्थानीय प्रशासन को फोन पर शिकायत किया गया।कट-आउट का मामला सोशल मीडिया पर भी व्यापक रुप से प्रसारित हुआ।लिखा है कि २४ जून को निमियाघाट थाना में दोनों समुदायों की बैठक हुई थी।बैठक में हिंदू पक्ष से करीब १७ लोग तथा मुस्लिम समुदाय से सैकड़ों लोग उपस्थित थे।बैठक के दौरान एसडीपीओ,सीओ, इंस्पेक्टर,थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस बल की उपस्थित थे।सभी की उपस्थिति में समुदाय विशेष के कुछ लोगों द्वारा मुझे खींच कर बाहर निकालने,मारपीट एवं जान मारने की धमकी दी गई।हालांकि प्रशासन की तत्परता के कारण कोई अप्रिय घटना नहीं घटी।इसके अगले दिन २५.०६.२६ को दोपहर करीब २ बजे फोन नंबर ८४२२०५७७५५ से मेरे मोबाइल नंबर पर एक व्हाट्सएप कॉल आया जिसने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए मुझे जान से मारने की धमकी दी गई।मैंने कॉल काट दिया परंतु पुनः लगभग २:५३ बजे उसी नंबर से व्हाट्सएप कॉल कर जुबान काट दूंगा जैसी धमकी दी गई।लिखा है कि स्थानीय प्रशासन द्वारा नियमों के उल्लंघन पर की गई शिकायत के कारण शिकायतकर्ता को फोन कर जान से मारने की धमकी दी जा रही है।इससे मेरी एवं मेरे परिवार की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।मांग की गई है कि उपरोक्त प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर धमकी देने वाले की पहचान कर उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई करने की कृपा करे।

.राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान को लेकर तैयारियां पूरी

गिरिडीह (ससे): जिले में २८ जून से ३० जून तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

अभियान के तहत शून्य से पांच वर्ष तक के ४,९१,०३८ बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस दौरान प्रतिदिन सुबह ८ बजे से शाम ४ बजे तक बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई जाएगी। अभियान की तैयारियों के लिए जिले में २,३३७ पोलियो बूथ, ४५ ट्रांजिट टीम, ९ मोबाइल टीम, ४५३ सुपरवाइजर तथा २१० सब-डिपो बनाए गए हैं। अभियान के लिए जिले को ६,२१,१८० डोज बीओपीवी (बीओपीवी) वैक्सीन उपलब्ध कराई गई है अभियान की तैयारियों की समीक्षा के दौरान सिविल सर्जन डॉ. बच्चा सिंह एवं डॉ. आर. पी. दास ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दीं। उन्होंने सभी स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिया कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे।

उन्होंने आम जनता से अपील की कि २८ जून को अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर ले जाकर जीवनरक्षक पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं, ताकि गिरिडीह को पोलियो मुक्त बनाए रखने के राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाया जा सके।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि,सामाजिक कार्यकर्ता और मतदाता होंगे शामिल

बोकारो (ससे): भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग, झारखंड से प्राप्त निर्देशों के आलोक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु जिले में गणना चरण की गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इसके तहत ३० जून २०२६ से २९ जुलाई २०२६ तक विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का गणना चरण निर्धारित किया गया है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देशानुसार आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप दिनांक ३० जून २०२६ को पूर्वाह्न ११:०० बजे से अपराह्न १२:०० बजे तक* जिले के सभी मतदान केंद्रों पर प्रथम चरण की बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक में संबंधित बीएलओ, बीएलए-२, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, चुनाव पाठशाला के सदस्य, सामान्य मतदाता, सामाजिक कार्यकर्ता तथा अन्य निर्वाचन अभिकर्ता शामिल होंगे।

बैठक के दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-२०२६ से संबंधित निधारित कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही गणना चरण की गतिविधियों, एएसडीडी सूची के महत्व एवं उसके निर्माण की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त लीफलेट एवं पोस्टर में अंकित महत्वपूर्ण जानकारियों को उपस्थित सदस्यों को पढ़कर सुनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता सूची के अद्यतन एवं निर्वाचन प्रक्रिया में जन सहभागिता बढ़ाने के संबंध में विचार-विमर्श किया जाएगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि बैठक का आयोजन निर्धारित समय पर सुनिश्चित करें तथा बैठक से संबंधित अभिलेखों का संधारण फोटोग्राफ सहित किया जाए, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम का सफल एवं पारदर्शी संचालन सुनिश्चित हो सके।

लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संकल्प लिया

जोड़ापोखर (ससे): झरिया स्थित २६ जून को लोकतंत्र सेनानी संघ की ओर से भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की मूर्ति पर कतरास मोड झरिया में माल्यार्पण कर सभी ने देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का संकल्प लिया। आज से ५१ साल पहले तानाशाह इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगा कर लोकतंत्र का गला घोंटा था और सभी विरोधी दल के नेता अटल बिहारी वालपेयी लाल कृष्ण अडवाणी जॉर्ज फर्नांडिस मोरारजी देसाई साहित्यकार पत्रकार छात्रनेता इत्यादि को जेल में बंद कर दिया था। बाद में भारत की जनता ने इंदिरा गांधी को सत्ता से बेदखल किया और उनकी औकात बताई थीं। माल्यार्पण करने वालों में आपातकाल में जेल में बंद रहे हरीश कुमार जोशी अधिवक्ता सुखलाल पंसारी एवं श्यामसुंदर स्वर्णकार प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इसके अलावा आचार्य बलदेव पांडे अरुण साव महेश प्रसाद गुप्ता सुदर्शन बरनवाल मनोज प्रसाद विश्वनाथ साव श्रीमती उमा भट्टाचार्य विश्वनाथ साव अरविंदम बनर्जी भाजपा नगर अध्यक्ष अवधेश साव राजेश अग्रवाल अमित साव संजय वर्मा बृजनन्दन बरनवाल अजय वर्मा धर्मेंद्र सरोज लल्लू झा गिरिजा सिंह हरि नारायण सिंह इत्यादि उपस्थित थे।

गिरिडीह जिले में सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया मुहर्रम

गिरिडीह (ससे): जिले भर में मुहर्रम का पर्व शुक्रवार को पूरी श्रद्धा, आस्था और भाईचारे के वातावरण में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। विभिन्न प्रखंडों एवं शहरी क्षेत्रों में पारंपरिक तरीके से ताजिया जुलूस निकाले गए, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। अखाड़ों द्वारा हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन किया गया, जिसे देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी।पर्व के दौरान जिले में कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक स्वयं पूरे घटनाक्रम की निगरानी करते रहे तथा विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।मुहर्रम के अवसर पर सभी समुदायों के लोगों ने आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांति का परिचय दिया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं बुद्धिजीवियों ने भी लोगों से शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की जिला प्रशासन ने शांतिपूर्ण ढंग से पर्व संपन्न कराने में सहयोग करने वाले सभी नागरिकों, शांति समिति के सदस्यों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवकों तथा पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों एवं जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया। पूरे जिले में मुहर्रम का पर्व सामाजिक समरसता, आपसी सद्भाव और गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल बनकर संपन्न हुआ।

राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा

मुख्यमंत्री योगी के सख्त रुख के बाद हुआ एक्शन

लखनऊ,(ईएमएस): राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में बड़े घटनाक्रम के तहत महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। यह फैसला राम मंदिर दान प्रकरण में सामने आई कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर जारी एसआईटी जांच की प्रारंभिक रिपोर्ट और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त रुख के बाद हुआ है। इन इस्तीफों को जांच में हुई कठोर कार्रवाई और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के प्रयासों से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके पहले, इसी मामले में ट्रस्ट की शिकायत पर आठ लोगों के खिलाफ पहली एफआईआर भी दर्ज हो चुकी है, जिसमें से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

सूत्रों के अनुसार, एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कठोर संस्तुतियां की गई थीं, जिसके बाद योगी सरकार ने तेजी से कार्रवाई की। एसआईटी कथित वित्तीय अनियमितताओं की गहन पड़ताल कर रही है, जिसमें आरोपियों के बैंक खातों, संपत्तियों, मोबाइल रिकॉर्ड और संदिग्ध लेन-देन की जांच शामिल है। मुख्यमंत्री योगी ने इस मामले में निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के संकेत दे दिए थे, यह सुनिश्चित करते हुए कि अनियमितता पाए जाने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

यह मामला ट्रस्ट के नए सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर राम जन्मभूमि थाने में दर्ज हुआ था। कृष्ण मोहन, जो सितंबर २०२५ में ट्रस्टी बने थे, ने रामशंकर यादव उर्फ टीनू, अनुकूल मिश्र, लवकुश मिश्रा, करुणेश पांडेय, अविनाश शुक्ला, मनीष यादव, रमाशंकर मिश्रा और सुभाष श्रीवास्तव को नामजद किया है। इन सभी पर गबन, धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश से जुड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ है। एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव (गृह) को सौंपे जाने के बाद यह कार्रवाई हुई।

इस्तीफा देने वाले चंपत राय विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक वरिष्ठ नेता थे और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। राम मंदिर आंदोलन से लेकर निर्माण और संचालन तक उनकी गहरी भागीदारी रही। इतना ही नहीं ट्रस्ट के प्रशासनिक कामकाज, वित्तीय प्रबंधन और दैनिक व्यवस्थाओं की निगरानी उन्हीं के जिम्मे थी। जांच में सामने आया है कि उनके करीबी और ड्राइवर रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू श्रद्धालुओं की दर्शन और दान संबंधी व्यवस्थाओं को देखते थे, जो एफआईआर में नामजद मुख्य आरोपियों में से एक है।

वहीं, डॉ. मिश्रा अयोध्या के जाने-माने चिकित्सक और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से लंबे समय से जुड़े रहे थे। वे श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टियों में से थे। ट्रस्ट में उन्हें चढ़ावे की नकद गिनती, सुरक्षित भंडारण और बैंक में जमा कराने की व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। मंदिर परिसर की साफ-सफाई और कुछ अन्य व्यवस्थाएं भी उनके कार्यक्षेत्र में थीं।

बिलौटी बना भरत नगर, स्मारक स्थल पर निर्माण शुरू, ग्रामीणों ने दी श्रद्धांजलि

भोजपुर (एजेंसी): भोजपुर जिले के बिलौटी गांव का नाम बदलकर अब भरत नगर रखा गया है। भरत तिवारी की याद में यह फैसला ग्रामीणों ने लिया है। पुलिस एनकाउंटर में मारे गए भरत भूषण तिवारी की याद में ग्रामीणों ने गांव के मुख्य प्रवेश मार्ग पर 'भरत नगर' का बोर्ड लगाया। बोर्ड पर स्पष्ट लिखा हुआ है कि आपका बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

शहीद भरत भूषण तिवारी। शहादत दिवस १७ जून २०२६, इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि देकर स्मारक निर्माण शुरू किया। इस दौरान महापंचायत में कई राज्यों के समर्थक भी शामिल रहे। इस दौरान सभी की आंखें भावुक दिखीं।

भरत तिवारी की याद को स्थायी बनाने के लिए उस स्थान पर स्मारक निर्माण भी शुरू कर दिया गया है, जहां उनकी मौत हुई थी। आयोजकों के अनुसार, सफेद मार्बल से बनने वाले इस स्मारक का शिलान्यास किया जा चुका है। जल्द ही इसे पूरा करने की तैयारी है। वहीं, ग्रामीणों में प्रशासन के खिलाफ नाराजगी भी देखने को मिल रही है। उनका आरोप है कि यदि उनकी शिकायतों पर समय रहते ध्यान दिया जाता तो यह घटना टाली जा सकती थी। ग्रामीण संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

इस बीच, भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर आयोजित महापंचायत में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी देखने को मिली। आयोजन समिति के मुताबिक बिहार के अलावा कई अन्य राज्यों से भी लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर सहित कई सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि भी महापंचायत में पहुंचे। हालांकि, गांव का नाम बदलने, स्मारक निर्माण और महापंचायत में जुटी भीड़ से जुड़े दावे आयोजन समिति और ग्रामीणों के हैं। फिलहाल इस मामले की जांच जारी है। एनकाउंटर को लेकर प्रशासनिक एवं न्यायिक प्रक्रिया भी चल रही है।

अयोध्या पहुंचे पूर्व सीएम केजरीवाल ने कहा- चढ़ावा चोरी महापाप

अयोध्या,(ईएमएस): राम मंदिर में चंदा चोरी का मामला भी तूल पकड़ा हुआ है, इसी बीच दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार सुबह अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले राम मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन और पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने राम दरबार के दर्शन किए और लगभग १५ मिनट तक मंदिर परिसर में रहे। मंदिर दर्शन के बाद केजरीवाल हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने कहा कि चढ़ावे की चोरी अत्यंत गंभीर मामला है।

रामलला के दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'चढ़ावा चोरी महापाप है। एफआईआर के बाद छोटे-छोटे कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है। शाम चार बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस विषय पर विस्तार से बात करूंगा। केजरीवाल के इस बयान के बाद मामले को राजनीतिक रंग मिलने की भी संभावना जताई जा रही है। उनकी प्रस्तावित प्रेस कॉन्फ्रेंस पर अब राजनीतिक दलों और श्रद्धालुओं की नजरें टिकी हुई हैं। उधर, पुलिस का कहना है कि जांच निष्पक्ष तरीके से आगे बढ़ाई जा रही है और सभी तथ्यों की गहन पड़ताल की जा रही है। मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया गया है।

भागलपुर में आवारा कुत्तों के आतंक से मिलेगी राहत, बनेगा एबीसी सेंटर

भागलपुर (ईएमएस): भागलपुर शहर में आवारा कुत्तों की लगातार बढ़ती आबादी और उनके बढ़ते हमलों से जल्द ही निजात मिलने वाली है। नगर निगम ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन कर शहर के वार्ड नंबर दो में एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर के निर्माण की कवायद तेज की है। इस बेहद जरूरी परियोजना के तहत आवारा कुत्तों की नसबंदी और उनका टीकाकरण होगा, जिससे न सिर्फ उनकी संख्या पर लगाम लगेगी, बल्कि रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी की रोकथाम में भी बड़ी मदद मिलेगी। नगर निगम ने इस पूरी योजना के लिए १.३६ करोड़ रुपये का बजट तय कर ई-टेंडरिंग के माध्यम से निविदा जारी कर दी है। इच्छुक एजेंसियां ३ से १० जुलाई तक पोर्टल के जरिए निविदा दस्तावेज प्राप्त कर सकती हैं। इस प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ४ जुलाई को नगर निगम के सभा कक्ष में एक प्री-बिड बैठक भी आयोजित की जाएगी, जिसमें संवेदकों की शंकाओं का समाधान होगा।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार कम बोलते हैं, ज्यादा काम करते हैं : संजय झा

पटना (एजेंसी): बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार की कार्यशैली को लेकर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने उनकी जमकर सराहना की है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री कम बोलते हैं और ज्यादा काम करने में विश्वास रखते हैं। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार की सराहना करते हुए कहा कि उनका काम और असर दोनों विभाग के कामकाज में साफ दिखाई दे रहा है।

व्यक्ति नहीं, बल्कि उसका काम बोलना चाहिए

संजय झा ने कहा कि निशांत, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कार्यशैली पर चल रहे हैं। उनका मानना है कि व्यक्ति नहीं, बल्कि उसका काम बोलना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को जिला और प्रखंड स्तर तक मजबूत करना है, ताकि लोगों को सामान्य इलाज के लिए पटना का रुख न करना पड़े। उन्होंने बताया कि हाल ही में स्वास्थ्य मंत्री के साथ हुई बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को समय पर इलाज उपलब्ध कराने के लिए राज्यभर में ट्रॉमा सेंटर और ट्रॉमा केयर नेटवर्क को मजबूत करने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। उनका दावा है कि आने वाले समय में बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

राम मंदिर में चोरी को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

इस दौरान पत्रकारों ने जब अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर सवाल पूछे तो इस पर उन्होंने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय है। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि मामले की जांच के लिए डबढ गठित की गई है। टीम अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप चुकी है और अब उसी रिपोर्ट के आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वाराणसी से स्पाइसजेट की सभी उड़ानें बंद : महंगे एटीएफ से परिचालन ठप

वाराणसी (ईएमएस): वाराणसी हवाई अड्डे से स्पाइसजेट की सभी नियमित उड़ानें अनिश्चितकाल के लिए बंद हो गई हैं। एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की लगातार बढ़ती कीमतों और परिचालन लागत में वृद्धि के कारण एयरलाइन ने फैसला लिया है। मुंबई जाने वाली स्पाइसजेट की अंतिम उड़ान के रवाना होने के साथ ही बनारस से कंपनी की सेवाएं समाप्त हुईं। कंपनी ने पहले २५ जून को अंतिम उड़ान संचालित करने की घोषणा की थी।

स्पाइसजेट, जो अब तक वाराणसी से करीब १४-१५ उड़ानें संचालित कर रही थी, ने अपने सभी विमानों को दिल्ली और मुंबई के हैंगर पर लगा दिया है। महंगी हवाई यात्रा के कारण यात्रियों की संख्या में भी गिरावट देखी जा रही है, जिसने फैसले में भी भूमिका निभाई। इससे पहले स्पाइसजेट दिल्ली, मुंबई और पुणे जैसे कई प्रमुख शहरों के लिए सेवाएं दे रही थी। फिलहाल वाराणसी हवाई अड्डे से इंडिगो, एयर इंडिया और आकासा एयर अपनी उड़ानें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद सहित अन्य प्रमुख शहरों के लिए संचालित कर रही हैं।

हालांकि, पिछले दो महीनों में एटीएफ की कीमतों में हुई तेज बढ़ोतरी ने सभी एयरलाइंस की परिचालन लागत को काफी बढ़ा दिया है, जिसका असर पूरे विमानन क्षेत्र पर पड़ रहा है।

आरजेडी ने निजी संस्था को सौंपने पर उठाए सवाल

पटना (एजेंसी): पटना के बांसघाट स्थित नए श्मशान घाट के संचालन को लेकर राष्ट्रीय जनता दल ने एनडीए और बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला है। लगभग ८९ करोड़ रुपये की लागत से बने नए श्मशान घाट को १रुपये की लीज पर ईशा फाउंडेशन को सौंप दिया गया है। इसे लेकर पार्टी ने सोशल मीडिया (द) पर एक पोस्ट शेयर कर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधा।

चोरी-का 79 लाख रुपये हुए बरामद

अयोध्या (ईएमएस) : रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों को शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जिला एवं सत्र न्यायालय फैजाबाद में पेश किया गया। सुनवाई के बाद सभी आरोपियों को २९ जून तक के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

आरोपियों को एसओजी प्रभारी अपनी टीम के साथ न्यायालय लेकर पहुंचे। इससे पहले सभी का पुलिस लाइन स्थित अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया। पेशी के दौरान न्यायालय परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। आरोपियों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजीएम) , सिविल जज जूनियर डिवीजन निवेदिता सिंह के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी श्रेयस त्रिपाठी पूरे समय न्यायालय परिसर में मौजूद रहे। पेशी के दौरान न्यायालय परिसर में आम लोगों की आवाजाही पर भी निगरानी रखी गई। कोर्ट में सुनवाई के बाद आठों आरोपियों को ले जाया गया। उन्हें अयोध्या जिला जेल भेज दिया गया। सभी को २९ जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

सीजेएम कोर्ट में अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया कि आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें सोमवार तक के लिए रिमांड पर भेजा गया है।

पीएमसीएच के पूर्व प्रिंसिपल स्वास्थ्य मंत्री की कार्रवाई से नाराज

पटना (एजेंसी): पीएमसीएच के पूर्व प्रभारी प्रिंसिपल डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह ने पद से हटाए जाने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मुझे सुसाइड करने का मन हो रहा है...। उनका कहना है कि स्वास्थ्य मंत्री के निरीक्षण से एक दिन पहले वे बर्न इंजरी का शिकार हो गए थे, जिसकी जानकारी विभाग के संबंधित अधिकारियों को पहले ही दे दी गई थी। इसी कारण वह स्वास्थ्य मंत्री के औचक निरीक्षण के दौरान अपने कार्यालय में मौजूद नहीं थे।

डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह का आरोप है कि विभाग ने बिना कोई कारण बताओ नोटिस जारी किए उनके खिलाफ कार्रवाई कर दी। उनका कहना है कि उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर भी नहीं दिया गया। इस कार्रवाई से आहत होकर उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देने का निर्णय लिया। हालांकि, डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह द्वारा लगाए गए इन आरोपों और उनके दावों पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं किया गया है। ऐसे में मामले को लेकर स्थिति स्पष्ट होना अभी बाकी है।

युवती पर प्रेम संबंध का बना रहा था दबाव,हथियार समेत गिरफ्तार

सीवान (एजेंसी): सीवान जिले के भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र के पनियाढीह गांव में एक युवक को अवैध पिस्टल और कारतूस के साथ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवक पर आरोप है कि एक महिला के घर में घुसकर उसकी बेटी पर प्रेम संबंध का दबाव बना रहा था। लड़की द्वारा विरोध करने पर युवक ने पिस्टल निकालकर जान से मारने की धमकी दी। मामले में पुलिस ने आर्म्स एक्ट और बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज किया है।जानकारी के मुताबिक, पड़ोस के ही घर में घुसकर युवक जबरदस्ती युवती पर प्रेम संबंध बनाने का दबाव बना रहा था। खबर फैलते ही ग्रामीणों ने उसे घर दबोचा और इसकी सूचना पुलिस को दे दी।

मामले को गंभीरता से लेते हुए भगवानपुर हाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाने ले गई। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से एक अवैध पिस्टल, एक जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। आरोपी की पहचान पनियाढीह गांव निवासी इरफान अली के रूप में हुई है। पूछताछ में लड़की ने बताया कि युवक जबरदस्ती उस पर संबंध बनाने का दबाव बना रहा था। विरोध करने पर वह पिस्टल निकालकर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने आरोपी के इछड की संबंधित धाराओं और आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

हिडन कैमरे ने खोली अंदरूनी खेल की पोल

अयोध्या,(ईएमएस) : अयोध्या के भव्य राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का बड़ा मामला सामने आया है, जिससे रामलला मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। हाल ही में एक हिडन कैमरे ने इस अंदरूनी खेल की परतें खोल दी हैं, जिससे पता चला है कि सुरक्षा और सीसीटीवी कैमरों के बावजूद मंदिर से दान कैसे गायब हो रहा था।

मई महीने के आखिरी सप्ताह में राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों को दान पेटियों से बैंक में जमा होने वाली रकम में विसंगति का आभास हुआ। विशेष रूप से, ५०० रुपये के नोटों की गड्डियों में लगातार कम दिखी। जिससे चोरी का संदेह बढ़ गया। इस पर ट्रस्ट ने तुरंत कार्रवाई कर नोट गिनने वाले कमरे में गुप्त रूप से हिडन कैमरे लगा दिए।

एक सप्ताह की फुटेज की पड़ताल से चौंकाने वाला सच सामने आया। नोट गिनने की प्रक्रिया में लगे कुछ कर्मचारी ही चोरी को अंजाम दे रहे थे। फुटेज में दिखा कि कुछ कर्मचारी जानबूझकर सीसीटीवी कैमरों के सामने खड़े होते थे, जबकि उनके साथी बनाए गए नोटों की गड्डियों से पैसे निकालकर अपने कपड़ों में छिपा लेते थे। चोरी का एक और तरीका भी उजागर हुआ। कर्मचारी हर गड्डी में अतिरिक्त नोट डाल देते थे।

जब बैंक में रकम गिनने की बारी आती, तब पूरी गड्डी की गिनती के बजाय केवल गड्डियों की संख्या गिनी जाती और उसका वाउचर बनाता था। बैंक ले जाते समय, इन अतिरिक्त नोटों को निकाल लिया जाता, जिससे वाउचर से मिलान होता, लेकिन बैंक में वास्तविक रकम कम पहुंचती।

इस मामले में कई कर्मचारियों की मिलीभगत सामने आई है। अनुकूल मिश्रा, जो चढ़ावे के वाउचर बनाने से जुड़ा था, अपने बहनोई लव कुश मिश्रा के माध्यम से हेराफेरी कर रहा था। पुलिस ने लव कुश मिश्रा के घर से करीब १० लाख रुपये बरामद किए हैं। चंपत राय के ड्राइवर टिन्नू यादव ने अपने चचेरे भाई मनीष यादव को नोट गिनने के काम में लगाया था, वहीं अविनाश पांडे नामक कर्मचारी को भी पकड़ा गया, जो चोरी की रकम अपने बैंक खाते में जमा कर रहा था। टिन्नू यादव और सुभाष चंद्र जैसे कुछ व्यक्ति भी लगातार उस कमरे में आते-जाते थे जहां दान पेटियां खुलती थीं। सिर्फ नकदी ही नहीं, श्रद्धालुओं द्वारा दान किए गए जेवरात जैसे बाली, झुमकी, नथ और बाल रूप राम लला के कंगन व पैजनिया भी चोरी किए जा रहे थे। सबसे अहम बात यह है कि चोरी पहले की जाती थी, और उसके बाद ही नोटों या जेवरात की आधिकारिक गिनती या लिखा-पढ़ी होती थी। इस पूरे प्रकरण में कर्मचारियों की ड्यूटी से लौटते समय तलाशी न लेने जैसी बड़ी लापरवाही भी उजागर हुई है, जिसने चोरों को यह खेल खेलने का मौका दिया।

कौशांबी टोल प्लाजा पर एलपीजी टैंकर में भीषण आग

कौशांबी,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में शुक्रवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। कोखराज थाना क्षेत्र स्थित सिहोरी टोल प्लाजा पर एक एलपीजी टैंकर अनियंत्रित होकर टोल प्लाजा से टकरा गया। टक्कर के बाद जोरदार धमाका हुआ और टैंकर में भीषण आग लग गई। हादसे में पांच टोल कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं।

यह घटना सुबह करीब सात बजे की बताई जा रही है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार करीब दो किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। टोल प्लाजा के आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मीडिया रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया जा रहा है, कि टक्कर के बाद हुए धमाके से टोल बूथ के पास मौजूद कर्मचारी आग की चपेट में आ गए। कई कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए और सड़क किनारे दर्द से तड़पते दिखाई दिए। आग इतनी विकराल थी कि कोई भी व्यक्ति उनके पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, एलपीजी टैंकर कानपुर से प्रतापगढ़ की ओर जा रहा था। टैंकर की रफ्तार लगभग ६० से ७० किलोमीटर प्रति घंटा बताई जा रही है। ओवरटेक करने के दौरान चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिससे टैंकर डिवाइडर से टकराकर पलट गया और टोल प्लाजा से जा भिड़ा। हादसे के दौरान चालक और परिचालक टैंकर से कूदकर बाहर निकल गए। बाद में वे घटनास्थल से चले गए। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है।

पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत ने मीडिया को बताया, कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार टक्कर के बाद टैंकर से गैस का रिसाव शुरू हो गया था। गैस के रिसाव के कारण पहले तेज धमाका हुआ और उसके बाद आग ने विकराल रूप ले लिया। उन्होंने बताया कि घटना की तकनीकी जांच के लिए जिला पूर्ति अधिकारी (डीएसओ) और विशेषज्ञ टीम को मौके पर बुलाया गया है। जांच के बाद दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाएगा।

हादसे में कुल सात लोग घायल हुए। सभी को पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने पांच घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए प्रयागराज रेफर कर दिया। दो अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है।

टोल प्लाजा के आसपास यातायात को नियंत्रित किया जा रहा है और राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

शोधपत्रों से नहीं, किसानों की आय बढ़ने से तय होगी कृषि अनुसंधान की सफलता : राज्यपाल

रांची (एजेंसी): झारखंड के राज्यपाल-सह-राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि कृषि अनुसंधान की वास्तविक सफलता शोधपत्रों की संख्या से नहीं, बल्कि किसानों की आय वृद्धि, उनकी समस्याओं के समाधान और उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलाव से तय होगी। वे शुक्रवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के 46वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि बिरसा कृषि विश्वविद्यालय केवल एक शैक्षणिक संस्थान नहीं, बल्कि झारखंड के किसानों की आशाओं, आकांक्षाओं और ग्रामीण विकास का महत्वपूर्ण केंद्र है। विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान और कृषि प्रसार कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक कृषक परिवार से आते हैं, इसलिए किसानों की समस्याओं और अपेक्षाओं को निकट से समझते हैं। बदलते जलवायु परिदृश्य में ऐसी कृषि तकनीकों के विकास की जरूरत है, जो किसानों के लिए लाभकारी होने के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल भी हों। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि अनुसंधान, नवाचार, कृषि उद्यमिता और किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाना भी है।

लैब टू लैंड की अवधारणा को प्रभावी बनाए

राज्यपाल ने वैज्ञानिकों से लैब टू लैंड की अवधारणा को और अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रयोगशाला में विकसित तकनीक तभी सार्थक होगी, जब उसका लाभ खेत की मेड़ तक पहुंचे। विश्वविद्यालय और किसानों के बीच जितना मजबूत संवाद होगा, कृषि विकास की गति उतनी ही तेज होगी।

उन्होंने कहा कि झारखंड में जैविक खेती, श्री अन्न (मिलेट्स), बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन, लाख उत्पादन और जल संरक्षण के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। अनुसंधान, मूल्य संवर्धन और आधुनिक विपणन व्यवस्था को बढ़ावा देकर किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है। कृषि को केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि उद्यमिता और समृद्धि का आधार बनाना समय की आवश्यकता है।

नौकरी तलाशने वाले नहीं रोजगार देने वाले बनें

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज कृषि शिक्षा नवाचार, स्टार्टअप, खाद्य प्रसंस्करण और रोजगार सृजन का बड़ा माध्यम बन चुकी है। विकसित भारत का मार्ग समृद्ध किसानों और सशक्त गांवों से होकर गुजरता है।

अपने संबोधन के अंत में राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्नदाता को देवतुल्य माना गया है। किसान केवल खाद्यान्न उत्पादक नहीं, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भरता के आधार स्तंभ हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बिरसा कृषि विश्वविद्यालय अपनी स्वर्ण जयंती तक देश के अग्रणी कृषि विश्वविद्यालयों में अपना विशिष्ट स्थान स्थापित करेगा।

सावधान! नशे की सुइयों से फैल रहा एड्स और हेपेटाइटिस; डालसा ने किया जागरूक

रांची (एजेंसी): नशे की लत युवाओं को बर्बाद कर रही है। एक ही सुई (इंजेक्शन) का बार-बार इस्तेमाल करने से एचआईवी (एड्स) और हेपेटाइटिस जैसी खतरनाक और जानलेवा बीमारियां तेजी से फैल रही हैं। यह बातें रांची डालसा के डिप्टी एलएडीसी राजेश कुमार सिन्हा ने कहीं।

झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस और झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद के निर्देश पर शुक्रवार को 'अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध और अवैध तस्करी विरोधी दिवस' के मौके पर रांची में जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। डालसा रांची की ओर से यह कार्यक्रम रिनपास, सीआईपी और प्रोबेशन होम समेत कई विधिक सहायता केंद्रों (लीगल ऐड क्लीनिक) में चलाया गया।

जागरूकता ही बचाव का माध्यम

कार्यक्रम में राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि हर साल २६ जून को यह खास दिन मनाने का मकसद लोगों को नशे के नुकसानों के प्रति सचेत करना है। उन्होंने इससे जुड़े कड़े कानूनों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि नशा करने से शरीर कमजोर हो जाता है, मानसिक तनाव बढ़ता है और इंसान डिप्रेशन (अवसाद) का शिकार हो जाता है।

अकेलेपन और दोस्तों के दबाव से बचें

कार्यक्रम में मौजूद डॉ. रूपा घोष ने बताया कि आज के समय में परिवारों के टूटने, घरेलू हिंसा और अपराध बढ़ने के पीछे नशा एक बहुत बड़ी वजह है। उन्होंने सलाह दी कि तनाव और अकेलेपन से दूर रहने के लिए योग, ध्यान और खेलकूद को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाएं।

वहीं डॉ. सजल ए. नाग ने युवाओं को आगाह करते हुए कहा कि अक्सर बच्चे दोस्तों के दबाव (पीयर प्रेशर) में आकर पहली बार नशा चखते हैं और फिर इसके आदी हो जाते हैं। इसलिए ऐसे दोस्तों से हमेशा दूरी बनाकर रखनी चाहिए जो नशे को बढ़ावा देते हैं।

बच्चों ने पेंटिंग के जरिए दिया संदेश

मौके पर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने नशे के खिलाफ बेहद खूबसूरत और संदेश देने वाली पेंटिंग्स बनाईं, जिनकी एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. रूपा घोष, डॉ. सजल ए. नाग, पीएलवी भारती देवी, शारदा देवी और राजा वर्मा समेत सीआईपी और डालसा के कई कर्मियों ने अहम भूमिका निभाई।

दिव्यांग आरक्षण नियमों की अनदेखी पड़ी भारी; हाई कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

रांची (एजेंसी): झारखंड हाई कोर्ट ने ७वीं जेपीएससी परीक्षा में दिव्यांगों के लिए आरक्षित खाली पदों को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने जेपीएससी (गझडउ) को आदेश दिया है कि वह १२ हफ्तों के भीतर याचिकाकर्ता सदानंद कुमार को नौकरी देने की सिफारिश करे। यह फैसला जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने सुनाया।

७वीं जेपीएससी परीक्षा में कुल २५२ पदों में से ७ पद दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए रिजर्व (आरक्षित) रखे गए थे। नियम के मुताबिक इन पदों पर दिव्यांगों की ही भर्ती होनी थी। लेकिन जेपीएससी ने इंटरव्यू के लिए सिर्फ ४ दिव्यांग उम्मीदवारों को बुलाया। उनमें से भी केवल ३ का ही सिलेक्शन किया। बाकी बचे हुए ४ पदों को जेपीएससी ने सामान्य या दूसरी कैटेगरी के उम्मीदवारों से भर दिया। इसके खिलाफ सदानंद कुमार ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की। सदानंद के वकील अमृतांश वत्स ने कोर्ट में दलील दी कि जेपीएससी का यह कदम कानून के खिलाफ है। वकील ने 'दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-२०१६' का हवाला देते हुए कोर्ट को बताया कि अगर दिव्यांगों की किसी एक खास कैटेगरी (जैसे देखने या सुनने में असमर्थ) में उम्मीदवार नहीं मिलते हैं, तो उन पदों को दिव्यांगों की ही दूसरी कैटेगरी के उम्मीदवारों से भरा जाना चाहिए (इसे पदों का इंटरचेंज कहते हैं)।

रैयती जमीन पर सेना के अतिक्रमण के विरोध में ग्रामीण एकजुट हुए, आंदोलन की धमकी

रांची (एजेंसी): रांची के हिनू खोखमा टोली और हुंडरू पोखर टोली में शुक्रवार को ग्रामीणों की बैठक आयोजित कर रैयतों की गैर-अधिग्रहित जमीन पर स्थानीय सेना द्वारा कथित जबरन अतिक्रमण के प्रयास के खिलाफ आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सेना द्वारा रास्ता, आवागमन और पेयजल पाइपलाइन पर रोक लगाई जा रही है, जिससे आम लोगों के अधिकार प्रभावित हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने राज्य सरकार और स्थानीय सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से इस भूमि विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की।

उनका कहना था कि बिना अधिग्रहित रैयती जमीन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार नहीं किया जाएगा और अपनी जमीन व अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

बैठक की अध्यक्षता बहा कच्छप और सुधीर टोप्पो ने की। पूर्व पार्षद सह एयरपोर्ट विस्थापित मोर्चा के अध्यक्ष अजीत उरांव, प्रकाश टोप्पो, सुरेश गोप, सुखनाथ लोहरा, अरुण गोप, संदीप तिर्की, महादेव तिर्की और आनंद टोप्पो समेत अन्य वक्ताओं ने ग्रामीणों को संबोधित किया। बैठक में बड़ी संख्या में महिलाओं सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्रामीण कार्य विभाग में बड़ा फेरबदल; तीन साल से अधिक समय से जमे 45 लेखा कर्मियों का तबादला

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार ने ग्रामीण कार्य विभाग में लंबे समय से एक ही कार्यालय में कार्यरत लेखा कर्मियों के तबादले का आदेश जारी किया है। विभाग ने मुख्य सचिव के निर्देश और विभागीय स्थापना समिति की अनुशंसा के आधार पर तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही स्थान पर पदस्थापित ४५ वरीय लेखा सहायक, लेखा लिपिक, कनीय लेखा लिपिक एवं अन्य लेखा कर्मियों का स्थानांतरण कर दिया है।

सरकार का यह कदम वित्तीय कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। हाल के दिनों में बोकारो और हजारीबाग में वेतन मद से जुड़ी अनियमितताओं के सामने आने के बाद सरकार ने विभिन्न विभागों में लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थापित कर्मचारियों के स्थानांतरण का निर्णय लिया था।

इस प्रकार हैं प्रमुख तबादले

हरेंद्र राम- कार्य अंचल, रांची से गुणवत्ता नियंत्रण-सह-अग्रिम योजना प्रमंडल, चक्रधरपुर।

शाहिल खान- कार्य अंचल, रांची से कार्य प्रमंडल, लोहरदगा।

प्रवीण कुमार त्रिवेदी- कार्य प्रमंडल, रांची से कार्य प्रमंडल, रामगढ़।

धीरज कुमार- कार्य प्रमंडल, रांची से कार्य प्रमंडल, जमशेदपुर।

अंबुज कुमार गहलोत - कार्य प्रमंडल, रांची से कार्य प्रमंडल, खूंटी।

आशुतोष कुमार अनुपम - कार्य प्रमंडल, रांची से मिट्टी अन्वेषण प्रमंडल, रांची।

सरोज कुमार सिंह - कार्य प्रमंडल, खूंटी से कार्य प्रमंडल, जमशेदपुर।

अमित आनंद - कार्य प्रमंडल, लोहरदगा से कार्य प्रमंडल, सिमडेगा।

कनक किशोर सिंह - कार्य प्रमंडल, गुमला से कार्य प्रमंडल, सिमडेगा।

अमित कुमार - कार्य प्रमंडल, गुमला से कार्य प्रमंडल, लोहरदगा।

भास्कर कुमार दूबे - कार्य प्रमंडल, गुमला से कार्य अंचल, रांची।

सुशील कुमार सिंह - कार्य प्रमंडल, सिमडेगा से कार्य प्रमंडल, गुमला।

निलेश कुमार - कार्य प्रमंडल, चाईबासा से कार्य प्रमंडल, जमशेदपुर।

शशि कुमार राम - कार्य प्रमंडल, चक्रधरपुर से कार्य प्रमंडल, सरायकेला-खरसावां।

लव कुमार - कार्य प्रमंडल, चक्रधरपुर से कार्य प्रमंडल, रांची।

आलोक ऋषभ - कार्य प्रमंडल, सरायकेला-खरसावां से कार्य प्रमंडल, चक्रधरपुर।

राजेश कुमार - कार्य प्रमंडल, जमशेदपुर से कार्य प्रमंडल, कोडरमा।

मो. मुस्ताक आरिफ- कार्य प्रमंडल, जमशेदपुर से कार्य प्रमंडल, चाईबासा।

अनुराग द्विवेदी - कार्य प्रमंडल, जमशेदपुर से कार्य प्रमंडल, रांची।

पृष्ठ एक का शेषांश

ऑनलाइन धोखाधड़ी पर---

भुगतान करना होगा, भले ही ग्राहक ने इसकी जानकारी दी हो या नहीं।

तीसरे पक्ष की गलती: अगर धोखाधड़ी किसी भुगतान एप, भुगतान गेटवे या दूरसंचार प्रदाता जैसे तीसरे पक्ष के कारण हुई है,तब ग्राहक को घटना की तारीख से पांच कैलेंडर दिनों के भीतर बैंक को सूचित करने पर पूरा पैसा वापस मिल जाएगा। पांच दिनों के बाद रिपोर्ट करने पर देनदारी बैंक की आंतरिक नीति के अनुसार तय होगी।

ग्राहक की लापरवाही: यह अधिसूचना का सबसे नया और महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि धोखाधड़ी में ग्राहक की लापरवाही भी शामिल थी, जैसे कि ओटीपी साझा करना, फ़िशिंग लिंक पर क्लिक करना, या संदिग्ध एप डाउनलोड करना, तब भी उन्हें मुआवजा मिल सकता है। यह लाभ तभी मिलेगा जब नुकसान कम हो और ग्राहक ने तुरंत कार्रवाई की हो। नए नियमों के तहत, मुआवजे की अधिकतम राशि २५,००० रुपये या धोखाधड़ी की राशि का ८५ प्रतिशत होगी, जो भी कम हो। यह मुआवजा किसी भी एक व्यक्ति को उसके जीवनकाल में केवल एक बार दिया जाएगा। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति के साथ ५०,००० रुपये की धोखाधड़ी होती है और वह शिकायत दर्ज कराता है, तब उस अधिकतम २५,००० रुपये का ही मुआवजा दिया जाएगा।

चीन तिब्बती बच्चों को---

पर फैला है और दक्षिण, दक्षिण-पूर्व तथा मध्य एशिया पर अपनी पकड़ रखता है। तिब्बत पर नियंत्रण चीन को हिमालय के पार अपनी ताकत दिखाने और पड़ोसी क्षेत्रों पर दबाव डालने में सक्षम बनाता है। यहां चीन न केवल सबसे बड़े बांधों का निर्माण कर रहा है, बल्कि इस क्षेत्र के समृद्ध खनिज संसाधनों का भी तेजी से दोहन कर रहा है। १९५० के दशक की शुरुआत में चीनी आक्रमण और कब्जे से पहले तिब्बत एक स्वायत्त इकाई था। यदि यह स्थिति बनी रहती, तब आज यह क्षेत्रफल के हिसाब से दुनिया का दसवां सबसे बड़ा देश होता। पीपल्स रिपब्लिक में इसके विलय ने एशिया की रणनीतिक भूगोल, जिसमें इसका हाइड्रोलॉजिकल मानचित्र भी शामिल है, को पूरी तरह बदल दिया है, जिससे भारत के लिए रणनीतिक मोर्चे पर नई और गंभीर चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं।

विदेशी दवाओं के---

और रेडियोफार्मास्यूटिकल्स जैसी विशेष श्रेणी की दवाओं के लिए मौजूदा ६० प्रतिशत शेल्फ लाइफ वाला नियम जारी रहेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव से देश में कई महत्वपूर्ण दवाओं की उपलब्धता बढ़ सकती है। इससे विशेषकर उन दवाओं के आयात में आसानी होगी, जो सीमित मात्रा में उपलब्ध होती हैं या जिनकी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला जटिल होती है।

संभावित लाभों में शामिल हैं- आवश्यक दवाओं की उपलब्धता में सुधार। दवा की कमी की स्थिति में कमी। दवाओं की बर्बादी में कमी। आयात और आपूर्ति प्रक्रिया में तेजी। दवा कंपनियों की लागत में कमी की संभावना। मरीजों को समय पर दवाएं मिलने की सुविधा। सरकार का मानना है कि नए नियम से दवा आयात की प्रक्रिया अधिक व्यावहारिक और व्यापार-अनुकूल बनेगी। इससे दवा कंपनियों को भी आपूर्ति प्रबंधन में सुविधा मिलेगी और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध दवाओं को भारत तक पहुंचाने में कम बाधाएं आएंगी।

सीजेआई ने समानता---

रह जाता। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि कानून के सामने समानता कोई ऐसा विशेषाधिकार नहीं था जो शक्तिशाली लोग उन्हें देते, जिन्हें वे इसके लायक समझते। यह हमेशा से ही कानून का मूल सिद्धांत रहा है। उनके अनुसार, इसके बिना, जिसे हम कानून कहते हैं, वह केवल ताकतवर पक्ष की संगठित इच्छा-शक्ति मात्र है। सीजेआई ने जोर दिया कि क्या अंतरराष्ट्रीय कानून पर समानता का यह विचार पूरी तरह से उसी भावना से लागू होता है। उनका यह सवाल मौजूदा भू-राजनीतिक परिदृश्य में और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है, जहाँ दुनिया देख रही है कि शक्तिशाली देश किस तरह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उपयोग अपने हित साधने के लिए कर रहे हैं, जबकि छोटे या कम शक्तिशाली देशों को उनके प्रतिबंधों और टैरिफ की मनमर्जी का सामना करना पड़ता है।

एनसीईआरटी के 9वीं की---

की प्रस्तावना में पंथनिरपेक्ष, समाजवादी और अखंडता शब्द जोड़े थे, हालांकि ये शब्द अभी भी भारतीय संविधान का हिस्सा हैं। एनसीईआरटी की पुस्तक में १९७० के दशक की शुरुआत में इंदिरा सरकार के खिलाफ बढ़ती जन नाराजगी, बेरोजगारी, महंगाई और कुप्रबंधन के आरोपों के कारण हुए विरोध प्रदर्शनों का जिक्र है, जिसके बाद जून १९७५ में आंतरिक अशांति के आधार पर राष्ट्रीय आपातकाल लागू किया गया था। किताब के अनुसार, आपातकाल के दौरान अधिकांश मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई और कई राजनीतिक नेताओं व कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया।

मोदी कैबिनेट में---

दूसरी ओर सरकार में अपेक्षाकृत युवा नेताओं को मौका देकर नेतृत्व की नई पीढ़ी को तैयार किया जा सके। यह बदलाव सिर्फ सरकार तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में भी व्यापक फेरबदल की संभावना है।

भाजपा सभी 595 मंडलों में मनाएगी हूल दिवस, भोगनाडीह में होगा मुख्य कार्यक्रम

रांची (एजेंसी): झारखंड भाजपा ३० जून को हूल दिवस के अवसर पर न केवल अमर शहीद स्थल भोगनाडीह में कार्यक्रम आयोजित करेगी बल्कि इस दिवस को राज्य के सभी ५९५ मंडलों में मनाने की तैयारी में जुटी हुई है। हूल दिवस को सभी मंडलों में मनाने की घोषणा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने की है। इस संबंध में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि इस बार हूल दिवस के अवसर पर भाजपा द्वारा झारखंड के सभी मंडलों में हूल क्रांति के अमर शहीद महानायक सिदो-कान्हो, चांद-भैरव, फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। वहीं भोगनाडीह में इस दिवस को भव्य और व्यापक रूप से मनाने के लिए ९ सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है। आदित्य साहू ने कहा कि आजादी की लड़ाई में झारखंड के जनजातीय समुदाय के महानायकों की महत्ती भूमिका रही है। कई सपूतों ने अपनी कुर्बानी दी है।३० जून, १८५५ के दिन झारखंड के जनजातीय समुदाय द्वारा क्रांति का बिगुल फूंका गया। हूल दिवस, जनजातीय समुदाय के कड़े संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां जनजातीय समुदाय के नाम पर केवल राजनीतिक रोटी सेंकने का काम करती रही हैं।

रांची समेत अधिकांश जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट, 28 से और सक्रिय होगा मानसून

रांची (एजेंसी): झारखंड में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय होने की ओर बढ़ रहा है। राजधानी रांची सहित राज्य के कई हिस्सों में हुई अच्छी बारिश के बाद मौसम का मिजाज बदल गया है। तापमान में गिरावट दर्ज होने से लोगों को उमस और भीषण गर्मी से राहत मिली है। मौसम विज्ञान केंद्र ने अगले दो दिनों के लिए राज्य के अधिकांश जिलों में तेज हवा, गरज-चमक और बारिश की संभावना जताई है। इसके साथ ही २८ जून से मानसून की गतिविधियों में और तेजी आने का पूर्वानुमान जारी किया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार पलामू, चतरा, गढ़वा और लातेहार को छोड़कर राज्य के अधिकांश जिलों में तेज हवा के साथ बारिश और वज्रपात की आशंका बनी हुई है। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी है। विशेष रूप से खुले मैदान, ऊंचे पेड़ों और बिजली के खंभों के आसपास रुकने से बचने की अपील की गई है।

28 से झारखंड में और मजबूत होगा मानसून

मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि २८ जून से झारखंड में मानसून और अधिक सक्रिय हो जाएगा। इसके प्रभाव से कई जिलों में लगातार बारिश होने की संभावना है। यदि वर्तमान मौसम प्रणाली मजबूत बनी रहती है तो आने वाले दिनों में कई इलाकों में अच्छी वर्षा दर्ज की जा सकती है। इससे खेती-किसानी को भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

लगातार हुई बारिश का असर तापमान पर भी देखने को मिला। राजधानी रांची का अधिकतम तापमान ३२.७ डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान २३.० डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान ४०.८ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग का मानना है कि आगामी दिनों में बारिश बढ़ने के साथ अधिकतम तापमान में और गिरावट आ सकती है।

झारखंड की जेलों में पूर्व सैनिकों की संविदा बहाली का दायरा बढ़ा अब संथाल परगना की जेलों के लिए भी 186 पदों पर भर्ती

रांची (एजेंसी): झारखंड की जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने पूर्व सैनिकों एवं अर्द्धसैनिक बल के सेवानिवृत्त जवानों की संविदा आधारित नियुक्ति का दायरा बढ़ा दिया है। रांची प्रमंडल की जेलों में ६८ पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद अब संथाल परगना प्रमंडल की जेलों के लिए भी १८६ कक्षपाल एवं महिला कक्षपाल पदों पर बहाली की जाएगी।

संथाल परगना क्षेत्र में केंद्रीय कारा, दुमका में ४२ पद (४१ पुरुष, १ महिला), मंडल कारा जामताड़ा में ३९, मंडल कारा पाकुड़ में ३२, मंडल कारा गोड्डा में २१, मंडल कारा साहिबगंज में १८, उपकारा राजमहल में १८ तथा मंडल कारा देवघर में १६ पद भरे जाएंगे। इन पदों के लिए ३ सितंबर २०२६ को केंद्रीय कारा, दुमका में वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित होगा।

इससे पहले रांची प्रमंडल की जेलों के लिए ६८ पदों पर बहाली की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इनमें बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार में ५६, मंडल कारा गुमला में ३, मंडल कारा सिमडेगा में ७ तथा उपकारा खूंटी में २ पद शामिल हैं। इन पदों के लिए ४ जुलाई २०२६ को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार में वॉक-इन इंटरव्यू होगा। इसके अलावा भी अन्य जेलों में भी बहाली की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

दोनों चरणों में चयनित अभ्यर्थियों को २० हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा।

नियुक्ति प्रारंभिक रूप से एक वर्ष के लिए संविदा पर होगी, जिसे आवश्यकता के अनुसार बढ़ाया जा सकेगा। हर वर्ष मानदेय में ८ प्रतिशत की वृद्धि का भी प्रावधान रखा गया है। सरकार का उद्देश्य जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और रिक्त पदों को शीघ्र भरना है।

पढ़ाई के बोझ के कारण बच्चों डिप्रेशन का शिकार हो रहे

आजकल के आधुनिक युग में बच्चों पर भी पढ़ाई का बोझ बढ़ता जा रहा है जिससे वे भी मानसिक तनाव का शिकार हो रहे हैं। बच्चे अधिक संवेदनशील होते हैं। वे अपनी भावनाओं और अनुभवों को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते। खासकर जब वे दुख, डर या असहज महसूस करते हैं तो वे इसे साफ शब्दों में नहीं बता पाते। इसका कारण यह है कि कई बार बच्चे मानसिक तनाव या डिप्रेशन की स्थिति में पहुंच सकते हैं।

लक्षण

मानसिक तनाव के कारण बच्चों के व्यवहार में कई तरह के बदलाव दिखाई देते हैं। जब बच्चे परेशान होते हैं तो वे चिड़चिड़े हो सकते हैं या चुप्पी साध सकते हैं। यह बदलाव अचानक आ सकता है। एक बच्चा जो हमेशा समय पर खाना खाता था, अचानक खाना खाने से मना कर सकता है। या वह खेल जिसमें वह रुचि रखता था, उसमें अब उसका मन नहीं लगेगा। ऐसे व्यवहार को केवल नखरे समझना सही नहीं है। यह मानसिक तनाव का संकेत हो सकता है।

स्वभाव में बदलाव

अगर कोई बच्चा पहले बहुत मिलनसार था और हर किसी से बात करता था, लेकिन अचानक वह चुप हो जाए या किसी से बात करना बंद कर दे, तो यह चिंता का विषय हो सकता है। इसके विपरीत, यदि कोई बच्चा जो पहले शांत रहता था, अचानक बहुत ज्यादा बोलने लगे, तो यह भी मानसिक दबाव का संकेत हो सकता है।

इस प्रकार करें सहायता

माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों की भावनाओं और मानसिक स्थिति पर ध्यान दें। बच्चों के दोस्तों को जानना जरूरी है। न तो बच्चों के दोस्तों को लेकर ज्यादा टोकाटाकी करें और न ही हर बात में हस्तक्षेप। बस यह जानने की कोशिश करें कि आपके बच्चे किन दोस्तों के साथ समय बिताते हैं। समय-समय पर बच्चों के दोस्तों को घर बुलाएं। इससे आपको पता चलेगा कि वे किस प्रकार के प्रभाव में हैं और क्या उनके दोस्त उनके लिए सकारात्मक हैं।

बच्चों से बात करें

घर पर खाली समय में, खासकर डिनर के दौरान बच्चों से बात करें। यह समय बहुत उपयोगी होता है जब माता-पिता अपने दिन की बातें बच्चों से साझा करते हैं। इससे बच्चे सीखते हैं कि अपनी बातें कैसे बताई जाती हैं और भावनाओं को कैसे व्यक्त किया जाता है।

बच्चों की बात ध्यान से सुनें

जब बच्चा अपनी कोई बात बताने आए, तो उसे पूरा ध्यान देकर सुनें। तुरंत प्रतिक्रिया न दें। यदि उसने कोई गलती की है, तो उस पर चिल्लाने की बजाय शांत और समझदार भाषा में बात करें। आवाज का स्वर नरम और सहयोगी होना चाहिए। इससे बच्चे को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का मौका मिलता है, जिससे वह मानसिक रूप से मजबूत बनता है।

बच्चे को बात-बात पर आ जाता है गुस्सा, ऐसे करें नियंत्रण

बच्चे का मन बहुत कोमल होता है। शुरू से ही बच्चों में आसपास का माहौल उसके स्वभाव में देखने को मिलता है। कुछ बच्चे बहुत जिद्दी होते हैं। बात-बात पर गुस्सा करना, चिड़चिड़ापन, बात को सुनने में आनाकनी करना आदि से कई बार उनके मां-बाप भी परेशान हो जाते हैं लेकिन इसके पीछे की वजह खुद मां-बाप का व्यवहार भी है। जिसका असर बच्चे के कोमल मन पर भी पड़ता है। हो सकता है कि आप जाने-अनजाने अपने लाड़ले के सामने कुछ ऐसी गलतियां कर रहे हैं, जिसका असर भी उस पर पड़ रहा है। आप अपने बच्चे के हाइपर एक्टिव स्वभाव से चिंतित हैं तो इन बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है।

शांति से लें काम

अगर बच्चा किसी बात पर गुस्सा करने लगता है तो माता-पिता को भी गुस्सा आ जाता है और दोनों तरफ से गुस्से का टकराव होता है सो अलग. इस स्थिति में पैरेंट्स को संयम बनाने की जरूरत होती है. शांति से काम लेना और बच्चे के गुस्से की वजह जानना जरूरी है.

बच्चे के गुस्से के आगे ना मानें हार

आप शांति से जरूर काम ले रहे हैं लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि आप बच्चे के गुस्से के आगे पिघल जाएं और उसकी जिद को मानने लगें. बच्चा अगर किसी गलत वजह से जिद कर रहा है और फिर गुस्सा भी कर रहा है तो आपको उसके इस व्यवहार को बढ़ावा नहीं देना है.

बच्चे को समझने और समझाने की कोशिश करें

अगर बच्चे को रोज-रोज किसी एक ही स्थिति में या एक ही बात पर गुस्सा आ रहा है तो उसकी परेशानी की जड़ तक जाएं. बच्चे को समझने की कोशिश करें कि उसे गुस्सा क्यों आ रहा है और साथ ही उसे यह समझाने की भी कोशिश करें कि उसका गुस्सा करना क्यों गलत है और इसके क्या बुरे प्रभाव हो सकते हैं.

मारपीट न करें

ऐसे बच्चों में आत्मसम्मान की भावना 3 से 4 साल की उम्र में ही शुरू हो जाती है। अगर आप ऐसे बच्चों को किसी के सामने चिल्लाकर या फिर मारपीट कर समझाते है तो इससे उनके आत्मसम्मान को धक्का लगता है और उनके अंदर कुछ भी सीखने की भावना खत्म हो जाती है। ऐसे में आपका बच्चा कोई गलती करता है तो आप उसे अकेले में प्यार से समझाएं।

गलतियों पर प्यार से समझाएं

बचपन में गलतियां करना बच्चों का स्वभाव होता है। इसका मतलब यह नहीं होता कि आप उन्हें छोटी-सी गलती करने पर मारने-पीटने लग जाएं। ऐसे सभी के सामने उन्हें मारने से उनका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाएगा और उन्हें बहुत जल्दी गुस्सा आने लगेगा और आपके प्रति सम्मान भी कम होगा। इसलिए बच्चों को जरा-सी गलती करने पर मारना-पीटना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें गलती सुधारने के लिए प्यार से समझाना चाहिए।

बच्चों पर रखें नजर

कुछ बच्चों को बहुत जल्दी गुस्सा आने के कारण वह अपने दोस्तों से भी जल्दी झगड़ा करने लगते हैं। ऐसे में इस तरह के बच्चों की गलतियों को नजरअंदाज नही करना चाहिए। उनकी स्कूल टीचर या स्कूल ले जाने वाली गाड़ी के ड्राइवर से भी उनके बारे में पूछते रहना चाहिए और उनकी गलतियों के सुधारने की कोशिश करनी चाहिए।

व्यवहारिक ज्ञान दें

बच्चे अपना स्कूल का काम बहुत जल्दी खत्म करके खेलने-कूदने लग जाते हैं। ऐसे में मां-बाप उन्हें हर समय पढ़ने के लिए कहते रहते है। अगर आपके बच्चें पढाई में होशियार है इसका मतलब यह नहीं कि वह हर वक्त पढाई में लगे रहें। इसलिए बच्चों को पढ़ाई के साथ व्यवहारिक ज्ञान भी होना चाहिए।

हेल्दी कॉम्पटीशन

बच्चे को हेल्दी कॉम्पटीशन के बारे में समझाएं, इससे उन्हें गुस्से से निपटने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा उन्हें गहरी सांस लेना, अपनी भावनाओं को लिखना या किसी भरोसेमंद वयस्क से बात करने के लिए प्रोत्साहित करना भी कारगर साबित हो सकता है।

बच्च के ट्रिगर्स प्वॉइंट को पहचानें

बच्चे में गुस्से को ट्रिगर करने वाले लक्षण को पहचानें और उसके मुताबिक व्यवहार करें। एक बार जब वे जान जाते हैं कि वे किस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, तो वे इसका अनुमान लगाना सीख सकते हैं और अपने गुस्से को काबू करने के लिए जरूरी कदम भी उठा सकते हैं।

उनकी भावनाओं के बारे में बात करें

अपने बच्चे को अपनी भावनाओं के बारे में बात करने के लिए प्रोत्साहित करें, तब भी जब वह गुस्से में हो। यह उन्हें दबाने के बजाय उनकी भावनाओं को पहचानने और उनके माध्यम से काम करने में मदद कर सकता है।

मॉडल उपयुक्त व्यवहार

बच्चे को अपने गुस्से को कैसे संभालना है, यह सिखाने के लिए उचित व्यवहार की मॉडलिंग करना सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। उन्हें दिखाएं कि हिंसा या आक्रामकता का सहारा लिए बिना मजबूत भावनाओं को व्यक्त करना संभव है और काफी प्रभावशाली भी।

ब्रेक लेने की सलाह दें

अपने बच्चे को याद दिलाएं कि जब वे गुस्से का अनुभव करें, तो उस वक्त ब्रेक लेना ठीक होगा। उन्हें उस स्थिति से थोड़ी देर के लिए दूर जाने और गहरी सांसे लेने के लिए समझाएं। अगर इस उपायों के बाद भी बच्चे में क्रोध की समस्या में कोई सुधार नहीं दिख रहा, तो मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर से मदद लेना महत्वपूर्ण है। एक चिकित्सक आपके बच्चे को अपने क्रोध से निपटने के लिए स्वस्थ तरीके सीखने में मदद कर सकता है। इसके अलावा एक सुरक्षित और सपोर्टिव माहौल की मदद से भी आपका बच्चा बिना गुस्सा किए अपनी बातों को व्यक्त कर सकेगा।

बरसात में बच्चों की यूं करें देखभाल, तो वे नहीं पड़ेंगे बार-बार बीमार

बारिश के आते ही बीमारियां भी दस?तक देनी शुरू हो जाती हैं। बच?चों की इम?युनिटी कमजोर होती है इसलिए इस समय बच?चों की सेहत को लेकर अधिक सावधान रहने की सलाह दी जाती है। बच?चों को तो बारिश में खेलने का शौक होता है और इसमें उन?हें बहुत मजा भी आता है। वहीं स?कूल आने-जाने में भी बच?चे कई बार बारिश में भीग जाते हैं।

क?लासरूम में एसी की हवा और वेंटिलेशन का कोई प्रबंध न होने की वजह से कीटाण जल?दी पनपने लगते हैं और बच?चों को बीमारियों की चपेट में ले लेते हैं। बारिश के मौसम में डेंगू, कोलेरा, टायफाइड और मलेरिया आदि होने का खतरा रहता है। इसलिए जरूरी है कि आप बच?चों का इस मौसम में खास ख?याल रखें। इस आर्टिकल में हम आपको बता रहे हैं कि मानसून के मौसम में बच?चों की देखभाल कैसे की जानी चाहिए।

बारिश का मौसम आने वाला है। मानसून खूब सारी मस्ती लेकर आता है, लेकिन इस मौसम में बीमारियां भी काफी बढ़ती हैं। इस मौसम में बच्चों की सेहत का खास तौर पर ख्याल रखना होता है। बारिश का सीजन में बच्चे कई सारी बीमारियों को न्यौता देते हैं, ऐसे में वो बीमार ना हो जाएं कुछ इस तरह उनका ख्याल रखें।

साफ पानी से धोएं खाद्य पदार्थ

बारिश के मौसम में जमीन में रहने वाले ज्यादातर कीड़े सतह पर आ जाते हैं, जो फल, सब्जियों और खाद्य पदार्थों को दूषित करते हैं। इसलिए किसी भी फल और सब्जियों को खाने से पहले साफ पानी से अच्छे से धोएं और अगर जरूरत हो तो बीमारी से बचने के लिए पोटैशियम परमेंगनेट का प्रयोग किया जा सकता है।

उबला हुआ पानी पिलाएं

बरसात में पानी के वजह से भी इंफेक्शन होता है, बच्चों को उबला हुआ पानी पिलाएं और खुद भी यही पिएं।

साफ-सफाई का खास तौर पर ध्यान रखें मच्छरों से बचने के लिए घर और आस-पास गंदगी न होने दें और जर्म्स रिपेलेंट लिक्विड का इस्तेमाल करें।

डॉक्टर की सलाह लें

बच्चों का इम्यून सिस्टम कमजोर होता है और बीमारियां उनपर जल्दी हमला करती हैं। तो इस मौसम में बच्चों में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लें। बारिश में बीमारियों से बचाने के लिए बच्चों को गंदगी से दूर रखें।

बच्चों को भींगने से बचाएं

बारिश में बच्चों को भीगने न दें। अगर वे स्कूल से लौटते वक्त भीग जाएं तो तुरंत उन्हें साफ पानी से नहालाएं और हीटर या आग से सर्दी को दूर करें। बच्चों के शरीर की साफ-सफाई का भी ध्यान रखें। साथ ही उनके खेलने की जगह को भी साफ रखें।

साफ पानी पिएं

विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून में गंदा पानी आना एक सदियों पुरानी समस?या है और इसकी वजह से टायफाइड, कोलेरा आदि बीमारियां होने का खतरा रहता है। आप बच?चों को साफ पानी ही पिलाएं और घर से बाहर जाने पर मिनरल वॉटर ही पिएं। मानसून के दौरान स?ट्रीट फूड का सेवन करने से बचना चाहिए।

मानसून में बच्चों को बीमारी से कैसे बचाएं?

बारिश के मौसम में पानी से होने वाले संक्रमण का खतरा काफी बढ़ जाता है, ऐसे में बच्चों के बीमार पड़ने की संभावना भी अधिक रहती है। इसलिए पहली बार माता-पिता बने कपल को अपने बच्चे को मानसून में स्वस्थ्य रखने के लिए अधिक सावधानी बरतने की जरूरत होती है। इसके लिए आदतों में कुछ बदलाव और थोड़ी सावधानी आपका काम काफी आसान कर सकती है।

महिला टी-20 विश्वकप

ब्रिट्स का शतक, दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड्स को 88 रन से हराया

ब्रिस्टल, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के 24वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नीदरलैंड्स के खिलाफ धमाकेदार जीत दर्ज की। काउंटी ग्राउंड पर खेले गए मैच में प्रोटियाज टीम से मिले 209 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड्स की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 120 रन ही बना सकी।

दक्षिण अफ्रीका ने 88 रनों की बड़ी जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी दावेदारी को मजबूत कर लिया है। भारत और दक्षिण अफ्रीका, दोनों के छह-छह अंक हैं। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका ने अपने नेट रन रेट में भी काफी सुधार किया है। भारत की टेंशन इसलिए बढ़ी है क्योंकि उसका अगला मुकाबला यानी ग्रुप स्टेज का आखिरी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम से है, जबकि दक्षिण अफ्रीका को बांग्लादेश से भिड़ना है। भारत को हर हाल में ऑस्ट्रेलिया को हराना होगा। साथ ही यह मनाना होगा कि या तो दक्षिण अफ्रीका बांग्लादेश से हार जाए या फिर नेट रन रेट भारत से बेहतर नहीं कर पाए।

नीदरलैंड्स की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की टीम को फेबे मोलकेनबोअर और सान्या खुराना ने सधी हुई शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। सान्या ने 30 गेंदों का सामना करते हुए छह चौकों की मदद से 36 रन बनाए। वहीं, फेबे ने 41 रनों का योगदान दिया। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरीं स्टेरे कालिस ने 26 रन बनाए, जबकि बैबेट डी लीडे 11 रन बनाकर पवेलियन लौटीं।

इसके बाद नीदरलैंड्स ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम मुश्किल से 100 रनों का आंकड़ा पार कर सकी। नीदरलैंड्स की छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक पार करने में नाकाम रहीं। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर तीन विकेट चटकाए। वहीं, क्लोई ट्रायोन ने चार ओवर के स्पेल में 16 रन देकर दो विकेट निकाले।

दक्षिण अफ्रीका की पारी

इससे पहले, दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवर में एक विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 208 रन लगाए। टीम को कप्तान एल वोल्वार्ट और ताजमिन ब्रिट्स ने शानदार शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 13.3 ओवर में 121 रन जोड़े। वोल्वार्ट ने 36 गेंदों में छह चौकों की मदद से 45 रन बनाए।वहीं, ब्रिट्स ने लाजवाब बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। ब्रिट्स ने 69 गेंदों में 114 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 15 चौके और तीन छक्के लगाए। वहीं, अंत के ओवरों में एनेरी डेर्कसेन ने महज 16 गेंदों में तीन चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 37 रन बनाए। गेंदबाजी में नीदरलैंड्स की तरफ से एकमात्र विकेट हन्ना लैंडहीर ने चटकाया।

हम तेजी से लक्ष्य हासिल करना चाहते थे

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया कि कहां है सुधार की जरूरत

मैनचेस्टर, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को भारतीय टीम ने जिंदा रखा है। ग्रुप ए के मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई है, लेकिन उन्होंने माना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले फील्डिंग अभी भी एक बड़ी चिंता का विषय है।

बांग्लादेश को आसानी से हराया

ओल्ड टैफर्ड के मैदान पर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 136 रन लगाए। हालांकि, भारतीय टीम ने शेफाली वर्मा की अर्धशतकीय पारी के बूते 137 रनों के लक्ष्य को 16.5 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। शेफाली ने 34 गेंदों में 53 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में राधा यादव ने तीन विकेट चटकाए।

मैच के बाद हरमनप्रीत कौर ने कहा कि टीम का लक्ष्य मैच को जल्दी खत्म करना था ताकि नेट रन रेट में भी सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि भारत ने जीत तो हासिल कर ली, लेकिन अगर टीम थोड़ा और जल्दी लक्ष्य हासिल कर लेती तो और बेहतर होता। फिर भी दो-तीन ओवर पहले मैच खत्म करना टीम के लिए सकारात्मक बात रही। जीत के बावजूद भारतीय कप्तान अपनी टीम की फील्डिंग से पूरी तरह संतुष्ट नहीं दिखीं। उन्होंने कहा कि टीम लगातार फील्डिंग पर मेहनत कर रही है, लेकिन इस मैच में भी कई आसान कैच छूट गए। इन गलतियों की वजह से बांग्लादेश की बल्लेबाजों को बड़ी साझेदारी बनाने का मौका मिला और टीम उम्मीद से ज्यादा रन बनाने में सफल रही।

हरमनप्रीत ने कहा कि फील्डिंग ऐसी चीज है, जिसमें टीम को जल्द सुधार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले अगले मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी और ऐसी गलतियां नहीं दोहराएंगी। उन्होंने कहा कि जिन खिलाड़ियों से कैच छूटे, वे टीम के सबसे अच्छे फील्डरों में शामिल हैं। ऐसे में किसी एक खिलाड़ी को दोष देना सही नहीं होगा। कप्तान ने कहा कि कभी-कभी मैदान पर ऐसे हालात बन जाते हैं, जिन्हें पूरी तरह नियंत्रित नहीं किया जा सकता। जरूरी बात यह है कि खिलाड़ी लगातार अभ्यास करें और अपनी गलतियों से सीख लें।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच पर है ध्यान

हरमनप्रीत ने बताया कि टीम का पूरा ध्यान अब अगले मुकाबले पर है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी मैदान पर अधिक समय बिताकर कैच पकड़ने और फील्डिंग में सुधार करने की कोशिश करेंगे ताकि बड़े मुकाबलों में कोई आसान मौका हाथ से न निकल जाए। भारतीय कप्तान ने टीम चयन को लेकर भी अपनी रणनीति साझा की। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट किसी एक तय प्लेइंग इलेवन पर निर्भर नहीं है। हर मुकाबले में विरोधी टीम की ताकत, कमजोरियों और पिच की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अंतिम एकादश का चयन किया जाता है।

सेमीफाइनल के लिए हर हाल में चाहिए होगी जीत

भारतीय टीम को ग्रुप स्टेज के अपने अगले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। हरमनप्रीत ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन भारतीय टीम ऐसे मुकाबलों का इंतजार करती है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को भारत की पसंदीदा विपक्षी टीम बताया। हरमनप्रीत ने कहा, हम जानते हैं कि हर मैच जीतना जरूरी है, और कभी-कभी जब चीजें आपके हिसाब से नहीं होतीं, तो आपको अपना बेस्ट देना होता है। ऐसे में मेरे हिसाब से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाला मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण है। अगर हम इस मैच को जीतने में सफल रहते हैं, तो इससे हमें बहुत आत्मविश्वास मिलेगा। उन्होंने कहा कि नवी मुंबई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली पिछली जीत से भारतीय टीम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उस जीत ने खिलाड़ियों का भरोसा मजबूत किया और कई मानसिक बाधाएं भी दूर कीं।

जर्मनी को हरा इतिहास रच गया इक्वाडोर पूरे देश में जश्न, अवकाश घोषित किया

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 से एक बेहद चौंकाने वाली और ऐतिहासिक खबर सामने आ रही है। ग्रुप-ई के अपने आखिरी मुकाबले में अंडरडॉग मानी जा रही इक्वाडोर की टीम ने बड़ा उलटफेर करते हुए चार बार की विश्व चैंपियन जर्मनी को 2-1 से धूल चटा दी है। स्थानीय समयानुसार गुरुवार (25 जून) को न्यूयॉर्क/न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मैच में जीत दर्ज कर इक्वाडोर ने विश्व कप के नॉकआउट स्टेज में जगह पक्की कर ली है। इस ऐतिहासिक सफलता के बाद इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने देश में राष्ट्रीय अवकाश की घोषणा कर दी है।

इस महाविजय के बाद राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भावुक और गर्व से भरी पोस्ट साझा की। उन्होंने टीम की आलोचना करने वालों को करारा जवाब देते हुए खिलाड़ियों और मुख्य कोच सेबेस्टियन बेकासेसे का आभार जताया।

राष्ट्रपति नोबोआ ने लिखा 'खिलाड़ियों और कोच को बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने तमाम आलोचनाओं, अपमान और कठिन दौर से गुजरने के बावजूद शानदार वापसी की और पूरे देश को यह असीम खुशी दी। कल (शुक्रवार) देश में छुट्टी रहेगी! इक्वाडोर अमर रहे।'

ऐसे पलटा मैच का पासा

इक्वाडोर के लिए यह राह आसान नहीं थी। टीम को अपने पहले मैच में आइवरी कोस्ट से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था, जबकि कुराकाओ के खिलाफ दूसरा मैच गोलरहित ड्रा रहा था। वहीं दूसरी तरफ जर्मनी की टीम पहले ही नॉकआउट के लिए क्वालीफाई कर चुकी थी और मैच में जीत की प्रबल दावेदार थी।

मैच की शुरुआत में जर्मनी ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया। फ्लोरियन विर्ट्ज के पास पर लेरॉय साने ने मैच का पहला शॉट सीधे गोल पोस्ट के भीतर दागकर जर्मनी को शुरुआती बढ़त दिला दी। साने ने बड़ी ही आसानी से गेंद को इक्वाडोर के गोलकीपर हर्नान गैलिंडेज को छकाते हुए निचले बाएं कोने में डाल दिया। इस गोल के तुरंत बाद इक्वाडोर के खिलाड़ियों ने फाउल की अपील की। रीप्ले में भी यह देखा गया कि गोल से ठीक पहले जर्मनी के अलेक्सांद्र पाव्लोविच का पैर इक्वाडोर के मिडफील्डर प्रेडो विटे के सिर पर लगा था, लेकिन अंपायर ने इसे नजरअंदाज कर दिया।

निल्सन एंगुलो का जादुई गोल

शुरुआती झटका लगने के बावजूद इक्वाडोर ने हिम्मत नहीं हारी। टीम ने पूरे दमखम और आक्रामकता के साथ वापसी की। मैच के 9वें मिनट में ही निल्सन एंगुलो ने मिडफील्ड से मिले एक ढीले पास को लपका और मैनुअल न्युएर जैसे दिग्गज गोलकीपर को छकाते हुए एक बेहद दमदार लॉन्ग-रेंज शॉट लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद पहले हाफ तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं।

मैच का सबसे निर्णायक क्षण 77वें मिनट में आया। दाएं छोर से मिले एक कॉर्नर पर केविन रोड्रिगेज ने हवा में उछलकर गेंद को गोल पोस्ट की तरफ फ्लिक किया, जहां खड़े गोंजालो प्लाटा ने बिना कोई गलती किए फुर्ती से गेंद को नेट के अंदर धकेल दिया। इस गोल के होते ही स्टेडियम में मौजूद इक्वाडोर के फैंस और डगआउट में बैठे खिलाड़ी खुशी से झूम उठे।

सांस रोक देने वाला रोमांच

2-1 की बढ़त लेने के बाद इक्वाडोर की टीम पूरी तरह से डिफेंसिव मोड में आ गई। मैच के अंतिम क्षणों और 7 मिनट के इंजरी टाइम में जर्मनी ने बराबरी का गोल दागने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन इक्वाडोर के डिफेंस ने चट्टान की तरह डटकर जर्मनी के हर वार को नाकाम कर दिया। आखिरकार, अंतिम सीटी बजने के साथ ही इक्वाडोर ने 2-1 से मैच अपने नाम कर लिया।

सिंधुश्री ने पोल वॉल्ट में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, अनिमेष-उन्नथी ने किया क्वालिफाई

नई दिल्ली। 65वीं नेशनल सीनियर इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गुरुवार को कई भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2026 एशियन गेम्स के लिए अपनी दावेदारी मजबूत की। प्रतियोगिता के दौरान सिंधुश्री ने महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया, जबकि स्प्रिंटर्स अनिमेष कुजूर और उन्नथी बोल्लांडा ने एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मानक हासिल कर लिया।

महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में सिंधुश्री ने 4.25 मीटर की ऊंचाई पार कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने रोजी मीना पॉलराज के 4.21 मीटर के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। यह रिकॉर्ड अक्तूबर 2022 में बेंगलुरु में आयोजित इंडियन चैंपियनशिप के दौरान बनाया गया था। इसी स्पर्धा में बरानिका फ्लैंगोवन ने 4.20 मीटर की छलांग लगाकर एशियन गेम्स 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया।पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में अनिमेष कुजूर ने सेमीफाइनल में 20.87 सेकंड का समय निकालकर एशियन गेम्स का क्वालिफिकेशन मानक हासिल किया। इसके बाद फाइनल में उन्होंने 20.74 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में उन्नथी बोल्लांडा ने 23.658 सेकंड का समय निकालते हुए एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया। वहीं हरिता ने 23.55 सेकंड का समय लेकर क्वालिफिकेशन मानक पार किया और जापान में होने वाले महाद्वीपीय खेलों का टिकट हासिल किया।

वापसी के लिए तैयार सेरेना विलियम्स, पहले दौर में जॉइंट से सामना; जोकोविच को मिली सातवीं वरीयता

सात बार की विंबलडन एकल चैंपियन सेरेना विलियम्स सोमवार से शुरू हो रहे इस ग्रैंडस्लैम के पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया की 20 वर्षीय माया जॉइंट से भिड़ेंगी। यह लगभग चार वर्षों के अंतराल के बाद इस टूर्नामेंट में उनका पहला एकल मुकाबला होगा। इस 44 वर्षीय दिग्गज को घसियाले कोर्ट पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट के लिए लिए वाइल्ड कार्ड मिला है। वह एकल के अलावा अपनी बड़ी बहन वीनस विलियम्स (46) के साथ युगल स्पर्धा में भी हिस्सा लेंगी।

सेरेना की टेनिस में वापसी की शुरुआत दो युगल अभ्यास मुकाबलों से हुई थी, लेकिन रविवार को ऑल इंग्लैंड क्लब द्वारा उनके एकल खेलने की घोषणा के साथ उनकी वापसी को नई गति मिल गई। सेरेना ने अपना पिछला एकल मुकाबला 2022 के यूएस ओपन में खेला था, जहां उन्हें तीसरे दौर में अजला टोमल्यानोविच के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय उन्होंने संन्यास शब्द का इस्तेमाल करने से इनकार करते हुए कहा था कि वह टेनिस से दूर होकर अपने जीवन के नए चरण की ओर बढ़ रही हैं। साल 2023 में उनकी दूसरी बेटी का जन्म हुआ था। विम्बलडन में सेरेना पिछ्ला मुकाबला 2022 में खेली थी। उन्हें तब पहले दौर में ही तत्कालीन विश्व नंबर 115 हार्मनी टैन ने पराजित किया था।पुरुष एकल वर्ग में मौजूदा चैंपियन और विश्व नंबर एक यानिक सिनर शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, जबकि महिला वर्ग में एरीना सबालेंका को शीर्ष वरीयता मिली है। विंबलडन की वरीयताएं एटीपी और डब्ल्यूटीए रैंकिंग के आधार पर निर्धारित की जाती हैं।

शिवम की कहानी: ऐसी की वापसी और बन गए दो बार के विश्व चैंपियन

ओवरवेट होने के कारण छोड़ा था क्रिकेट

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के विस्फोटक ऑलराउंडर शिवम दुबे आज उन खिलाड़ियों में गिने जाते हैं, जिन पर टीम मुश्किल परिस्थितियों में भरोसा करती है। बड़े-बड़े छक्के लगाने की उनकी क्षमता और जरूरत पड़ने पर उपयोगी गेंदबाजी ने उन्हें सीमित ओवरों की टीम का अहम सदस्य बना दिया है। लेकिन यहां तक पहुंचने का उनका सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा।

26 जून 1993 को मुंबई में जन्मे शिवम दुबे का परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के भदोही का रहने वाला है। बचपन से ही क्रिकेट के प्रति उनका जुनून था और उन्होंने कम उम्र में ही इस खेल को अपना लक्ष्य बना लिया था। हालांकि, 14 साल की उम्र में उनकी जिंदगी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उनके क्रिकेट करियर पर लगभग विराम लगा दिया।

आर्थिक तंगी के कारण नियमित प्रशिक्षण और फिटनेस पर ध्यान देना मुश्किल हो गया। धीरे-धीरे उनका वजन काफी बढ़ गया और उन्हें क्रिकेट छोड़ना पड़ा। कई खिलाड़ियों के लिए ऐसी स्थिति करियर का अंत साबित होती है, लेकिन शिवम ने हार मानने के बजाय वापसी की तैयारी शुरू कर दी।

पांच साल बाद मैदान पर लौटे और बदल दी किस्मत

करीब पांच साल तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद शिवम दुबे ने जब वापसी की तो उनका लक्ष्य सिर्फ टीम में जगह बनाना नहीं, बल्कि खुद को साबित करना था। उन्होंने कड़ी मेहनत कर फिटनेस हासिल की और मुंबई की अंडर-23 टीम में जगह बनाई।इसके बाद उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। जनवरी 2016 में उन्होंने मुंबई के लिए टी20 क्रिकेट में डेब्यू किया। 2017 में प्रथम श्रेणी और लिस्ट-ए क्रिकेट में भी डेब्यू किया। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद उभरते ऑलराउंडरों में शामिल कर दिया।

आईपीएल ने बदली जिंदगी

शिवम दुबे को आईपीएल 2019 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मौका दिया, लेकिन उनके करियर में असली बदलाव 2022 में आया, जब वह चेन्नई सुपर किंग्स से जुड़े। महेंद्र सिंह धोनी की टीम में उन्हें अपनी भूमिका स्पष्ट मिली। मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने मैच फिनिश करने की कला विकसित की। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। सीएसके के लिए उन्होंने लगातार शानदार प्रदर्शन किया। 2022 में 289 रन, 2023 में 418 रन, 2024 में 396 रन, 2025 में 357 रन और 2026 में 270 रन बनाकर टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में अपनी जगह बनाई। आईपीएल में वह अब तक 92 मैचों में 2129 रन और 10 अर्धशतक अपने नाम कर चुके हैं।

रोहित शर्मा का भरोसा, सूर्यकुमार की टीम के भी बने हीरो

घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद शिवम दुबे को भारतीय टीम में लगातार मौके मिलने लगे। कप्तान रोहित शर्मा ने उनकी ताकत को पहचाना और उन्हें मध्यक्रम में आक्रामक बल्लेबाज की भूमिका सौंपी। शिवम ने इस भरोसे को सही साबित किया। उन्होंने बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाकर कई मैचों का रुख बदला। गेंदबाजी में भी जरूरत पड़ने पर महत्वपूर्ण विकेट निकालकर टीम को संतुलन दिया। वह 2024 में रोहित शर्मा और 2026 में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के अहम सदस्य रहे।

विश्व कप के बड़े मुकाबलों में निभाई अहम भूमिका

बड़े खिलाड़ियों की पहचान बड़े मैचों से होती है और शिवम दुबे ने यह कई बार साबित किया। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में उन्होंने सिर्फ 16 गेंदों में 27 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके बाद 2026 विश्व कप के सेमीफाइनल में उन्होंने 25 गेंदों पर 43 रन की तेजतर्रार पारी खेली। फाइनल में भी उन्होंने महज आठ गेंदों पर 26 रन बनाकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। इन पारियों ने साबित किया कि दबाव वाले मुकाबलों में भी वह टीम के लिए मैच विनर बन सकते हैं।शिवम दुबे ने तीन नवंबर 2019 को भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। अब तक वह 64 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 48 पारियों में 16 बार नाबाद रहते हुए 991 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 154.12 रहा है। इसके अलावा उन्होंने 31 विकेट भी अपने नाम किए हैं। वनडे क्रिकेट में उन्होंने चार मैच खेलते हुए 43 रन बनाए हैं और एक विकेट भी लिया है।

संक्षिप्त समाचार

लोगों को भूखा रख-नौकरियां छीन विद्रोह को दबाने में जुटी शहबाज सरकार

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में इस्लामाबाद के खिलाफ जन विद्रोह अपने चरम पर पहुंच गया है। अवामी एक्शन कमेटी की अगुवाई में जारी व्यापक प्रदर्शन लगातार 17वें दिन भी जारी रहा। जनता का आरोप है कि आंदोलन को दबाने के लिए शहबाज सरकार के निर्देश पर प्रशासन अब लोगों को भूखा रखने व नौकरियां छीनने के अमानवीय हथकंडे अपना रहा है। इसके तहत पाकिस्तान से पीओके को जोड़ने वाले प्रवेश मार्गों पर खाद्य सामग्री और जरूरी सामानों से लदे ट्रकों को रोक रहा है। आवश्यक वस्तुओं की जानबूझकर पैदा की गई इस किल्लत से स्थानीय समुदाय पर दबाव बढ़ गया है। प्रदर्शन में हिस्सा लेने के आरोप में अब तक 128 सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया गया है। आंदोलन के नेताओं का आरोप है कि सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों को भी प्रदर्शन में शामिल न होने की चेतावनी दी गई है। उन्हें पेंशन रोकने की धमकी दी जा रही है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हिंसक कार्रवाई में दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों को हिरासत में लेकर गंभीर धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं। इधर प्रशासन का दावा है कि कार्रवाई केवल गैर-कानूनी कृत्यों में शामिल लोगों पर की जा रही है।

शी चिनफिंग ने बढ़ाया बंग्लादेश की ओर दोस्ती का हाथ

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को नयी

सरकार के लिए बीजिंग के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया है, साथ ही उच्च गुणवत्ता वाले 'बेल्ट एंड रोड' सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच 13 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए, जो द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती प्रदान करते हैं।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शुक्रवार को यहांबांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात के दौरान ढाका की नयी सरकार को बीजिंग का समर्थन देने का आश्वासन दिया। चीन की पांच दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन रहमान ने बीजिंग स्थित 'ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल' में शी से मुलाकात की। शी ने रहमान से कहा कि चीन बांग्लादेश की नयी सरकार के सुचारु प्रशासन का समर्थन करता है और ढाका के साथ उच्च गुणवत्ता वाले 'बेल्ट एंड रोड' सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, शी ने कहा कि चीन बांग्लादेश के साथ प्रमुख सहयोग योजनाएं तैयार करने तथा हरित एवं निम्न-कार्बन विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था, सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अन्य क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं का पूरा उपयोग करने का इच्छुक है। शी से मुलाकात से पहले रहमान ने चीन की नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) की स्थायी समिति अध्यक्ष झाओ लेजी से भेंट की और द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। रहमान ने बृहस्पतिवार को चीन के प्रधानमंत्री ली क्विंग के साथ वार्ता की थी, जिसके बाद दोनों देशों ने 13 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों ने तीस्ता तथा अन्य नदियों के प्रबंधन में सहयोग को और मजबूत करने पर भी सहमति व्यक्त की। यह सहमति बृहस्पतिवार को रहमान और चीन के जल संसाधन मंत्री ली गुओयिंग के बीच हुई एक अलग बैठक के बाद बनी।

सिंगापुर में 400 से ज्यादा कर्मचारियों की सैलरी रुकी, हाई कमीशन ने की मदद

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर में काम करने गए 400 से ज्यादा भारतीय और बांग्लादेशी मजदूरों के सामने एक बहुत बड़ा और गंभीर संकट खड़ा हो गया है। एसके इंडस्ट्रीज, केपीए इंजीनियरिंग और वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग नाम की तीन कंपनियों ने कर्मचारियों को बिना वेतन के छोड़ दिया है। इन सभी कंपनियों ने मजदूरों को न तो उनकी महीनों की मेहनत की सैलरी दी है और न ही रहने के लिए कोई उचित जगह दी है। इस घटना के सामने आने के बाद भारतीय हाई कमीशन ने तत्काल प्रभाव से हस्तक्षेप करते हुए मजदूरों की मदद शुरू कर दी है।

भारतीय हाई कमीशन नेशनल ट्रेड्स यूनियन कांग्रेस और मिनिस्ट्री ऑफ मैनपावर के साथ मिलकर इस पूरी स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है। रिपोर्ट के अनुसार इन तीनों कंपनियों के एक कॉमन डायरेक्टर की पहचान भारतीय नागरिक रामू पलानी वेलु के रूप में पूरी तरह से हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि सिंगापुर का यह स्थायी

निवासी डायरेक्टर रामू सभी कर्मचारियों के पैसे हड़प कर देश छोड़कर कहीं भाग गया है। सरकार अब इन कंपनियों के पुराने रिकॉर्ड और सभी अहम दस्तावेजों की बहुत ही गहराई के साथ जांच-पड़ताल कर रही है।

मजदूरों को दी जा रही मदद

सिंगापुर में फंसे इन सभी मजदूरों की तत्काल मदद के लिए संबंधित अधिकारियों ने बुधवार को उनसे मुलाकात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया है। मजदूरों को राहत देने के लिए एसजीडी200 नकद और सुपरमार्केट से सामान खरीदने के लिए विशेष शॉपिंग वाउचर भी तुरंत दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही प्रशासन उनके रहने के लिए दूसरी सुरक्षित जगह का इंतजाम कर रहा है और उन्हें नई नौकरी दिलाने की कोशिशें भी जारी हैं।

कंपनियों का पुराना इतिहास: जांच में यह साफ पता चला है कि रामू ने साल 2014 में अपना पहला बिजनेस केपीए इंजीनियरिंग शुरू किया था जिसकी कैपिटल एसजीडी1 मिलियन थी। इसके बाद 2019 में उसने एसजीडी 100,000 की कैपिटल के साथ कम्फर्ट एयर इंजीनियरिंग नाम की एक और नई कंपनी शुरू की थी। साल 2023 में उसने एसजीडी200,000 की भारी कैपिटल के साथ एसके इंडस्ट्रीज रजिस्टर की और 2025 में वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग का कामकाज संभाला।

नए परमिट का अहम खेल: वीवीआर प्लांट इंजीनियरिंग को काफी कीमती माना जाता था क्योंकि इसके पास जुरोंग आइलैंड जैसी जगहों पर काम करने के लिए खास वर्क परमिट थे। रवि मार्टिन अब्राहम ने बताया कि उनके परिवार ने यह कंपनी रामू को इसलिए बेची थी क्योंकि नई कंपनियों के लिए परमिट मिलना आसान नहीं है। साल 2025 में रामू ने एक ही दिन में तीन और नई कंपनियां रजिस्टर कीं जिनमें चरू इंटीग्रेटेड, तरू इंटीग्रेटेड और ड्रूक्स इंडस्ट्रीज पूरी तरह से शामिल हैं। सिंगापुर के मैनपावर मंत्रालय ने इशारा किया है कि वह नियमों के भारी उल्लंघन के लिए केपीए इंजीनियरिंग और एसके इंडस्ट्रीज की कड़ी जांच कर रही है। भारत और सिंगापुर के अधिकारी, ट्रेड यूनियन और सभी बड़े वर्कर ग्रुप इन पीड़ित कर्मचारियों की पूरी मदद करने के लिए लगातार साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

होर्मुज स्ट्रेट में फिर गोलीबारी

ईरान ने मालवाहक जहाज पर किया भीषण हमला

तेहरान, एजेंसी। दुनिया के 20 फीसदी तेल कारोबार के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट में एक बार फिर से फायरिंग हुई है। सामने आई जानकारी के मुताबिक ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (द्रुक्त्रष्ट) ने सिंगापुर के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज 'एवर लवली' को निशाना बनाया है। यह हमला ऐसे समय में किया गया है, जब ईरान और अमेरिका दोनों ही एक नाजुक समझौते को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। अब इस तरह से एक मालवाहक जहाज पर ईरान द्वारा किया गया हमला शांति के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि आईआरजीसी ने मालवाहक जहाज पर हमला किया है। फिलहाल इस हमले को लेकर अमेरिकी सरकार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। वहीं दूसरी तरफ ईरान की इस्लामिक सरकार ने भी इस पर कोई जानकारी नहीं दी है। हालांकि, यह हमला ऐसे समय पर हुआ है, जब समझौते के बाद कुछ समय पहले ही ईरान ने चेतावनी दी थी कि उसकी इजाजत के बिना होर्मुज से निकलने वाले जहाजों के ऊपर कार्रवाई की जा सकती है। इस हमले की ज्यादा जानकारी देते हुए ब्रिटेन की नेवी ने बताया कि ओमान के तट के पास मालवाहक जहाज से एक प्रोजेक्टाइल टकराने की जानकारी मिली है। इस महले में जहाज का कंट्रोल रूम तबाह हो गया है। हालांकि अभी तक किसी की जान जाने की जानकारी नहीं मिली है।

शांति समझौते के लिए खतरा? अमेरिका और ईरान के बीच भले ही शांति समझौता हो गया हो, लेकिन भरोसे की कमी अभी भी साफ तौर पर नजर आ रही है। ईरान की तरफ से इस जहाज पर किए जाने के बाद अब अमेरिका की तरफ से कैसा रिएक्शन आता है, यह देखना होगा। राष्ट्रपति ट्रंप लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि शांति समझौते के बाद होर्मुज से लगातार तेल सप्लाई हो रहा है और जहाजों के लिए खतरा भी खत्म हो गया है। लेकिन इस एक हमले ने ट्रंप के शांति समझौते और उनके शांति वाले दावे की पोल खोल दी है। शांति समझौते के बाद बाद ट्रंप होर्मुज के खुलने का ऐलान कर रहे थे, वहीं तेहरान की तरफ से चेतावनी जारी की गई थी कि होर्मुज से वही जहाज सुरक्षित निकल सकते हैं, जो तेहरान के बताए अनुसार चलेंगे। अगर ऐसा नहीं होता है, तो उन पर हमला किया जा सकता है। अब सिंगापुर के जहाज पर हमला करके ईरान ने अपनी मंशा साफ कर दी है।

ईरान ने पहले ही दे दी थी चेतानी

ईरान अपने दशकों पुराने अमेरिकी हमले के डर का सामना कर चुका है। इस हमले में उसे भले ही बहुत कुछ गवाना पड़ा हो, लेकिन साथ में एक चीज हासिल भी हुई है। और वह है होर्मुज के ऊपर पूरा कंट्रोल। राष्ट्रपति ट्रंप चाहे कुछ भी कहें, लेकिन सच्चाई तो यही है कि ईरान युद्ध के पहले होर्मुज पर ज्यादा ध्यान नहीं देता था, लेकिन अब वह इसे अपने हाथ में रखकर दुनिया से अपनी बात मनवाने की ताकत रखता है। यह हमला इसी बात का उदाहरण है।

अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए ईरान के बाजार पर राष्ट्रपति ट्रंप की नजर, बोले- 'तेहरान के साथ बातचीत जारी'

वाशिंगटन, एजेंसी। युद्धविराम के बाद ईरान के कृषि बाजार पर अमेरिका की नजर है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने एक बयान में कहा कि ईरान अमेरिकी कृषि निर्यात के लिए एक नया बाजार बन सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रशासन हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद तेहरान के साथ बातचीत कर रहा है। साथ ही, राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिकी किसानों के लिए 11 अरब डॉलर की अतिरिक्त राहत राशि की भी घोषणा की। व्हाइट हाउस में किसानों के सम्मान में आयोजित डिनर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रशासन ईरान को कृषि निर्यात बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कांग्रेस से पिछली नीतियों से प्रभावित उत्पादकों के लिए नई वित्तीय सहायता को मंजूरी देने को भी कहा। ट्रंप ने कहा, 'हमने शुरुआत कर दी है और अब एक नया बाजार सामने आ रहा है। उसका नाम है ईरान।' ईरान को अमेरिकी कृषि उत्पादों का संभावित खरीदार बताते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'उन्हें भोजन की कमी का

सामना करना पड़ रहा है। हम उनके कुछ पैसे लेंगे और उन्हें खर्च करके बड़ी मात्रा में गेहूं, सोयाबीन और मक्का खरीदेंगे। यह प्रक्रिया बहुत जल्द शुरू होने वाली है। यह बहुत बड़े पैमाने पर होगी।' इससे पहले, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी अपने बयान में कहा था कि ईरान को अमेरिका कृषि उत्पाद खरीदने के लिए फ्रीज संपत्ति का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी व्यवस्था की पुष्टि नहीं की है। डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस से किसानों के लिए 11 अरब डॉलर की अतिरिक्त सहायता को मंजूरी देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह फंड पिछली सरकार के नियमों के कारण हुए नुकसान की भरपाई उत्पादकों को करेगा। उन्होंने कहा, 'हमने कांग्रेस से एक पूरक वित्तीय सहायता विधेयक पारित करने का आग्रह किया, जिससे विशेष फसलों के लिए 11 अरब डॉलर की राहत और बेहतरीन कृषि उत्पादकों को बाइडेन प्रशासन के खराब नियमों और कानूनों के कारण हुए नुकसान से उबरने में मदद मिल सके।' ट्रंप ने कहा कि कृषि सचिव ब्रुक रोलिंस सहायता के वितरण की देखरेख करेंगे। उन्होंने आगे कहा, 'हम अपने किसानों को राहत के तौर पर 11 अरब डॉलर का भुगतान करने जा रहे हैं।' इस दौरान, राष्ट्रपति ने दावा किया कि उनकी सरकार ने अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए विदेशी बाजारों का विस्तार किया है। उन्होंने यूरोप में डेयरी निर्यात के लिए बेहतर पहुंच, 25 से अधिक सालों के बाद अमेरिकी बीफ आयात के लिए ऑस्ट्रेलिया की मंजूरी और अमेरिकी कृषि उत्पाद खरीदने के चीन के वादे का जिक्र किया। जिनमें एस्टेट टैक्स की सीमा बढ़ाना, खेती के उपकरणों पर असर डालने वाले इलेक्ट्रिक वाहन के फेडरल नियम को खत्म करना, सालभर ई15 फ्यूल की बिक्री की इजाजत देना।

वेनेजुएला में भूकंप के बाद तबाही का मंजर; मलबे में अपनों को ढूंढ रहे लोग; हजारों लापता

काराकास , एजेंसी। वेनेजुएला में गुरुवार तड़के आए 2-2 ताकतवर भूकंप के बाद तबाही का मंजर पसरा हुआ है। हजारों लोग लापता है जिनकी खोज जारी है। घायल और परेशान लोग मलबे के ढेरों में अपनों की तलाश कर रहे हैं। वहीं सैकड़ों लोगों ने पार्क, पार्किंग और दूसरी खुली जगहों पर रात बिताई। दूसरी तरफ अब तक 188 मौतों की पुष्टि हो चुकी है और यह आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है। राहत दल बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक बुधवार शाम आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो भूकंप से कई प्रांतों में भारी नुकसान हुआ है और कई इमारतें ढह गईं। ये भूकंप एक सदी से भी अधिक समय में वेनेजुएला में आए सबसे शक्तिशाली भूकंपों में से हैं। अधिकारियों के मुताबिक भूकंप के बाद देशभर में हजारों लोग लापता हैं। उन्होंने बताया कि राजधानी काराकस के उत्तर में स्थित ला गुएरा के तटीय इलाके में जानमाल का सबसे ज्यादा नुकसान दर्ज किया गया है।

अपनों की तलाश में बिलख रहे लोग

उत्तरी वेनेजुएला के शहरों में इस वक्त चीख-पुकार और मातम का माहौल है। मलबे से धूल और खून से सने लोगों, बच्चों और बेजुबान जानवरों को निकाला जा रहा है। वेनेजुएला के

सरकारी टीवी पर दिखाए गए वीडियो में एक जगह सीमेंट के भारी-भरकम स्लैब के नीचे एक महिला दबी हुई थी, जिसका सिर्फ एक नंगा पैर बाहर दिखाई दे रहा था। रेस्क्यू टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे जिंदा बाहर निकाला।

मलबे के पास खड़ी डायना डेलगाडो ने रोते हुए प्रशासन पर गुस्सा निकाला, 'सरकार ने जिस भारी मशीनरी का वादा किया था, वो कहां है? हमारे पड़ोसी खुद हाथों से मलबा खोद रहे हैं। मेरा 8 साल का बेटा लापता है, मुझे नहीं पता वो मलबे में है या किसी शेल्टर होम में।' एक अन्य जगह पर एक मां अपने 3 और 10 साल के बच्चों के शवों को कंबल में लिपटे देख रो पड़ी।

अब तक 235 की मौत: इस बीच वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार को कहा है कि भूकंप में कम से कम 235 लोगों की मौत हो गई और 4300 से अधिक लोग घायल हो गए। इससे फलद रॉड्रिगेज ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए आपातकाल की घोषणा की थी। अधिकारियों ने बताया कि स्कूलों को कुछ दिनों के लिए बंद कर दिया गया है और कुछ स्कूल भवनों का इस्तेमाल राहत शिविरों और सहायता केंद्रों के तौर पर किया जाएगा।

'ला गुएरा' बना डिजास्टर जोन

राजधानी काराकास के उत्तर में स्थित तटीय क्षेत्र ला गुएरा इस आपदा का सबसे बड़ा शिकार बना है। एक रिटायर्ड शिक्षक जुआन अल्बर्टो ने बताया कि वे मलबे के बीच से गुजर रहे थे, जहां हर तरफ लाशें थी। तभी उन्हें एक दबी हुई महिला दिखी जो हाथ हिलाकर मदद मांग रही थी, लेकिन संसाधन न होने के कारण वे बेबस थे। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो में ला गुएरा में एक अस्पताल के बाहर दर्जनों लोगों का इलाज होते हुए देखा जा सकता है, इनमें से कुछ जमीन पर लेटे थे और कुछ बिस्तरों पर थे। देश का मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा ला गुएरा में ही है, जो भूकंप के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गया है।

शांति बहाल करने समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे

ईरान और अमेरिका के बीच अगले सप्ताह बातचीत फिर शुरू होने की उम्मीद, पाकिस्तान बना गारंटर

वाशिंगटन , एजेंसी। पाकिस्तान ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत अगले सप्ताह फिर से शुरू होने की उम्मीद है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने बुधवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि सभी पक्ष बातचीत के लिए तैयार हैं और प्रक्रिया जारी है। अमेरिका और ईरान ने पिछले सप्ताह पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे।

दोनों देशों ने स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में बातचीत की थी। पाकिस्तान ने इस समझौता ज्ञापन पर 'गारंटर' के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। इसके बाद दोनों पक्ष 60 दिनों में अंतिम शांति समझौते की दिशा में एक रूपरेखा पर सहमत हुए। अंद्राबी के हवाले से जारी बयान में बताया गया कि बातचीत जारी है। मेरा मानना है कि बातचीत अगले सप्ताह, संभवतः मंगलवार को फिर से शुरू होगी। उन्होंने कहा, 22 जून की बातचीत के लिए हमारा प्रतिनिधिमंडल बर्गेनस्टॉक में मौजूद था। जहां तक मैं जानता हूं, जब अगले

सप्ताह बातचीत फिर से शुरू होगी, तब भी हमारा प्रतिनिधिमंडल वहां मौजूद रहेगा। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि अगले सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत दोबारा शुरू होने की संभावना एक सकारात्मक घटनाक्रम है। अमेरिका और ईरान ने हालांकि अब तक बातचीत दोबारा शुरू होने की संभावना को लेकर कोई बयान नहीं दिया है।

पश्चिम एशिया में तनाव में एक के बाद एक आ रहे अड़ंगों के बीच और एक स्थायी समाधान खोजने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में हाई-लेवल डिप्लोमेसी शुरू हो गई है। अमेरिकी मीडिया संस्थान 'एक्सियोस' (×द्रश्ह्य) की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के बीच पिछले हफ्ते हस्ताक्षरित 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन (रूश्व) के तहत पहले दौर की तकनीकी बातचीत संपन्न हो गई है। इस दौरान लेबनान में सीजफायर बनाए रखने, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण 'स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज' को खुला रखने और संभावित परमाणु समझौते के प्रमुख पहलुओं पर गहन चर्चा हुई।

बांग्लादेशी राष्ट्रपति से मिले हाई कमिश्नर, 'टेबल ऑफ प्रिसिडेंस' में मिला कैबिनेट मंत्री का दर्जा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में भारत के नए हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने गुरुवार को ढाका स्थित बंगभवन में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन को अपना परिचय पत्र सौंपकर औपचारिक रूप से अपनी जिम्मेदारी संभाल ली। इस मौके पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया और प्रेसिडेंट गार्ड रेजिमेंट की एक चुस्त-दुरुस्त टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया। परिचय पत्र सौंपने के बाद दिनेश त्रिवेदी ने राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन से शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक में दोनों देशों के रिश्तों, सीमा से जुड़े मुद्दों और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे अहम विषयों पर चर्चा हुई। मुलाकात के बाद राष्ट्रपति के प्रेस सचिव मो. सरवर आलम ने बताया कि राष्ट्रपति ने नए भारतीय हाई कमिश्नर का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि उनका कार्यकाल भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को और मजबूत करेगा तथा दोनों देशों के लोगों के लिए बेहतर परिणाम लेकर आएगा। राष्ट्रपति ने इस साल फरवरी में हुए आम चुनावों के बाद बनी नई लोकतांत्रिक सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम

बिरला की मौजूदगी को भी याद किया और उसके लिए भारत के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत बांग्लादेश का करीबी पड़ोसी, महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार और विकास सहयोगी है। बांग्लादेश भारत के साथ सम्मानजनक, संतुलित और भविष्य को ध्यान में रखकर साझेदारी आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पर दिनेश त्रिवेदी ने कहा कि दोनों संप्रभु देशों के बीच स्वाभाविक रूप से मैत्रीपूर्ण और सौहार्दपूर्ण संबंध हैं और भारत इन्हें और मजबूत बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कराची में 3 साल की मासूम बच्ची की रेप के बाद निर्मम हत्या, 12 संदिग्धों की जांच

कराची , एजेंसी। कराची में 3 साल की मासूम बच्ची की हत्या का यह दर्दनाक मामला पूरे देश में हलचल मचा रहा है। कराची में एक 3 साल की मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी और हत्या की गई है। दोपहर में घर से बाहर खेलने गई यह मासूम बच्ची उसी शाम एक बोरे में मृत पाई गई। इस खौफनाक घटना के बाद से पूरे इलाके में बहुत ज्यादा शोक और गहरा गुस्सा फैला हुआ है। बच्ची का शव कराची के मुस्लिमबाद में मुस्तफा मस्जिद के पास उसी की गली में मिला। शव को एक बोरे में बंद करके मासूम बच्ची के घर की गली के मेन गेट पर फेंका गया था। पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार डॉक्टरों ने अपनी रिपोर्ट में हिंसक बलात्कार की पुष्टि भी कर दी है। इस भयानक मामले ने सुरक्षा व्यवस्था और समाज की मानसिकता पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस दिल दहला देने वाले मामले में सबसे शर्मनाक बात यह है कि आरोपी कोई करीबी हो सकता है। पुलिस को गहरा शक है कि इस मासूम बच्ची का गुनाहगार उसका अपना ही कोई करीबी रिश्तेदार है। केस हैंडल करने वाले डॉ. सैयद ने इसे अपने मेडिकल करियर का सबसे डरावना मामला बताया है। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ ऐसे अपराध हमेशा ही बेहद डरावने और बहुत परेशान करने वाले होते हैं। सिंध के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस जावेद आलम ओधो ने इस घटना की तुरंत जांच के कड़े आदेश दिए हैं। उन्होंने इस जघन्य अपराध की गहराई से जांच के लिए एक बहुत ही हाई-लेवल टीम का गठन किया है।

न्याय के देवता शनिदेव और यमराज क्यों पहनते हैं काले वस्त्र

क्या आपने कभी सोचा है कि शनि खराब होने पर अक्सर ज्योतिर्विद उस जातक को काले और नीले रंग से परहेज करने के लिए क्यों कहते हैं। काल रंग काला क्यों दिखता है, इस विषय में विज्ञान क्या कहता है। शनिदेव की मूर्तियों पर काला रंग और काले वस्त्र धारण कराने के पीछे क्या कोई खास कारण है।

इस संपूर्ण ब्रह्मांड में मुख्य रूप से दो ही देवता हैं जो काले रंग के वस्त्र धारण करते हैं, दोनों ही सूर्य के पुत्र हैं। एक का नाम शनिदेव है और दूसरे का नाम यमराज है। ईश्वर ने इनको परम न्यायाधीश का कार्यभार सौंपा है। जीवित प्राणियों के संपूर्ण कर्मों का भुगतान शनिदेव करवाते हैं और मृत्यु के बाद कर्मों के भुगतान का कार्यभार यमराज का है। यदि यह दोनों देव काले कपड़े न पहनें और क्रूर न हों तो न्याय होना असंभव हो जाएगा, जैसे जातक ने क्रूरता, निर्दयतापूर्वक कर्म किये हुए होते हैं, वैसे ही उन कर्मों के फलस्वरूप उनका प्रायश्चित करवाते हैं।

न्याय के परम प्रतीक उपरोक्त दोनों देवताओं के अनुरूप यहां पृथ्वी पर समस्त न्यायकर्ता यानी जज और वकील भी काले कपड़े पहनकर ही न्याय करते हैं। यदि यह काले कपड़े न पहनें तो न्याय हो ही नहीं सकता। इसमें एक अन्य भी कारण है कि काले कपड़े पर दूसरा रंग नहीं चढ़ता।

जन्मपत्री में शनि अशुभ होने पर काले और नीले रंग से परहेज करने की सलाह ज्योतिर्विद देते हैं। शनि अकारक होने पर काले कपड़ों से परहेज करना आवश्यक है। जिनकी जन्मपत्रियों में शनि योगकारक होकर बलवान होते हैं, वे सफल अधिवक्ता एवं न्यायाधीश बनते हैं। बलवान शनि की डिग्री यानि अंश आदि बल से यह निर्धारित होता है कि शनि कितना बलवान होने पर न्यायाधीश बनाएगा। शनि की प्रबलता के कारण ही अधिवक्ता एवं न्यायाधीश सदियों से काले वस्त्रों का प्रयोग करते आए हैं।

जैसा कि हम सब जानते हैं कि सूर्य के प्रकाश में सभी रंग समाहित होते हैं, लाल, नीला, हरा, पीला आदि, कोई वस्तु लाल दिखती है क्योंकि वह लाल रंग की रोशनी को वापस हमारी आँखों तक भेज देती है यानी परावर्तित करती है और बाकी रंगों को सोख लेती है। कोई वस्तु नीली दिखती है क्योंकि वह नीली रोशनी को लौटाती है। लेकिन काला वस्त्र या काली वस्तु सारी रोशनी को सोख लेती है, कोई भी रंग वापस नहीं भेजती। जब हमारी आँखों तक कोई रंग की रोशनी वापस नहीं पहुँचती, तो दिमाग उसे काला मान लेता है।

शनिवार को पीपल की पूजा कैसे करें?

शनिदेव और पितरों का मिलेगा आशीर्वाद

शनिवार के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करना अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, श्रद्धापूर्वक और विधि-विधान से पीपल वृक्ष की पूजा करने से शनि दोष और साढ़ेसाती के प्रतिकूल प्रभाव कम होते हैं। साथ ही, इससे शनिदेव और पितरों का भी आशीर्वाद मिलता है। जिससे घर में सुख-शांति आती है और फिजूलखर्ची कम होती है।

हिंदू धर्म में पीपल वृक्ष की पूजा का खास महत्व बताया गया है। विशेष तौर पर शनिवार के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने से शनि दोष के प्रतिकूल प्रभाव कम होते हैं। साथ ही, यह साढ़ेसाती और ढैय्या से भी राहत दिलाता है। विधिपूर्वक पीपल वृक्ष की पूजा करने से पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। जिससे जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है और करियर में तरक्की के रास्ते खुलते हैं। इसके साथ ही पीपल के पेड़ की पूजा करने से आर्थिक तंगी भी कम होती है। शनिवार को पीपल वृक्ष की पूजा में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और पीपल पूजा की विधि।

किस समय करें पीपल के पेड़ की पूजा

ज्योतिष एक्सपर्ट डॉ. मधु प्रिया के अनुसार, शनिवार के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करने का सबसे उत्तम समय ब्रह्म मुहूर्त यानी सुबह करीब 3 बजकर 30 मिनट से लेकर 5 बजकर 30 मिनट का समय होता है। इस अवधि के दौरान शनिदेव और पीपल के पेड़ की पूजा करना अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। ऐसा करने से जीवन में आने वाली समस्याएं कम होती हैं और शनि के प्रतिकूल प्रभावों से भी राहत मिलती है।

पीपल की जड़ में कच्चा दूध करें अर्पित

ब्रह्म मुहूर्त के समय उठकर स्नानादि करने के पश्चात साफ वस्त्र धारण करने चाहिए। इसके बाद, कच्चे व शुद्ध दूध से शनिदेव का अभिषेक करें और पीपल की जड़ में भी दूध जरूर अर्पित करें। जिन जातकों की कुंडली में विष योग बन रहा हो, उन्हें यह काम अवश्य करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से विष योग समाप्त होता है और जीवन में शनि ग्रह की अनुकूलता बनी रहती है।

पितृ दोष के लिए पीपल वृक्ष की ऐसे करें पूजा

अगर आप पितृ दोष का सामना कर रहे हैं तो शनिवार या अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ पर सफेद सूत कम से कम 7 या 11 बार बांधते हुए परिक्रमा करनी चाहिए। साथ ही, पीपल की जड़ में काले तिल भी जरूर अर्पित करें। इस प्रकार पीपल वृक्ष की पूजा करने से पितृ दोष से राहत मिलती है और परिवार के सदस्यों पर पितरों का आशीर्वाद बना रहता है। जिससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

ऐसे करें पीपल की पूजा

शनिवार के दिन शाम के समय पीपल वृक्ष की पूजा का खास महत्व बताया गया है। मान्यता है कि ऐसा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा भक्तों पर बनी रहती है। शनिवार की शाम पीपल वृक्ष के नीचे एक सरसों या तिल के तेल का दीपक अवश्य जलाना चाहिए। हालांकि, इस बात का ख्याल रखें की कभी भी सूर्यास्त के बाद और रात के समय पीपल की पूजा नहीं करनी चाहिए। क्योंकि कहा जाता है की दिन के समय पीपल पर लक्ष्मी माता का वास होता है वहीं, सूर्यास्त के बाद अलक्ष्मी वास करती है। ऐसे में रात में पीपल की पूजा करने से घर में आर्थिक तंगी आ सकती है।

साढ़ेसाती में ऐसे करें पीपल वृक्ष की पूजा

अगर आप शनि के प्रतिकूल प्रभाव या साढ़ेसाती का सामना कर रहे हैं तो इसके लिए शनिवार के दिन पीपल वृक्ष की पूजा जरूर करने चाहिए। पेड़ के नीचे एक दीपक जलाने के साथ-साथ वहां लोहे के कटोरे में अपना मुख छाया के रूप में देखकर वहां रख देना चाहिए। ज्योतिष एक्सपर्ट डॉ. मधु प्रिया के अनुसार ऐसा करने से साढ़ेसाती और शनि दोष के प्रभाव कम होते हैं और जीवन से नकारात्मक ऊर्जा भी दूर होती है।

राम रक्षा कवच का करें पाठ

यदि आप अपने जीवन में किसी बड़ी परेशानी का सामना कर रहे हैं, धन या शत्रु संबंधी कोई समस्या चल रही है तो इसके लिए शनिवार के दिन सूर्यास्त के समय पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर 'राम रक्षा कवच' का पाठ करना चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से शत्रु और धन संबंधी बाधाएं कम होने लगती हैं और फिजूलखर्ची भी कम होती है। जिसके प्रभाव से घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसके अलावा, धन, आयु और शत्रु बाधा के लिए इन दो मंत्रों में से किसी एक का जप करना भी अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है।

'ओम शं शनैश्चराय नमः' या 'ओम नीलाजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम्, छायामार्तण्डसंभूतं तं नमामि शनैश्चरम्।'

शनिवार को न करें ये काम

शनिवार के दिन भूलकर भी पीपल का पेड़ काटना या कटवाना नहीं चाहिए। ऐसा करने से कई प्रकार के दोष लग सकते हैं और जीवन में समस्याएं आ सकती हैं। ऐसे में शनिवार के दिन इस बात का ख्याल जरूर रखें। वहीं, शास्त्रों में रविवार के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करना वर्जित माना जाता है। ऐसा करने से इसके प्रतिकूल प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है।

चैतन्य महाप्रभु ने बताया संकीर्तन भजन का महत्व

प्रभु के नाम का स्मरण सभी प्रकार से मंगल करने वाला होता है। प्रभु कृपा से जिस घर में नित्य नाम संकीर्तन होता रहता है, वहां अंगल हो ही नहीं सकता। भगवत नाम संकीर्तन स्तोत्र पाठादि से बढ़कर है, कलिकाल में इसके समान कोई पूंजी नही है, अतः सदैव जपते रहिए, श्रीराम जयराम, जय-जय राम, जय-जय विघ्न हरण हनुमान।

ईश्वर भक्ति एवं प्रभु नाम सभी प्रकार के अमंगल को हरने वाला है। एक दृष्टान्त के अनुसार श्री चैतन्यमहाप्रभु नित्य रात्रि में एक पंडित जी के यहां नाम-संकीर्तन कराते थे, बहुत से भक्त उसमें सम्मिलित ते थे। पंडित जी का पुत्र कीर्तन में झांझ बजाया करता था और खुब प्रेम से प्रभु नाम स्मरण करता था। एक दिन सायंकाल के समय किसी भयंकर रोग के कारण उनके पुत्र की मृत्यु हो जाती है, यह देखकर पंडित जी की पत्नी की आंखों से आंसू बहने लगते हैं तो पंडित जी कहते हैं कि, 'सावधान! बिल्कुल नहीं रोना, एकदम चित्कार नहीं करना।'

उनकी पत्नी कहती है कि, 'मेरा पुत्र मर गया और आप ऐसा कह रहे हैं।' पंडित जी कहते हैं, 'यदि तुम्हारा पुत्र था तो मेरा भी कुछ था किन्तु यदि तुम रोई तो आसपास में सबको खबर हो जाएगी कि हमारे घर में शोक हुआ है और यदि सब यहां एकत्रित हो गए तो रात्रि में महाप्रभु जी की कीर्तन कराने कहीं अन्यत्र जाना पड़ेगा, उनको असुविधा होगी, तुम इस बालक को ले जाकर भीतर कक्ष में लेटा दो, प्रातः देखेंगे कि क्या करना है।' उनकी पत्नी वैसा ही करती है। रात्रि में महाप्रभुजी पधारे, कीर्तन प्रारम्भ हुआ

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे। हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे।।

तभी महाप्रभुजी पंडित जी से पूछते हैं, 'अरे! तुम्हारा बालक किधर है, आज दिखाई नहीं देता वह।' पंडित जी झूठ नहीं बोल सकते थे और सत्य कह दिया तो महाप्रभु जी को पीड़ा होगी इसलिए वह केवल इतना ही बोले, 'भगवन! होगा यहीं कहीं।' इतने में ही कोई आकर महाप्रभु जी से कहता है कि, 'महाप्रभुजी वह कीर्तन में कहां से आएगा, उसकी तो संध्याकाल में ही मृत्यु हो गई है।' तब चैतन्य महाप्रभु कहते हैं कि, 'यह तो हो ही नहीं सकता, जिसके घर में नित्य स्तोत्र-पाठ, नाम संकीर्तन, ऐसा मंगल कीर्तन होता है वहां ऐसा अंगल हो ही नहीं सकता।' श्रीमहाप्रभु जी गंभीर वाणी में पुकारते है, 'अरे! ओ पंडित जी के बालक कहाँ है तू, इधर आ, आज कीर्तन मे झांझ कौन बजाएगा।' इधर महाप्रभुजी का बोलना हुआ, उधर वह बालक कक्ष के भीतर से दौड़ा-दौड़ा बाहर आया और कीर्तन में झांझ बजाने लगा। पंडित जी और उनकी पत्नी के नेत्रों से आंसू बहने लगे, वे महाप्रभु जी को बारंबार प्रणाम करने लगे।

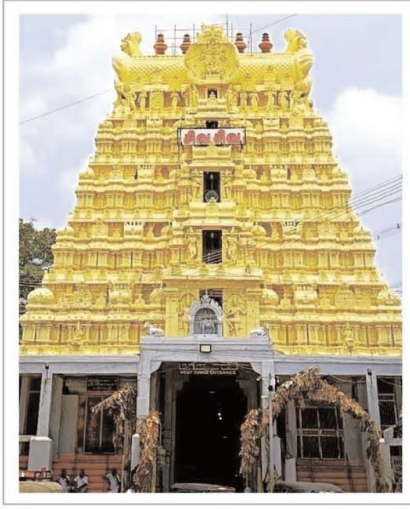

भगवान श्रीराम ने की थी रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग की स्थापना

तमिलनाडु के रामेश्वरम में रामेश्वरम प्रतिष्ठा दिवस मनाया जाता है। यह स्थान हिंदुओं के चार धामों में से एक है। यहाँ पर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग स्थापित है जिसकी स्थापना भगवान श्रीराम ने की थी।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और महत्व

शिव-राम की अद्भुत एकता: भगवान शिव के इस पावन ज्योतिर्लिंग की प्राण प्रतिष्ठा स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने लंका विजय पर प्रस्थान करने से पूर्व की थी। ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि (गंगा दशहरा) को हुए इस पावन अनुष्ठान को ही 'रामेश्वरम प्रतिष्ठा दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो सनातन संस्कृति की महानता का प्रतीक है।

चार धाम और ज्योतिर्लिंग का संगम: तमिलनाडु के तट पर स्थित रामेश्वरम न केवल हिंदुओं के पवित्र 'चार धामों' में से एक है, बल्कि यह देश के '12 ज्योतिर्लिंगों' में भी विशेष स्थान रखता है।

चमत्कारी जल और धार्मिक अनुष्ठान

महा-अभिषेक का पुण्य: प्रतिष्ठा दिवस के दिन यहाँ स्थापित शिवलिंग का गंगाजल और समुद्र के जल से अभिषेक करने का विशेष विधान है। मान्यता है कि इस पावन त्रिवेणी से साधक के समस्त पापों का क्षय होता है और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

समुद्र तट पर प्रथम स्नान (अग्नि तीर्थम): मंदिर के ठीक सामने विशाल समुद्र तट स्थित है। परंपरा के अनुसार, श्रद्धालु यहाँ समुद्र में डुबकी लगाने के बाद ही मंदिर के मुख्य दर्शन और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत करते हैं।

मंदिर के भीतर स्थित दिव्य और औषधीय कुंड

22 पावन तीर्थम: रामनाथस्वामी मंदिर परिसर के भीतर 22 पवित्र कुंड (तीर्थम) स्थित हैं। इन कुंडों का जल औषधीय और दैवीय गुणों से भरपूर माना जाता है। मुख्य गर्भगृह में दर्शन से पहले श्रद्धालु इन सभी कुंडों के पानी से स्नान करते हैं।

खारे समंदर के बीच मीठे पानी का कुआँ: यहाँ हिंद महासागर के खारे पानी के बीचों-बीच एक चमत्कारी कुआँ स्थित है, जिसका पानी एकदम मीठा और पीने योग्य है। लोक मान्यता है कि इस कुएँ का निर्माण स्वयं भगवान राम ने अपने धनुष के एक तीर से किया था। वर्तमान में इसके संरक्षण की आवश्यकता के बावजूद, यहाँ आने वाले लाखों श्रद्धालु इस पानी को अत्यंत पवित्र मानकर श्रद्धा से पीते हैं और इससे स्नान करते हैं।

पितृ दोष निवारण और मोक्ष स्थली

पूर्वजों की मुक्ति का मार्ग: रामेश्वरम धाम को पितृ दोष की शांति और पूर्वजों की आत्मा की तृप्ति (श्राद्ध व तर्पण) के लिए संपूर्ण भारत में सबसे उत्तम और फलदायी तीर्थ स्थलों में से एक माना गया है।

रामसेतु का गौरवशाली इतिहास

इसी पावन भूमि से भगवान राम ने लंका तक पहुँचने के लिए पत्थरों के भव्य 'रामसेतु' का निर्माण करवाया था, जिसकी सहायता से वानर सेना लंका पहुँची थी। युद्ध समाप्ति के बाद, लंका के नए राजा विभीषण के अनुरोध पर श्रीराम ने 'धनुषकोटि' नामक स्थान पर इस सेतु को अपने धनुष से प्रतीकात्मक रूप से तोड़ दिया था।